रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार 03 जनवरी 2025 वर्ष : 03 अंक :03 पृष्ठ -12 PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 मूल्य - ₹ 3 पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

रक्षा क्षेत्र में भारत 2025 में कौन-कौन से बड़े सुधार करने जा रहा है?

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क के खास कार्यक्रम शौर्य पथ में इस सप्ताह हमने ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) से जानना चाहा कि रक्षा मंत्रालय ने 2025 को ह्यसुधारों का वर्षह्ल घोषित किया है। इस साल रक्षा क्षेत्र में क्या बड़े सुधार किये जाने वाले हैं? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि भारत ने 2025 को रक्षा सुधारों का वर्ष घोषित करते हुए कहा है कि इसका उद्देश्य सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए एकीकृत सैन्य कमान शुरू करना तथा सेना को तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार बल में बदलना है। उन्होंने कहा है कि रक्षा मंत्रालय ने जिन सुधारों की योजना बनाई है उनका व्यापक उद्देश्य रक्षा अधिग्रहण प्रक्रियाओं को सरल और समयबद्ध बनाना, प्रमुख हितधारकों के बीच गहन सहयोग सुनिश्चित करना, बाधाओं को दूर करना, अक्षमताओं को समाप्त करना और संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना है।ब्रिगेडियर श्री डीएस त्रिपाठी जी (सेवानिवृत्त) ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है।

लालू यादव ने नीतीश के लिए फिर खोला दरवाजा, बोले-

उनका स्वागत है, तेजस्वी बोले- इस साल NDA की विदाई तय

लालू के बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए अपने पिता से अलग रुख दिखाया है। तेजस्वी यादव ने बुधवार को दावा किया कि नए साल में बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की विदाई

एजेंसी

पटना: राजद सुप्रीमो लालू यादव के एक बयान से बिहार की राजनीति में बवाल मच गया है। लालू ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए उनके दरवाजे खुले हैं और वह चाहें तो उनके साथ आ सकते हैं। वहीं, सीएम नीतीश कुमार ने लालू के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'आप क्या कह रहे हैं, छोड़िए।' जेडीयू नेता विजय चौधरी ने भी लालू के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि हमारी पार्टी में कोई भ्रम नहीं है, पार्टी और मुख्यमंत्री का स्टैंड साफ है कि हम एनडीए में हैं और एनडीए में ही रहेंगे। वहीं, लालू के बेटे और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए अपने पिता से अलग रुख दिखाया है। तेजस्वी यादव ने बुधवार को दावा किया कि नए साल में बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की विदाई तय है। उन्होंने कहा कि नए साल में मेरे चाचा नीतीश कुमार को सत्ता से बाहर कर दिया जाएगा। वह 20 साल से सत्ता में हैं। अगर एक ही फसल इतने लंबे समय तक बोई जाए तो मिट्टी बर्बाद हो

जाती है। इसलिए, नीतीश जी और राजग के जाने का समय आ गया है। आपको बता दें कि नए साल के मौके पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने नीतीश कुमार को फिर से अपने साथ आने का ऑफर दिया है। लालू यादव ने कहा है कि नीतीश कुमार के लिए राजद के दरवाजे खुले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार को भी अपने दरवाजे खुले रखने चाहिए। इतना ही नहीं, लालू ने यहां तक ??कह दिया कि नीतीश कुमार भले ही भाग जाएं लेकिन हमने उन्हें माफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को माफ करना उनका कर्तव्य है। मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में नीतीश को लेकर राजद में असमंजस की स्थिति है. एक तरफ लालू ने नीतीश कुमार को साथ आने का ऑफर दिया है तो दूसरी तरफ तेजस्वी उन पर निशाना साध रहे हैं। तेजस्वी ने कहा है कि 2025 नीतीश कुमार के लिए अलविदा साल साबित होगा और नए साल में बिहार में नई सरकार बनेगी। उन्होंने नीतीश कुमार को थका हुआ नेता बताते हुए कहा कि 'वह थक चुके हैं।लालू यादव के इस बयान पर उनके बेटे और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बेहद हल्के फुल्के अंदाज में जवाब दिया। जब तेजस्वी ये इसके बारे में पूछा गया तो कहा कि पत्रकार लोग अक्सर यह सवाल पूछते रहते हैं। इसलिए आप लोगों को ठंडाने के लिए लालू यादव ने यह बात कही। तेजस्वी यादव ने दावा किया कि अगले विधानसभा चुनाव में आरजेडी बिहार में पूर्ण बहुमत हासिल करेगी और प्रदेश से एनडीए सरकार का अंत होगा। बता दें कि तेजस्वी समय-समय पर पाला बदलने को लेकर अक्सर नीतीश कुमार को निशाने पर लेते रहे हैं। नीतीश कुमार को लालू यादव से मिले ऑफर पर जेडीयू के नेता ललन सिंह ने जवाब दिया। ललन सिंह ने कहा कि एनडीए गठबंधन राज्य में मजबूत हैं। जेडीयू और बीजेपी एकजुट हैं। लालू यादव का यह बयान सिर्फ ध्यान भटकाने की कोशिश है। हमारा देश आजाद है और यहां पर कोई कुछ भी कह सकता है। ललन सिंह ने कहा कि लालू यादव का यह बयान और कुछ नहीं बल्कि मीडिया में चर्चा पैदा करने की कोशिश है। लालू यादव और तेजस्वी यादव चाहे जो भी कहें, लेकिन नीतीश कुमार की नेतृत्व क्षमता और एनडीए की एकजुटता पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

किसानों को पसंद नहीं आया दिलजीत दोसांझ का पीएम मोदी से मिलना,

एजेंसी

नई दिल्ली: पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ की नए साल के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात पर प्रदर्शनकारी किसानों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, जिन्होंने उनके मुद्दे के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए। जहां दोसांझ ने इस मुलाकात को नए साल की शानदार शुरूआत बताया, वहीं प्रधानमंत्री ने साधारण शुरूआत से अंतरराष्ट्रीय स्टारडम तक के सफर के लिए गायक की जमकर सराहना की। हालाँकि, किसान नेताओं ने निराशा व्यक्त की, यह सुझाव देते हुए कि दोसांझ के कार्यों ने किसान आंदोलन के लिए उनके पहले के मुखर समर्थन का खंडन किया।अभिनेता-गायक 2020 में सिंघू सीमा पर किसानों के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए, जहां उन्होंने केंद्र से प्रदर्शनकारियों की मांगों को पूरा करने की अपील की। शंभू बॉर्डर पर एक किसान नेता ने कहा कि अगर दिलजीत को वास्तव में किसानों की परवाह होती, तो वह आते और शंभू बॉर्डर पर दल्लेवाल जी के साथ एकजुटता

कहा- शंभू बॉर्डर पर जाकर डल्लेवाल जी से मिलना चाहिए था

दिखाते, हमारी चिंताओं को सुनते और अपने पहले के बयानों पर कायम रहते। इसके बजाय, वह पीएम मोदी से मिलते। उनके इरादों पर संदेह पैदा करता है। किसानों ने दोहराया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, उनका संघर्ष जारी रहेगा।नए कानून के माध्यम से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को वैध बनाने की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के तहत प्रमुख किसान नेता जगजीत दल्लेवाल 38 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। उनके समर्थन में हजारों किसान सैकड़ों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ खनौरी स्थल पर एकत्र हुए हैं।

कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा, अमित शाह बोले- हम अपनी संस्कृति के कारण जुड़े हुए हैं

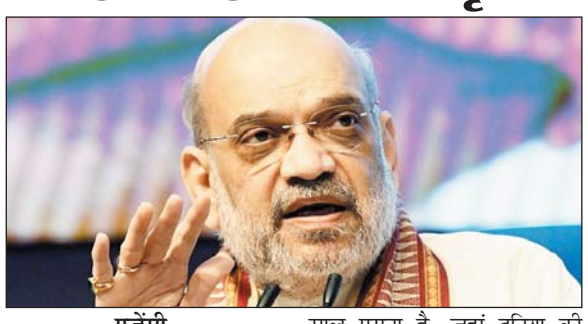

एजेंसी

'जम्मू-कश्मीर: 'जम्मू-कश्मीर और लद्दाख थ्रू द एजेस' पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। शाह ने इस दौरान कहा कि हमारे देश के हर कोने का इतिहास हजारों साल पुराना है, जहां दुनिया की सभ्यताओं को कुछ न कुछ देने के लिए काम किये गये। उन्होंने कहा कि परतंत्रता के समय हमें यह भूलाने का प्रयास किया गया। एक मिथक प्रचारित किया गया कि यह राष्ट्र कभी एकजुट नहीं था और स्वतंत्रता का विचार बेमानी था। बहुत से लोगों ने इस झूठ को स्वीकार भी किया। शाह ने आगे कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान इतिहास में लिखी गई हमारे देश की परिभाषा उनकी जानकारी की कमी के कारण गलत थी। विश्व के सभी राष्ट्रों का अस्तित्व भू-राजनीतिक है। वे युद्ध या समझौते के परिणामस्वरूप सीमाओं द्वारा बनते हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जो 'भू-सांस्कृतिक' देश है और संस्कृति के कारण ही सीमाएँ निर्धारित होती हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, गांधार से ओडिशा तक और बंगाल से असम तक, हम अपनी संस्कृति के कारण जुड़े हुए हैं।

प्रदेश अध्यक्षों और राष्ट्रीय परिषद सदस्यों के चुनाव के लिए तैयारी पूरी, भाजपा ने नियुक्त किए अधिकारी

एजेंसी

नयी दिल्ली । : भारतीय जनता पार्टी (इखढ) ने प्रदेश अध्यक्षों और राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के चयन के लिए चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा कर दी है। गुरुवार, 2 जनवरी को जारी लिस्ट में कई केंद्रीय मंत्रियों सहित वरिष्ठ नेताओं का नाम शामिल है। ये सभी चुनाव अधिकारी अपने-अपने राज्यों में चुनावों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करेंगे।कृकेंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को गुजरात का चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है। जबकि, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान कर्नाटक के चुनाव अधिकारी बने। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को उत्तर प्रदेश, मनोहर लाल खट्टर को बिहार, धर्मेंद्र प्रधान को मध्य प्रदेश के लिए

चुनाव अधिकारी बनाया गया है।नागालैंड के लिए वी. मुरलीधरन, ओडिशा के लिए संजय जायसवाल, मिजोरम के लिए वानति श्रीनिवासन, पुदुचेरी के लिए तरुण चुघ, सिक्किम के लिए

भाजपा ने गुरुवार, 2 जनवरी को प्रदेश अध्यक्षों और राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों के चयन के लिए चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की। जारी लिस्ट में कई केंद्रीय मंत्रियों सहित वरिष्ठ नेताओं का नाम शामिल है।

किरण रिजिजू, तमिलनाडु के लिए जी. किशन रेड्डी, राजस्थान के लिए विजय रूपाणी, तेलंगाना के लिए कुमारी शोभा करंदलाजे और त्रिपुरा के लिए जुएल ओराम को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।

प्रशांत किशोर ने बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर आमरण अनशन शुरू किया

एजेंसी

बिहार : जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने हाल ही में आयोजित बिहार लोक सेवा परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को पटना के गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे आमरण अनशन शुरू किया। किशोर ने पटना के गांधी मैदान में यह घोषणा की।गांधी मैदान उस स्थान से कुछ किलोमीटर दूर है जहां कई पीड़ित उम्मीदवार लगभग दो सप्ताह से चौबीसों घंटे विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किशोर ने संवाददाताओं से कहा कि

उनकी मांगों में परीक्षा रद्द करना और नए सिरे से परीक्षा आयोजित करना शामिल है।उन्होंने कहा ह्यहमें उन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग करता हूं, जिन्होंने कथित तौर पर परीक्षाओं द्वारा भरे जाने वाले पदों को खरीद-फरोख्त के लिए रखा है। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मुलाकात के तुरंत बाद, किशोर ने सोमवार को कहा था कि वह ह्य48 घंटेह्ल तक इंतजार करेंगे और अगर नीतीश कुमार सरकार 13 दिसंबर को आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं पर कोई कार्रवाई करने में विफल रही, तो आंदोलन तेज हो जाएगा।

नए साल पर पीएम मोदी का संकल्प जुमलों से कम नहीं, मल्लिकार्जुन खड़गे का केंद्र पर वार

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए साल के संकल्प हर नागरिक के जीवन को नष्ट करने वाले 'जुमलों' से कम नहीं हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार ने अपने द्वारा पैदा की गई आर्थिक उथल-पुथल का कोई समाधान नहीं दिया है क्योंकि उन्होंने सात संकेतकों का हवाला दिया था। उन्होंने दावा किया कि गोल्ड लोन में 50% की वृद्धि और गोल्ड लोन

एनपीए में 30% का उछाल है। उन्होंने दावा किया कि परिवारों द्वारा खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य पिछली 8 तिमाहियों में धीमा हो गया है और पूर्व-कोविड स्तर तक वापस नहीं आया है। खड़गे के मुताबिक कार बिक्री वृद्धि 4 साल के निचले स्तर पर आ गई है। उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्षों (2019-2023) में इंजीनियरिंग, विनिर्माण, प्रक्रिया और बुनियादी ढांचे (ईएमपीआई) क्षेत्रों में मजदूरी केवल 0.8% की चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़ी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पिछली आठ तिमाहियों में खाद्य मुद्रास्फीति औसतन 7.1% रही है। आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी के रूप में अप्रत्यक्ष कराधान से घरेलू बचत घट रही है जो 50 साल के निचले स्तर पर है।

बीजेपी ने राहुल गांधी को भेजा ठेकेदार का सुसाइड नोट,

पूछा- क्या खड़गे परिवार पर संविधान लागू नहीं होता

एजेंसी

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे के इस्तीफे की मांग तेज कर दी है। कथित तौर पर पार्टी ने अपने विरोध के तहत सिविल कॉन्ट्रैक्टर सचिन पांचाल का सुसाइड नोट कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजा था। भाजपा ने दावा किया कि सुसाइड नोट में उपद्रवी और मंत्री प्रियांक खड़गे के करीबी सहयोगी राजू कपनूर पर टेंडर से जुड़े मामले में 15 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। सुसाइड नोट में आगे आरोप लगाया गया कि कपनूर ने 1 करोड़ रुपये की मांग की और चार अन्य लोगों को सहयोगी बताते हुए सचिन को जान से मारने की धमकी दी। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि मंत्री के कार्यों के कारण ऐसा माहौल बना जिसने ठेकेदार को इस चरम कदम पर धकेल दिया। इस बीच, प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को सचिन की आत्महत्या से खुद को जोड़ने के आरोपों का जोरदार खंडन किया और भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए निराधार दावे करने का आरोप लगाया। खड़गे ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पांचाल के सुसाइड नोट में उनका नाम नहीं है ।

इस बार 4 खिलाड़ियों को मिलेगा खेल रत्न, मनु भाकर और डी गुकेश को भी किया गया शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली: खेल मंत्रालय द्वारा आधिकारिक सूची जारी होने से पहले भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा-एथलीट प्रवीण कुमार ही देश के सर्वोच्च खेल सम्मान के लिए नामांकित थे। संबंधित पुरस्कारों से सम्मानित सभी लोगों को शुक्रवार, 17 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में एक विशेष समारोह में सम्मानित किया जाएगा।युवा मामले और खेल मंत्रालय ने गुरुवार, 2 जनवरी को पुष्टि की कि भारत के दोहरे ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश को 2024-25 के लिए मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार सूची में जोड़ा गया है। खेल मंत्रालय द्वारा आधिकारिक सूची जारी होने से पहले भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरा-

एथलीट प्रवीण कुमार ही देश के सर्वोच्च खेल सम्मान के लिए नामांकित थे।संबंधित पुरस्कारों से सम्मानित सभी लोगों को शुक्रवार, 17 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में एक विशेष समारोह में सम्मानित किया जाएगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालिंपियन प्रवीण कुमार भी 17 जनवरी को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में एक विशेष रूप से आयोजित समारोह में भारत के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त करेंगे। खेल मंत्रालय ने 17 जनवरी को उन एथलीटों की सूची की घोषणा की जिन्हें खेल रत्न, अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कार दिए जाएंगे। जबकि चार को खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, 32 एथलीटों को अर्जुन पुरस्कार और तीन कोचों को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिलेगा।प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार के लिए नामांकित व्यक्तियों की सूची से मनु भाकर को बाहर किए जाने पर विवाद खड़ा हो गया था। निशानेबाज के पिता और कोच जसपाल राणा ने चयन पर निराशा व्यक्त की और ओलंपिक वर्ष में उनकी उपलब्धियों के बाद उन्हें नामांकित नहीं करने के लिए खेल अधिकारियों की आलोचना की। मनु के पिता राम किशन भाकर ने यहां तक ??कहा कि उन्हें अपनी बेटी को शूटर की बजाय क्रिकेटर बनाना चाहिए था।

मदरसा तालीमूल कुरआन के इमारत का मौलाना अब्दुल मन्नान व मौलाना इजहारूल हक ने रखी आधार शिला

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। परिहार प्रखंड के बबुरबन पंचायत वार्ड नम्बर 11 स्थित मदरसा तालीमूल कुरआन, परवाहा के इमारत की आधार शिला मदरसा इमदादीया अशरफिया राजोपट्टी के संचालक मौलाना अब्दुल मन्नान कासिमी व मदरसा जामिया अरबिया अशरफुल उलूम कन्हवां के संचालक मौलाना इजहारूल हक मुजाहिरी ने रखी।

आधार शिला रखने के पूर्व सभा को संबोधित करते हुए मौलाना मो इजहारूल हक मुजाहिरी ने कहा कि वह जमीन बेहतर है, जहां कुरआन सिखने और सिखाने का कार्य होता है। पैसा वह बेहतर है जिस पैसे का कुरआन सिखने और सिखाने में खर्च हो। कुरआन पढ़ने और पढ़ाने की बहुत फजीलत है। वह समय बेहतर है, जिस समय में कुरआन सिखने और सिखाने में व्यतीत करते हैं। उन्होंने कहा कि पैगम्बर मुहम्मद साहब ने तालीम को बहुत अहमियत दिया है। पैगम्बर मुहम्मद साहब ने फरमाया है कि तुम में वह बेहतर है जो सिखता है और दूसरे को सिखाता है। वर्तमान समय में बच्चों को दुनियावी तालीम के साथ दिनी तालीम जरूर दें। मजहब ए इस्लाम में कुरआन की बहुत अहमियत और फजीलत है। कुरआन शान बान के साथ है, जो कयामत तक रहेगी। कुरआन जहां पढ़ा जाता है वहां रहमत और फरिश्ता का नुजूल होता है। तालीम की रौशनी फैलाने में मदरसा व मकतब का महत्वपूर्ण योगदान है, लेकिन यह भी हकीकत है कि ज्यादातर मदरसा खस्ता हाल है। हमें दिनी तालीम के लिए मदरसा व मकतब की जरूरत है। मदरसा व मकतब में बच्चें व बच्चियां कुरआन पढ़या और सिखाया जाता है। सभी मस्जिद में मकतब की व्यवस्था जरूर होनी चाहिए। वहीं उन्होंने मदरसा के संचालक से सलाह मशविरा से काम करने की सलाह दी। इन संस्थाओं के संचालन में सामूहिक सहयोग की जरूरत है। वहीं उपस्थित लोगों से समय और पैसे सहयोग करने की अपील की। उन्होंने मदरसा के संचालक मौलाना मो अनीसुल हक के कोशिश की सराहना की, जिनके द्वारा सुदूर गांव में शिक्षा की रौशनी फैलाया जा रहा है। मौलाना अब्दुल मन्नान कासिमी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आप अपने बच्चों को दिनी तालीम जरूर दें। अल्लाह का वह पसंदीदा बंदा है, जो कुरआन को पढ़ने और सिखाने में अपना वक्त लगाता है। दिनी तालीम के बढ़ावा के लिए मदरसा जरूरी है, जहां आपके बच्चे कुरआन और दिनी तालीम ग्रहण कर सकेंगे। मौलाना मो नेमतुल्लाह रहमानी, कारी मामून रशीद, मौलाना अब्दुल मन्नान कासिमी आवापुरी, मुफ्ती मो मुजीबुर्रहमान कासिमी, हाफीज रजी आलम ने भी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा मदरसा के संचालक मौलाना मो अनीसुल हक कासिमी की सराहना की जिनके द्वारा मदरसा की नई इमारत बनाई जा रही है। उन लोगों ने इस नेक कार्य में सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर मदरसा के विकास व उत्थान के लिए मौला अब्दुल मन्नान कासिमी ने दुआ की। मौके पर पूर्व कमिश्नर अरूण जायसवाल, मदरसा रहमानिया मेहसौल के पूर्व अध्यक्ष मो अरमान अली, मो कमर अख्तर, हैदर अली, हाजी मो इजहार, मास्टर मो जहीर, रईश आजम, मौलाना मो राशीद कासिमी, असगर अली, नेयाज उर्फ गुडडू, मो हसनैन, शमशुल हक, मो आलम , यासीर नेहाल समेत इलाके के दर्जनों गणमान्य व बुद्धिजीवी मौजूद रहे।

नगर परिषद बखरी के पार्षद अनिता देवी के द्वारा कड़ाके ठंड में अपने निजी कोष से जरूरत मंद बुजुर्गों को कंबल वितरण कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नगर परिषद बखरी की पार्षद अनिता देवी ने कड़ाके ठंड में जरूरत मंद बुजुर्गों के बीच अपने निजी कोष से कम्बल वितरण कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।इस मौके पर पार्षद अनिता देवी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि "नव वर्ष के पहले दिन हम सभी को एक-दूसरे की मदद करने का संकल्प लेना चाहिए। इस कड़ाके ठंड में बुजुर्गों को कंबल देकर उनकी थोड़ी सी मदद करने का प्रयास किया गया है, ताकि वे सर्दी से बच सकें।"कार्यक्रम में पार्षद अनिता देवी के साथ रविंद्र सहनी, रामचंद्र सहनी, सुनील पोद्दार, बबलू सिंह और राजेश सहनी भी उपस्थित थे। इन सभी ने इस पहल की सराहना की और समाज के इस महत्वपूर्ण वर्ग के लिए इस तरह के कार्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। कंबल वितरण के दौरान उपस्थित बुजुर्गों ने अनिता देवी का आभार व्यक्त किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस आयोजन के माध्यम से पार्षद अनिता देवी ने यह साबित किया कि वे केवल वार्ड के विकास के लिए नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं।इस पहल से यह भी स्पष्ट हुआ कि पार्षद अनिता देवी समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के लिए लगातार काम कर रही हैं और अपने कार्यों से लोगों के बीच एक नई उम्मीद और विश्वास पैदा कर रही हैं।

दो दिवसीय अष्टयाम महायज्ञ का हुआ समापन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के विभूतिपुर प्रखंड के खोकसाहा बाजार में स्थानीय व्यवसाईयों के द्वारा दो दिवसीय अष्टयाम महायज्ञ का आयोजन किया गया। अष्टयाम महायज्ञ प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी पुराने वर्ष 31 दिसंबर से प्रारंभ होकर नव वर्ष 1 जनवरी को समापन हुआ। पूरा बाजार भक्तिमय के रंग में रहा। पंडित टुनटुन के द्वारा विधि - विधान से पूजा करवाया गया। अष्टयाम के आयोजक शिवम कुमार (राजा) अध्यक्ष, संजय ठाकुर उपाध्यक्ष, दुर्गेश कुमार सचिव, वासदेव कुमार कोषाध्यक्ष, कार्यशील सदस्य में मुकेश कुमार, रमेश कुमार, भूषण, मनोज राउत, राजेश कुमार, भागीरथ कुमार, छोटू, मिथुन आदि मौजूद थे।

पिकनिक मनाने गए युवक की गोरखपुर में मौत, मृतक विरेंद्र साह का फाइल फोटो व घर पर लगी भीड़

हुसैनगंज संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

हुसैनगंज थाना के सरेया निवासी विरेंद्र साह उर्फ टिमल साह उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र स्व० चंद्रदेव गुप्ता की पिकनिक मनाने के क्रम में एक होटल में 31 दिसंबर की रात में मौत हो गई. बताया जाता है कि वह 3 भाई और 4 बहनों में सबसे छोटा था . उसके बड़े भाई की मृत्यु 2 वर्ष पहले बिजली के संपर्क में आने से जलने के कारण से हो गई थी. उसके परिवार की सारी जिम्मेदारी विरेंद्र साह उर्फ टिमल के कंधों पर आ गयी थी. मृतक की पत्नी ललसा देवी ने बताया कि यह घटना 31 दिसंबर के रात की है.उनको 30 जनवरी 2024 को सिंगारपट्टी के प्रदीप तिवारी और शंकरपुर निवासी फिरोज आलम दोनों उसके मित्र थे वे लोग सरेया घर से बुलाकर किसी काम के लिए गोरखपुर ले गए. वहाँ गुप्ता होटल में ठहरे और खाना ऑर्डर कर एक साथ में खाए.फिर अगले दिन भी उसी होटल में वो लोग रुके 31 जनवरी की रात 9 बजे एक और व्यक्ति आया जो होटल में रखे रजिस्टर में कमरा बुक कराये बिना वह रात भर उन लोगों के साथ में उन्हीं के कमरे में ठहरा. इस बात की पुष्टि उस होटल में लगे सीसीटीवी फुटेज में देखा गया. परिजनों ने बताया कि दुसरे दिन एक जनवरी 2025 को सुबह में किसी ने गांव के ही पप्पू श्रीवास्तव के पास फोन करके बताया कि विरेंद्र साह का लाश होटल में मिला है. ये बात श्रीवास्तव ने मृतक के घर जाकर उसके परिजनों ने बताया और कहा कि उसके साथ में गये सभी साथी गोरखपुर से फरार है. मृतक का शव गोरखपुर से उसके घर सरेया गुरुवार को सुबह में पहुंचा. शव पहुंचते ही उसके परिजनों में कोहराम मच गया. शव पहुंचने की सूचना मिलते ही स्थानीय थाना हुसैनगंज की पुलिस उसके परिजनों से फर्द ब्यान लेने के बाद उन्हें आश्वासन दिया कि इस कांड में संलिप्त कोई भी अपराधी बक्से नहीं जायेंगे. मृतक के दो पुत्र हैं बड़ा पुत्र इंटरमीडिएट में पढ़ता है. वहीं छोटा पुत्र हाई स्कूल में पढ़ता है. मृतक के शव को गांव में ही गुरुवार को दोपहर में अंतिम संस्कार कर दिया गया.

अनशन कारी को बीडीओ ने जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया, दिया कार्रवाई करने का भरोसा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। मोरदिवा रामजानकी मंदिर ठाकुरबाड़ी की भूमि पर अवैध दखल कब्जा हटाने अन्य 16 सूत्री मांगों के समर्थन में। बीते तीन दिनों से अनशन कर रहे विजय वास्यायन ने गुरूवार को स्थानीय प्रखंड विकास पदाधिकारी के आश्वासन पर अनशन समाप्त कर दिया। गुरूवार को समस्तीपुर जितवारपुर प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी सुप्रभात ने मुफस्सिल थाना अंतर्गत छतौना पंचायत स्थित काली मंदिर परिसर में अनशनकारी विजय वास्यायन से मिलकर उनकी मांगों को सुना और सहयोग का आश्वासन दिया है। अनशनकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को 16 सूत्री मांग का स्मार पत्र समर्पित किया जिसे अपने अग्रसारण पत्र के साथ बीडीओ ने जिला प्रशासन को प्रेषित करके उसकी प्रति श्री वात्स्यायन को उपलब्ध कराई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि मांगों को लेकर जल्द ही वरीय पदाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराया जाएगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने स्थानीय पंचायत सचिव से पंचायत के कार्यों में लापरवाही को लेकर स्पष्टीकरण मांगा है। पिछले तीन दिनों से अन्न जल त्याग अनिश्चितकालीन अनशन पर विजय वास्यायन बैठे थे। आज उनकी तबीयत भी बिगड़ गई थी। श्री राम जानकी मंदिर ठाकुरबाड़ी (महंत रघुवर दास स्मृति न्यास) के कोषाध्यक्ष संजय कुमार द्वारा जूस पिलाकर अनशन को समाप्त कराया। मौके पर कमल कुमार, केशव कुमार, नित्यानंद मिश्रा, रामाश्रय महतो, स्थानीय मुखिया लक्ष्मण प्रसाद, अमरेश कुमार महतो, प्रशांत कुमार, विनय कुमार, मो0 इजहार, मो सफीक आदि मौजूद थे।

महान रंगकर्मी सफदर हाशमी का मनाया गया 37 वाँ शहादत दिवस

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। महान रंगकर्मी सफदर हाशमी के 37 वें शहादत दिवस के अवसर पर स्टेशन चौक स्थित गांधी स्मारक परिसर में स्मृति सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनवादी लेखक संघ के जिला अध्यक्ष शाह जफर इमाम तथा सीटू के जिला अध्यक्ष रघुनाथ राय ने संयुक्त रूप से की, जबकि संचालन जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा के जिला सचिव चंदेश्वर राय ने किया। सर्वप्रथम वहां उपस्थित सभी नेताओं एवं कार्यकताओं ने सफदर हाशमी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। स्मृति सभा को पूर्व छात्र नेता तथा विभूतिपुर के विधायक अजय कुमार, अनुपम कुमार, मनोज कुमार गुप्ता, किसान सत्यनारायण सिंह, गंगाधर झा, राम सागर पासवान, राम दयाल भारती, राम प्रकाश यादव, नील कमल एवं छोटू कुमार भारद्वाज, डॉ अरुण अभिषेक, अरविंद कुमार दास ने सम्बोधित किया। तमाम वक्ताओं ने सफदर हाशमी को एक महान रंगकर्मी की संज्ञा देते हुए उनके अधूरे सपनों को साकार करने का संकल्प व्यक्त किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में शाह जफर इमाम ने सफदर हाशमी को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताते हुए कहा कि वे एक साथ कवि, लेखक, निर्देशक एवं नाट्यकर्मी तथा सामाजिक - आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन की लड़ाई लड़ने वाले समर्पित योद्धा थे। विदित हो कि 1 जनवरी 1989 को दिल्ली से करीब 40 किलोमीटर दूर साहिबाबाद के झंडापुर कस्बे में हल्ला बोल नाटक करते समय सफदर हाशमी के साथियों पर असामाजिक तत्वों द्वारा हमला कर दिया गया जिसमें एक मजदूर की मौत हो गई तथा अपने साथियों को बचाने में सफदर बुरी तरह घायल हो गये और 2 जनवरी 1989 को दिल्ली के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया। नौजवान सभा के नेता महेश कुमार एवं नरेन्द्र कुमार टुनटुन ने इस अवसर पर इन्कलाबी गीत पेश किए। कार्यक्रम में विनय कुमार सिन्हा, उपेन्द्र राय, कासिम सबा, सुखदेव राय, सुरेश राम, अनिल कुमार राय, लक्ष्मी पासवान आदि उपस्थित थे।

विकास मित्र के निधन पर शोक सभा का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी/बेगूसराय/ संवाददाता
प्रखंड कार्यालय परिसर नावकोठी में पहसारा पूर्वी पंचायत के विकास मित्र इन्दु कुमारी का असामयिक निधन के बाद शोकसभा का आयोजन किया गया।अध्यक्षता बीडीओ चिरंजीव पांडेय ने की।इस दौरान उन्होंने कहा कि वे मात्र 33 वर्ष की थी।पंचायत के कार्यो का ससमय तत्परता के साथ निष्पादन करती थी।क मृदुभाषी और मिलनसार होने के कारण वह लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थी।इनके निधन से सभी कर्मी व्यथित हैं।वह लंबी अवधि से बीमारी से ग्रसित थी।उसके निधन की खबर सुनकर प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के अतिरिक्त अन्य कार्यालय के कर्मियों में शोक छा गया।दो मिनट का मौन धारण कर इन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।सीओ सूरज कुमार, बीपीआरओ निधि प्रिया, कल्याण पदाधिकारी रमाशंकर प्रसाद, बीटीएम विवेकानंद, दुर्गेश नंदन,मन सर प्रसाद सिंह,आशीष कुमार,कुंदन कुमार, अमरजीत कुमार आदि कर्मियों ने दी श्रद्धांजलि सभा में भाग लिया।

किसानों के उन्नति एवं कल्याण के लिए कटिबंध है मोदी सरकार :- अरविन्द सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ मोदी सरकार हर वह कदम उठा रही है जिससे देश के किसानों को लाभ हो सके :- अरविन्द सिंह

पटना, 2 जनवरी :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2025 की पहली कैबिनेट बैठक में अपने लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के आलोक में दोहराया कि मोदी सरकार किसानों के कल्याण एवं उन्नति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।इसी के फल स्वरुप मा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 2021-22 से लेकर 2025-26 तक कुल 69,515.71 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से 2025-26 तक देश भर के किसानों को नहीं रोके जा सकने योग्य प्राकृतिक आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में मदद मिलेगी।श्री अरविन्द ने कहा कि इसके अलावा, इस योजना के कार्यान्वयन में बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी के समावेश, जिससे बेहतर पारदर्शिता और दावों की गणना एवं निपटारे में आसानी सुनिश्चित होती है। मोदी सरकार ने 824.77 करोड़ रुपये की निधि के साथ नवाचार और प्रौद्योगिकी (एफआईएटी) के लिए फंड के निर्माण को भी मंजूरी दी है। इस फंड का उपयोग इस योजना के तहत यस-टेक, विंड्स आदि जैसे तकनीकी पहलों के साथ-साथ अनुसंधान एवं विकास संबंधी अध्ययनों के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

मोदी सरकार किसानों के उन्नति एवं कल्याण के लिए कटिबंध है और किसानों के हितों के लिए हर वह कदम उठा रही है जिससे किसानों को लाभ हो सके।

कृषक सुनील सिंह का निधन, शोक की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के अजना पंचायत स्थित फुलहारा निवासी 60 वर्षीय सुनील सिंह का आकस्मिक निधन बुधवार की मध रात्रि में हो गयी। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे, बुधवार को श्री सुंदरकांड के पाठ में फुलहारा ठाकुरवाड़ी में सम्मिलित हुए। घर जाने के बाद सीने में दर्द हुआ परिजनों ने आनन फानन में दरभंगा लेकर चले परंतु रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। उनके मौत खबर आम होते ही गांव में शोक की लहर फैल गई। शोक जताने वालों में भाजपा नेता शशि भूषण शर्मा, वार्ड पार्षद राजा सिंह, अशोक कुमार सिंह, प्रभात कुमार सिंह उर्फ सोनू, कृष्ण गोपाल शर्मा, मोहन सिंह, हरि वल्लभ सिंह, उमा ठाकुर आदि का नाम शामिल है।

पंचायत भवन पर जन शिकायत निवारण कैंप

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के विरसिंहपुर पंचायत भवन पर जन शिकायत निवारण कैंप का आयोजन प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार की उपस्थिति में की गई। उन्होंने बताया कि सभी विभागों के शिकायत आवेदन प्राप्त हुए है, जिसमें आपूर्ति विभाग के 30, मनरेगा 44, शौचालय 150, आवास 260, राजस्व एवं भूमि सुधार 15 सामाजिक सुरक्षा 5 अन्य विभाग जीरो आवेदन प्राप्त किए गये है।प्राप्त आवेदन के आलोक में सभी विभागों के पदाधिकारी को अविलंब निवारण हेतु निर्देश दिया गया है।

गुड्डू कुमार ने तेजस्वी यादव के वादों को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प, बिहार को समृद्ध बनाने का किया दावा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगुसराय)' राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रखंड अध्यक्ष अनुसूचित जाति, गुड्डू कुमार, ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने नेता और विपक्षी नेता तेजस्वी प्रसाद यादव का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। गुड्डू कुमार का कहना है कि तेजस्वी यादव की सरकार बनने के बाद बिहार में हर घर समृद्ध और खुशहाल होगा। गुड्डू कुमार ने तेजस्वी यादव के प्रमुख वादों पर चर्चा करते हुए कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने पर राज्य में विभिन्न योजनाओं से जनता को व्यापक लाभ होगा। उन्होंने इन वादों को विस्तार से बताया जो बिहार की जनता के लिए अहम साबित हो सकते हैं:1. 'माई बहिन मान योजना': के तहत माताओं बहनों को ?2500 प्रति माह दिए जायेगे2. निशक्तजन,दिव्यांगजन पेंशन? निशक्तजन दिव्यांगजनो को हर महीने मिलने वाले ?400 से 1500 रुपया कर दिया जाएंगे 3. विधवा पेंशन विधवा माताओं-बहनों को हर महीने मिलने वाले ?400 रुपए बढ़कर ?1500 किया जाएगा4. वृद्धजन पेंशन वृद्धजनों को हर महीने मिलने वाले ?400 रुपए बढ़ाकर ?1500 किया जाएगा
5 . हर घर को हर महीने 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी
6. युवाओं को लाखों नौकरियां दी जाएगी उद्योग धंधे लगाए जाएंगे पलायन रोका जाएगायुवाओं के लिए रोजगार और उद्योगों की स्थापनाः तेजस्वी यादव ने राज्य में लाखों नौकरियों के सृजन, उद्योग-धंधों की स्थापना, और पलायन रोकने का वादा किया है, जिससे युवा वर्ग को रोजगार मिलेगा और राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।
गुड्डू कुमार ने कहा, "तेजस्वी यादव ने जो वादे किए हैं, वे केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहेंगे। हम इन्हें पूरा करके दिखाएंगे। आने वाले पांच वर्षों में बिहार को नंबर एक राज्य बनाएंगे।उन्होंने यह भी कहा कि वह और उनका दल तेजस्वी यादव के संदेश को बिहार के हर कोने तक पहुंचाएंगे, ताकि हर नागरिक को इन योजनाओं का लाभ मिल सके और उनका जीवन स्तर सुधर सके।बिहार की राजनीति में तेजस्वी यादव की यह पहल राज्य की जनता में नई उम्मीद का संचार कर रही है।

पत्रकार हुए सड़क दुर्घटना में घायल, दाहिने पैर में आई गंभीर चोट

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के पूसा प्रखंड के पत्रकार अभय कुमार गुरुवार को एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गये। जानकारी के अनुसार वे हर दिन की तरह खबर संकलन के लिए प्रखंड मुख्यालय, अनुमंडल अस्पताल थाना होते हुए अपने आवास की ओर लौट रहे थे तभी डॉ राजेंद्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय द्वार के सामने पोस्ट ऑफिस चौक के समीप एक ट्रक की चपेट में आ जाने से गंभीर रूप से घायल हो गये। दुर्घटना में उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हुई है। दुर्घटना करने वाले ट्रक को स्थानीय पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। स्थानीय लोगों ने घायल पत्रकार को अनुमंडलीय अस्पताल में पहुंचाया जहां अनुमंडलीय अस्पताल में उनका उपचार किया गया। 4 से 5 घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद उन्हें घर के लिए एंबुलेंस से पहुंचाया गया। पत्रकार के साथ दुर्घटना होने की खबर जंगल में आग की तरह पूरे प्रखंड क्षेत्र में फैल गई। सैकड़ो की संख्या में शुभचिंतक, जनप्रतिनिधि आदि अस्पताल परिसर पहुंचे और घायल पत्रकार का हाल जाना। मौके पर प्रखंड प्रमुख रविता तिवारी, पूसा भाजपा मंडल अध्यक्ष रंजीत शर्मा, पप्पू पंडित, रिकी कुमार, कृष्ण कुमार मेघू, माले नेता अमित कुमार, राहुल, रौशन कुमार आदि थे।

मधुबनी जिला के जयनगर में महिला विकास मंच के द्वारा आयोजित 31फर्स्ट नाईट पार्टी सांस्कृतिक कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ झूमे लोग

कलाकरों के गीत संगीत की प्रस्तुतियां पर खूब हुआ मनोरंजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर में महिला विकास मंच और रोटी बैंक के तत्वावधान में व प्रायोजक क्रिब्स हॉस्पिटल मधुबनी द्वारा आयोजित जयनगर में पहली दफे मंगलवार की शाम 31फर्स्ट नाईट पार्टी पर संगीत मय सांस्कृतिक व खेल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वर्ष 2025 की विदाई व नये वर्ष के शुभमंगलमय आगमण के उपलक्ष्य को लेकर आयोजित किया गया। अतिथियों को महिला विकास मंच व रोटी बैंक के सदस्यों के द्वारा स्वागत कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत गायक मोहन व गायिक दिया चौधरी समेत अन्य कलाकारों के द्वारा एक से बढ़कर एक हिंदी मैथिली भोजपुरी लोक गीत रीमिक्स डुएट गीत संगीत हास्य कार्यक्रम की प्रस्तुतियां दी। गायकों के सुमधुर गायन पर कार्यक्रम

में शामिल लोग खूब झूमे और गायकों ने वाह वाही तालियां बटोरी। कार्यक्रम में बच्चों और कपल समेत अन्य लोगो के लिए कई खेल गीत संगीत नृत्य क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बच्चों के बीच प्रतिभा निखारने को लेकर भी कई खेल प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों कपल्स समेत अन्य प्रतिभागियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। मनोरंजन के साथ व्यजनों का लोगों लुफ्त लिया। नये वर्ष का स्वागत केक काटकर व आतिशबाजी कर किया गया। लोगों ने एक दूसरे को नव वर्ष की बधाई व शुभकामनाएं दी। वही कार्यक्रम में लोगों ने खूब मस्ती नृत्य कर खुशियां जाहिर किया। यह कार्यक्रम जयनगर में पहली दफे आयोजित किया गया। नव वर्ष का आगमन हर्षोल्लास धूमधाम के साथ मनाया। परिवार के सदस्यों बच्चों के कार्यक्रम में भाग लिया उत्सवी माहौल में मनोरंजन व व्यजनों के लुफ्त के साथ नव वर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाया। लोगों ने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर काफी सराहना किया। कार्यक्रम में गणमान्य समेत बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री की समस्तीपुर में आगमन को लेकर डीएम ने की अधिकारियों के संग बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में आगामी 13 जनवरी को मुख्यमंत्री बिहार की प्रगति यात्रा से संबंधित की जा रही तैयारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में वृहस्पतिवार को किया गया। समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा हर घर नल का जल योजना अंतर्गत लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण संगठन एवं शहरी क्षेत्र में नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य एवं मरम्मत अनुरक्षण से संबंधित समीक्षा बैठक की गई। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, हर खेत सिंचाई का पानी योजना अंतर्गत लघु जल संसाधन विभाग, विद्युत विभाग अंतर्गत कृषि फीडर के निर्धारित लक्ष्य एवं उनके विरुद्ध उपलब्धि, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, शिक्षा विभाग अंतर्गत उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को प्रोत्साहन, मुख्यमंत्री महिला प्रोत्साहन योजना इंटरमीडिएट एवं स्नातक, स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत टेली मेडिसिन के माध्यम से चिकित्सा व्यवस्था तथा पशु चिकित्सा सेवाओं की डोर स्टेप डिलीवरी, पंचायत सरकार भवन अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धि, हर पंचायत में 10+2 विद्यालय की समीक्षा, प्रत्येक ग्राम पंचायत / नगर पंचायत में खेल को बढ़ावा देने हेतु क्लब के गठन से संबंधित समीक्षा, मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना अंतर्गत कुल बसावट के विरुद्ध निर्माणधीन सड़कों की समीक्षा, मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य एवं स्वीकृत पुलों की समीक्षा, जीविका अंतर्गत समूह के गठन का लक्ष्य एवं उसके विरुद्ध उपलब्धि की समीक्षा, जल जीवन हरियाली के अंतर्गत सार्वजनिक जल अवसंरचनाओं के जीर्णोद्धार इत्यादि से संबंधित समीक्षा बैठक की गई तथा सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को दिए गये लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता अजय कुमार तिवारी, नगर आयुक्त के डी प्रोज्जवल, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सिविल सर्जन जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सहित सभी सम्बंधित विभागों के पदाधिकारी गण मौजूद थे।

इंफको खाद केंद्र का अतिथियों ने किया उदघाटन, किसानों को मिलेगी सुविधा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। दलसिंहसराय शहर के व्यापार मंडल रोड में गुरुवार को इफको खाद केंद्र का उदघाटन अतिथि एसडीओ प्रियंका कुमारी सहित ने किया। व्यापार मंडल के अध्यक्ष अशोक सिंह की अध्यक्षता में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए प्रखण्ड कृषि अधिकारी हिमांशु कुमार ने कहा कि किसानों के आय को दुगना करने के लिए विभाग तेजी से कार्य कर रहा है। किसानों की सहूलियत से खाद की आपूर्ति के लिए आज खाद केंद्र का उदघाटन किया गया है। फसल के अच्छी पैदावार के लिए खेतों में समय खाद डालना नितांत आवश्यक है। यूरिया को खेत में हमेशा शाम को ही डालने का काम करें। बरसात के मौसम में सिंचाई करने की जरूरत नहीं है, लेकिन कभी कभी वर्षा के अभाव में फसल की पत्तियां सिकुड़ने लगती है। ऐसी स्थिति में सिचाई करना जरूरी है। किसान यदि सावधानी से किसी भी फसल को बोने का काम करेगा तो लागत से दुगुना व तीन गुना लाभ अवश्य मिलेगा। मौके पर इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक फराज खान, बीडीओ मनीष कुमार, व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, अनिल कुमार राय, नंद किशोर महतो, माजिद सुहेल, साकेत कुमार, बब्लू कुमार आदि मौजूद थे।

पिस्टल के वट से मारकर किया घायल, मामला दर्ज

नावकोठी बेगूसराय संवाददाताथाना क्षेत्र अंतर्गत महेशवाड़ा में बदमाशों ने एक व्यक्ति को पीटकर गंभीर रूप से जख्मी कर देने का मामला प्रकाश में आया है।घटना बुधवार देर शाम की है।जख्मी वार्ड संख्या 05 निवासी अमित कुमार पिता संजय कुमार है।उसने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराकर गाँव के ही प्रिंस कुमार, संदीप कुमार, अंकित कुमार, श्रवण कुमार पर रंगदारी मांगने तथा पिस्तौल के बट से मारकर जख्मी कर देने का आरोप लगाते हुए नामजद किया है। उसने बताया कि बुधवार को देर शाम गाँव में ही तृप्ति नारायण सिंह के श्राद्ध कर्म का भोज खाने हेतु अपनी बाइक से जा रहा था।

रेड क्रॉस सोसाइटी के तत्वाधान में एसबीआई के मुख्य शाखा में रक्तदान शिविर आयोजित

रक्तवीरों को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र व तिरंगा ओढ़ाकर किया गया सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

सीतामढ़ी। इण्डियन रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा सीतामढ़ी के तत्वाधान में डुमरा स्थित स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की मुख्य शाखा के सौजन्य से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बैंक के अधिकारी, कर्मी, ग्राहकों के अलावा शिक्षकों ने भाग लेकर स्वैच्छिक रक्तदान किया। रेड क्रॉस के सचिव राजेश कुमार सुन्दरका ने बताया कि रक्तदान शिविर का आयोजन बैंक के एजीएम (ऑडिट) मनीष रंजन एवं मुख्य प्रबन्धक चन्दन कुमार की अध्यक्षता में बैंक परिसर में रेड क्रॉस की अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त वातानुकूलित चलंत बस ब्लड बैंक में हुआ। इस अवसर पर रेड क्रॉस के चेयरमैन डॉ महावीर ठाकुर ने रक्तदान से होने वाले फायदे के बारे में बताते हुए कहा कि हृदयघात, रक्तचाप समेत कई बीमारियों का प्रभाव कम होता है। शिविर की सफलता हेतु रेड क्रॉस के पदाधिकारी राजेश महतो, संजय कुमार सिन्हा, अमित कुमार झा, डॉ नसीबुर रहमान एवं बैंक के पदाधिकारी कुन्दन कुमार, निशिष कुमार, सौरभ कुमार अनमोल, मनीष कुमार भारती, पवन कुमार व जिला शिक्षक संघ के पदाधिकारी पवन कुमार, मनीष आनन्द, उमेश चन्द्रवंशी, शंकर साह, धीरेन्द्र कुमार समेत अभिमन्यु कुमार, मनोज कुमार, जनक नंदन, आलोक कुमार, प्रकाश कुमार, रामबाबू ठाकुर, मुनीन्द्र झा, रजनीश कुमार, अनिल ठाकुर, सुनील कुमार, एलटी प्रगति कुमार, एलटी जीवेश कुमार झा ने अपना योगदान किया। सचिव सुन्दरका ने कहा कि उपस्थित डॉ त्रिपुरारी मिश्रा ने रक्तदान को महादान और मानवता का प्रतीक बताते हुए रक्तवीरों का उत्साह बढ़ाया। रक्तदान के उपरान्त रक्तवीरों को ट्रॉफी, रक्तदान प्रमाण पत्र व तिरंगा पट्टा ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

रूढ़िवादी विचार पर पुनः मंथन को प्रेरित करता है मृगतृष्णा:- राजेश राजा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर सिद्दीकी

पटना, बताया जाता है की 12 वर्षों से रंगकर्म के क्षेत्र में सक्रिय, पटना की नाट्य संस्था,'विश्वा, पटना द्वारा ' संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से रंग मार्च स्टूडियो, एस. पी. वर्मा रोड, पटना में नाटक ॒मृगतृष्णा॒ का मंचन किया। "मृगतृष्णा" का नाट्य लेखन आरोती भट्टाचार्य सिंह तथा निर्देशन राजेश नाथ राम ने किया है।भाव विभोर दर्शकों से भरे हुए प्रेक्षागृह और उनकी तालियों ने कलाकारों का खूब उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री बरुण सिंह प्रदेश अध्यक्ष, कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ, बिहार भाजपा एवं श्री प्रेम कुमार सब एडिटर, यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया मौजूद रहे।यह नाटक समकालीन स्तिथियों पर आधारित है। रमा जो अपने जीवन में बेरंग होकर भी खुश है अचानक, ॒अविनाश॒ जो उसके बचपन का मित्र रहा है वो मृगतृष्णा बनकर रमा

के जीवन में आता है, जिसमे रमा को फिर से जीने का अर्थ मिल जाता है। फिर वक़्त की ऐसी बारिश आती है जो रमा और अविनाश दोनों के रंग को धो डालती है, और छोड़ जाती है एक सवाल` यह नाटक जाते- जाते हमें नैतिकता, रुढ़िवादी विचार पर पुनः मंथन करने की स्तिथि में छोड़ जाता है।मंच पर रमा : सुश्री बिस्वास, अविनाश : रजनीश कुमार, तुषार : ऋषि गौतम, भाभी : अंजना पाण्डेय, वंदना : सरिता पाल, मिसेज सिन्हा : सीमा, मंच परे प्रकाश परिकल्पना : राजीव रॉय, पार्श्व ध्वनि : राहुल आर्यन, रूप सज्जा : तन्नु आश्मी, वस्त्र विन्यास : पंकज कुमार तिवारी एवं संजीव कुमार, मंच निर्माण : सुनील जी सहयोग : दीपक कुमार, मंच व्यवस्था : पंकज प्रभात एवं ऋषि गौतम, पूर्वाभ्यास प्रभारी : शशांक शेखर एवं अभिषेक मेहता, प्रस्तुति : विश्वा, पटना लेखक : आरोती भट्टाचार्य सिंह, निर्देशन : राजेश राजा का है बताया जाता है किस इस तरह का अन्य जगहों पर भी कार्यक्रम किया जाता रहा है।

जदयू के कपूरी रथ को काला झंडा दिखाकर किया विरोध

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। जदयू अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी के नेतृत्व में कपूरी रथ के आंबेडकर स्थल डुमरा पहुंचते ही अति पिछड़ा आरक्षण बचाओ संघर्ष मोर्चा सीतामढ़ी के संयोजक राजेंद्र महतो चंद्रवंशी के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकताओं ने काला झंडा दिखाते हुए वापस जाने का नारा लगाते हुए विरोध किया। इस अवसर पर जिला संयोजक राजेंद्र महतो ने कहा कि यह कपूरी रथ नहीं बल्कि जननायक कपूरी के मूल अति पिछड़ों की बबार्दी का रथ है। अप्रैल 2015 में नीतीश लालू एवं सुशील मोदी के आपसी सहमति से व्यावसायिक जाति के संपन्न तेली तमोली और दांगी को अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने के बाद जननायक के 110 हिंदू एवं मुस्लिम अति पिछड़ा वर्ग की अधिकांश आरक्षित सीटों पर हकमारी हो रही है, लेकिन अति पिछड़ा वर्ग के संसद सदस्य, विधायक, मंत्री चुप रहे।

इसके खिलाफ पूर्व विधान पार्षद प्रो डॉ रामबली सिंह चंद्रवंशी ने सदन से सड़क तक आवाज उठाया तो तथाकथित सामाजिक न्याय के नव शासक वर्गों ने उनकी सदस्यता समाप्त कर आवाज बंद करने का काम किया। विरोध प्रदर्शन में दिनेश शर्मा, रामदयाल प्रसाद, संजय मंडल, फेकन साह, अतिम मंसूरी, सुनील मुखिया, धनंजय सहनी, निक्कू मंडल, सुरेंद्र पंडित, दिनेश कापर, अरमान नट, शानू कुमार, मुन्ना ठाकुर सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

केवटी प्रखण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत राज केवटी और पिंडारूच मे सतत विकास लक्ष्य प्राप्ति हेतु बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- केवटी प्रखण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत राज केवटी और पिंडारूच मे सतत विकास लक्ष्य प्राप्ति हेतु बैठक का आयोजन किया गया। पीरामल फाउंडेशन के सहयोग से ग्राम पंचायत प्लैनिंग एंड फैसिलिटेशन टीम की बैठक केवटी पंचायत की मुखिया रूबी कुमारी और पिंडारूच पंचायत के मुखिया गोपाल कुमार झा की अध्यक्षता में बैठक आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर नीति आयोग के सभी थीम एवं पंचायत स्तर पर आवश्यक कार्यों का चर्चा किया गया। जिसमें स्वस्थ्य पंचायत, महिला अनुकूल पंचायत, सैनिटेशन एंड हाइजीन, वाटर सफिशिएंट विलेज जीरो ड्रॉप आउट फ्री पंचायत पर विशेष चर्चा किया गया। जिसमें शिक्षा विभाग को सक्रिय होने की जरूरत है। आंगनबाड़ी सेविका, आशा ने भी अपने समस्याओं के बारे में बारीकी से अपनी बात को रखा। सभी विषयों पर मुखिया ने अपनी सहमति दी। वार्ड सदस्य के माध्यम से वार्ड सभा का आयोजन एवं विस्तृत रोड मैप को लेकर के बात की गई उपस्थित वार्ड मेंबर ने इसमें अपनी सहमति दिया। फाइलेरिया मुक्त पंचायत हो साथ ही से एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम, परिवार नियोजन पखवाड़ा को लेकर के जन जागरूकता रैली आदि विषयों पर जानकारी दिया गया। उपमुखिया सुमन चौधरी और सरपंच अलीमून निशा बताया ने कि स्कूल की शिक्षा में गुणवत्ता पर भी हमलोगों ध्यान देने की आवश्यकता है। यह बैठक मासिक या त्रैमासिक करते रहेंगे। जिसके माध्यम से लोगों का संवाद हम तक पहुंचेगी और हम लोग ग्राम पंचायत विकास को लेकर के कृत संकल्पित रहेंगे। मौके पंचायत सचिव दुलारे चौधरी, जयनारायण सहनी, पीरामल फाउण्डेशन से प्रशांत कुमार दास, संतोष कुमार साहू, प्रमोद मंडल, कार्तिक मंडल, बिंदेश्वर सहनी और आशा, आंगनबाड़ी सेविका, रोजगार सेवक, सभी वार्ड सदस्य और गणमान्य लोग मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में बगरस चौक स्थित एक किशोर की दर्दनाक मौत से परिजनों में मचा कोहराम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगूसराय)। थाना क्षेत्र अंतर्गत बगरस चौक स्थित पीडब्ल्यूडी सड़क पर गुरुवार को दोपहर करीब तीन बजे सड़क दुर्घटना में एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई जिसके बाद परिजनों में कोहराम मर गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार खगड़िया जिला अंतर्गत अलौली थाना क्षेत्र के मोराघाट निवासी चुन चुन साह के पुत्र देवराज कुमार को बगरस चौक स्थित एक स्कॉर्पियो ने जोरदार ठोकर मार दिया जिससे किशोर की घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कार्पियो चालक को पकड़ कर पुलिस को सूचना दिया। वही मौके पर पहुंची बखरी पुलिस ने स्कॉर्पियो चालक को गिरफ्तार कर लिया। वही स्कॉर्पियो को भी जप्त कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर फैसल अहमद ने बताया की लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दो बाईकों की टक्कर में एक बाईक सवार घायल, उपचार जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के शिवाजीनगर थाना क्षेत्र में दो बाईको के बीच हुई टक्कर में एक बाईक पर सवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोग और परिजनों के मदद से उपचार के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बाबत मिली जानकारी के अनुसार एक बाईक सवार अपने घर जा रहा था जैसे ही वह सिसई मोड़ के पास पहुंचा कि विपरीत दिशा से आ रहे दूसरा बाईक से टक्कर हो गई जिसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया घायल बाइक सवार की पहचान शिवाजीनगर नगर क्षेत्र के भटोडर गांव निवासी शिव शंकर सिंह के तौर पर में की गई है। इधर उपचार कर रहे डॉक्टर ने घायल को खतरे से बाहर बताया।

पत्रकार हुए सड़क दुर्घटना में घायल, दाहिने पैर में आई गंभीर चोट

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के पूसा प्रखंड के पत्रकार अभय कुमार गुरुवार को एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गये। जानकारी के अनुसार वे हर दिन की तरह खबर संकलन के लिए प्रखंड मुख्यालय, अनुमंडल अस्पताल थाना होते हुए अपने आवास की ओर लौट रहे थे तभी डॉ राजेंद्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय द्वार के सामने पोस्ट ऑफिस चौक के समीप एक ट्रक की चपेट में आ जाने से गंभीर रूप से घायल हो गये। दुर्घटना में उनकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हुई है। दुर्घटना करने वाले ट्रक को स्थानीय पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। स्थानीय लोगों ने घायल पत्रकार को अनुमंडलीय अस्पताल में पहुंचाया जहां अनुमंडलीय अस्पताल में उनका उपचार किया गया। 4 से 5 घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रखने के बाद उन्हें घर के लिए एंबुलेंस से पहुंचाया गया। पत्रकार के साथ दुर्घटना होने की खबर जंगल में आग की तरह पूरे प्रखंड क्षेत्र में फैल गई। सैकड़ो की संख्या में शुभचिंतक, जनप्रतिनिधि आदि अस्पताल परिसर पहुंचे और घायल पत्रकार का हाल जाना। मौके पर प्रखंड प्रमुख रविता तिवारी, पूसा भाजपा मंडल अध्यक्ष रंजीत शर्मा, पप्पू पंडित, रिकी कुमार, कृष्ण कुमार मेघू, माले नेता अमित कुमार, राहुल, रौशन कुमार आदि थे।

सुखी और आदर्श जीवन का साधन है श्रीरामचरितमानस

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

02/01/2025तेघड़ा /बेगूसरायसंतपॉल पब्लिक स्कूल तेघड़ा के परिसर में श्री रामचरितमानस प्रचार संघ के तत्वावधान में श्री संकटमोचन प्रखंड गोष्ठी तेघड़ा का सातवां वार्षिकोत्सव मनाया गया। जिलाध्यक्ष सह राज्य अध्यक्ष रामबली सिंह ने श्री रामचरितमानस कि प्रत्येक चौपाई से श्रद्धालुओं को भक्ति रस में शरावोर कर दिया। उन्होंने कहा कि श्री रामचरित मानस मोक्ष प्राप्ति के अलावे मानव जीवन को भी सुखी बनाने का साधन है। श्री रामचरित्र के निदेर्शों को जीवन में उतारकर मनुष्य अपने जीवन को एक आदर्श बन सकता है। मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण सत्य ने कहा कि श्रीराम चरितमानस में जीवन आदर्श राजधर्म, आदर्श पारिवारिक जीवन, आदर्श पतिव्रत धर्म, आदर्श भ्राता धर्म, के साथ-साथ सर्वोच्च शक्ति, ज्ञान ,बैराग आदर्श गृहस्थ तथा सदाचार शिक्षा है। जिससे मनुष्य के जीवन में आने वाली समस्याओं से मुक्ति मिल जाती है।

दिव्यांगनजों के लिए एक विशेष रोजगार-सह-मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया जा रहा है

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

दिनांक-02.01.2025जिला नियोजनालय, बेगूसराय से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रम संसाधन विभाग, जिला नियोजनालय, बेगूसराय द्वारा दिनांक- 09.01.2025 को (संयुक्त श्रम भवन, आई0 टी0 आई0 कैम्पस) पन्हास, बेगूसराय में निःशक्त जनो के लिए नियोजन सहायता योजना अन्तर्गत दिव्यांगनजों के लिए एक विशेष रोजगार-सह-मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमें निजी क्षेत्र की कम्पनी भाग ले रही है। जॉब कैम्प में भाग लेने वाले इच्छुक आवेदकों का ठउर ढडफ्ळअछ (६६६.ठउर.ऋङश.क्ठ) पर निबंधन होना आवश्यक है। इच्छुक दिव्यांगजन अपने बायोडाटा के साथ दिनांक-09.01.2025 को सुबह 11:00 बजे तक जिला नियोजनालय, बेगूसराय (संयुक्त श्रम भवन, आई0 टी0 आई0 कैम्पस) में उपस्थित होकर अवसर का लाभ उठा सकते है।

बाजपट्टी प्रखंड के मधुरापुर में अतिपिछड़ा जनसंवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । अतिपिछड़ा जनसंवाद यात्रा कारवां जदयू अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी के नेतृत्व में सीतामढ़ी पहुंचा। इस कड़ी में जिला के बाजपट्टी प्रखंड अंतर्गत शहीद रामफल मंडल जी की जन्मभूमि मधुरापुर में अतिपिछड़ा जनसंवाद किया गया। जनसंवाद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अतिपिछड़ा समाज के लिए किए गए विकास कार्यों एवं बिहार के विकास कार्यों के बारे में बताया गया। इस यात्रा लोग जोश के शामिल हो रहे। वक्ताओं ने कहा कि यात्रा अपने मकसद में सफल है।जनसंवाद यात्रा में पूर्व मंत्री सह प्रदेश महिला प्रकोष्ठ जदयू डॉ रंजु गीता , मोहन राजभर, अमरनाथ प्रसाद, श्रवण चन्द्रवंशी, जदयू जिलाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह कुशवाह, जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बिकाऊ महतो, जिला सचिव सह प्रदेश सचिव (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) सूफिया तसनीम, प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ मो अरशद रजी, जदयू नेता मो बशारत करीम गुलाब, मो अलीम उर्फ आरजू, तस्लीम बोखारी सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम ने नए साल में कार्य की रूप रेखा तैयार की

मो. सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:विगत वर्ष में किए गए कार्यों की समीक्षा एवं नए वर्ष में कार्यों के रूपरेखा तैयार करने हेतु आज डीएम रिची पांडेय की अध्यक्षता में विमर्श कक्ष में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में उप विकास आयुक्त मनन राम, अपर समाहर्ता राजस्व संदीप कुमार सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं तकनीकी विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे जबकि सभी अनुमंडल स्तरीय,प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हुए थे। विगत वर्ष में विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित की गई योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ नए वर्ष में सरकार के विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के मद्देनजर आवश्यक निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए।जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य ,कृषि, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, राजस्व सहित अन्य विभागों द्वारा क्रियान्वित की जाने वाली महत्वपूर्ण योजनाओं का सीधा लाभ आमझआवाम को उपलब्ध हो सके इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता एवं शिद्दत के साथ दायित्व का निर्वहन करना सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि सभी विभाग परस्पर समन्वय के साथ कार्य करें।जनता की शिकायतों का निवारण निर्धारित समय सीमा के अंदर हो।सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सभी सेवाएं बिना किसी कठिनाई के आम जनता को उपलब्ध हो सके इस दिशा में पूरी गंभीरता के साथ कार्य किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी को निर्देश दिया कि नियमित रूप से प्रखंड समन्वय समिति की बैठक हर हाल में आहूत करना सुनिश्चित किया जाए।पंचायत स्तर पर जो कार्य किए जा रहे हैं उसका सतत अनुश्रवण प्रखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। बैठक में जानकारी दी गई की सभी पंचायत सरकार भवन जिनका निर्माण पूर्ण हो चुका है उसे पूर्ण रूप से एक्टिवेट किया जा रहा है।निर्देश दिया गया कि पंचायत सरकार भवन/पंचायत भवन में सभी आई टी कार्यपालक सहित सभी विभागों के कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए।कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति लगाई जाए।जिला पंचायती राज पदाधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि पंचायत सरकार भवन के माध्यम से सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।इस दिशा में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं ताकि आम ग्रामीणों को प्रखंड एवं जिला स्तर पर भटकना नहीं पड़े। जानकारी दी गई कि नए वर्ष में सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही नागरिक सुविधाओं को ससमय एवं बिना समस्याओं की उपलब्धता की दिशा में सभी ग्राम पंचायतों को अपना पंचायत सरकार भवन उपलब्ध हो सकेगा। बैठक में इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों से संबंधित भवन निर्माण को लेकर भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में गंभीरता पूर्वक कार्य करने का निर्देश दिया गया।साथ ही सार्वजनिक स्थलों से अतिक्रमण हटाने की दिशा में ठोस कार्रवाई करने की बात कही गई।बैठक में नल जल योजना, सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, मनरेगा, ठोस कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक प्रोसेसिंग, डब्ल्यू पी यू, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, राजस्व से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों, कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण, बाल संरक्षण, सामाजिक सुरक्षा,आपदा, परिवहन कृषि,स्वास्थ्य, शिक्षा पथ निर्माण, विद्युत, ग्रामीण कार्य विभाग,लघु सिंचाई सहित सभी विभागों की बारी-बारी से समीक्षा की गई एवं नए वर्ष में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला जन संपर्क अधिकारी कमल सिंह,एडीएम विभागीय जांच कुमार धनंजय, सिविल सर्जन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, नगर आयुक्त, एडीएम जिला लोक शिकायत निवारण सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे

डीएम ने चौपाल लगाकर सारण एसपी ने शराब के दुष्प्रभाव की दी जानकारी , दिलाई शपथ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सारण जिले के गांवों को शराब मुक्त, अपराध मुक्त, महिला उत्पीड़न को रोकने व साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने के लिए सारण एसपी कुमार आशीष ने मशरक थाना क्षेत्र के बहरौली गांव में आयोजित जन चौपाल में उपस्थित लोगों को जागरूक किया। मौके पर मढ़ौरा एसडीओ प्रेरणा सिंह, डीएसपी अमरनाथ, पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह,मशरक बीडीओ पंकज कुमार, सीओ सुमंत कुमार, मशरक थानाध्यक्ष अजय कुमार, पानापुर थानाध्यक्ष विश्वमोहन राम, तरैया थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह समेत मशरक, तरैया और पानापुर प्रखंड के पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष अजीत सिंह की तरफ से सारण एसपी समेत अन्य अधिकारियों को आम का पौधा देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उन्होंने कहा कि बिहार में शराब पूर्णतः बंद है। शराब पीना या बेचना सख्त मना है। यदि कोई ऐसा करते पाया जाता है तो उसके विरुद्ध मद्य निषेध कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज में ऐसा करने वाले लोगों को हेय की दृष्टी से देखते हैं। उसके मान सम्मान भी प्रभावित होता है। इसलिए बेहतर होगा कि अपने मान-सम्मान व बेहतर स्वास्थ्य के मद्देनजर शराब का सेवन न करें। मौके पर सारण एसपी ने उपस्थित ग्रामीणों को डायल 112 , महिला हेल्प डेस्क के सुविधा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इलाके का नाम जहरीली शराब कांड से बदनाम हो गया है इसलिए सभी को कोशिश करना है कि पिछले दो कांडों की पुनरावृत्ति न हो पाएं।इसलिए आप सभी जागरूक हों और इसका सेवन रोकने में मददगार साबित हो। उन्होंने उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई।

वरीय पुलिस अधीक्षक, दरभंगा द्वारा महिला थाना का किया गया निरीक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

वरीय पुलिस अधीक्षक, दरभंगा द्वारा महिला थाना का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थानाध्यक्ष महिला एवं थाना के अन्य पधाधिकारी उपस्थित थे।निरीक्षण के क्रम में निम्न पंजियों क्रमशः- आगंतुक पंजी, पासपोर्ट पंजी, आरटीआई पंजी, महिला हेल्प डेस्क, लोक शिकायत पंजी, केश डायरी, वारंट/इश्तिहार/कूर्की पंजी, लूट पंजी, डकैती पंजी, हाजत पंजी, गिरफ्तारी पंजी, दागी पंजी, गिरोह पंजी इत्यादि का निरीक्षण किया गया। * ~~त्रक्षक~~ /थाना दैनिकी/ आरोप पत्र पंजी संधारित करने हेतु दिशा निर्देश ।* महिला संबंधित कानून का जानकारी स्कूल कॉलेज में करने का दिशा निर्देश। * थाना के प्रतिवेदित कांडो का समीक्षा की गई। * थाना में संधारित सभी तख्ती एवं पंजी को अद्यतन रखने हेतु दिशा निर्देश। * सीसीटीएनएस थाना सिरिस्ता संबंधित कार्यो की अद्यतन रखने का निर्देश। *वारंटी की गिरफ्तारी हेतु दिशा निर्देश * शराब बरामदगी हेतु दिशा निर्देश * त्वरित गति से लम्बित कांडो का निष्पादन की दिशा में वारंट, इस्तिहार,कुर्की का निर्देश* महिला हेल्प डेस्क संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई।* गश्ती के क्रम में विशेष रूप से बैंक/अन्य वित्तीय संस्थान एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रात्रि गश्ती हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश की आलोक में कड़ाके की पड़ रही ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिले के कई चिन्हित महत्वपूर्ण स्थान पर अलाव की व्यवस्था

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी -01जनवरी 2025..मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा के निर्देश की आलोक में कड़ाके की पड़ रही ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने जिला के कई चिन्हित महत्वपूर्ण स्थान पर अलाव की व्यवस्था किया है।

मधुबनी के नए रढ योगेंद्र कुमार ने पद भार संभाला, सभी पुलिस मिलकर अच्छी पुलिसिंग कि हमारी होगी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी के नए रढ योगेंद्र कुमार ने पदभार संभाला उन्होंने कहा सभी पुलिस मिलकर अच्छी पुलिसिंग कि हमारी होगी प्राथमिकता*
2014 बैच के क्हर अधिकारी योगेंद्र कुमार ने मधुबनी रढ का पदभार संभाला और अपने कार्यालय कक्ष में कहा की .
सभी पुलिस मिलकर अच्छी पुलिसिंग कि हमारी होगी प्राथमिकता
*मधुबनी पुलिस कप्तान ने कार्यालय कक्ष में बताया की क्राइम कंट्रोल और बेहतर पुलिसिंग की हमारी प्राथमिकता है ' बताया जाता है कि जहां भी रहे हैं आईपीएस अधिकारी काफी तेज तरार और क्राइम कंट्रोल में अपनी शनाख्त रखते हैं आज पदभार संभालते ही

अपने अंदाज में कार्य को बखूबी निभाएंगे '
मधुबनी एसपी योगेंद्र कुमार ने कहा कि हमारी प्राथमिकता
क्राइम कंट्रोल और सभी बिंदुओं पर नजर रखी जाएगी '

कचरा प्रबंधन को वितरित किया ठेला व डस्टबिन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड के दुरगौली पंचायत के दुरगौली में गुरुवार को स्वच्छता अभियान के ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के तहत ठेला व डस्टबिन वितरित किया गया। मौके पर मुखिया निकी देवी, मुखिया पति सत्येंद्र सिंह,उप मुखिया पंकज सिंह, स्वच्छता पर्यवेक्षक राजेन्द्र सिंह,धीरज सिंह, अभिषेक सिंह,गोलू कुमार,मदन राम मौजूद रहें।कचरा संग्रह करने के लिए हरा व नीले रंग का डस्टबिन वितरित कर स्वच्छता कर्मी को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कचरा उठाव के लिए प्रत्येक वार्ड में डस्टबिन युक्त ठेला व एक ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखा वार्डों में रवाना किया। मुखिया निक्की देवी ने कहा कि अब पंचायत भी शहरों जैसा दिखेगा। यह पंचायत कचरा प्रबंधन के लिए चयनित किया गया है। पंचायत को स्वच्छ रखने में सभी लोग अपना योगदान दें। सूखा व गीला कचरा को अलग- अलग करें और स्वचछता वाहन के डब्बे में बाल्टी का कचरा डाल दें। निर्धारित जगह पर कचरा डंप कर उसकी रिसाइक्लिंग की जाएगी।

जन सुराज प्रदेश अध्यक्ष का सीतामढ़ी आगमन, कार्यकताओं से की मुलाकात

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। जन सुराज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती बिहार के प्रत्येक जिले में जाकर कार्यकताओं से संवाद कर रहें हैं। जिसके तहत प्रदेश अध्यक्ष सीतामढ़ी पहुंचे। मनोज भारती ने कांटा चौक स्थित जन सुराज जिला कार्यालय में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने हर घर जन सुराज कार्यक्रम के तहत पार्टी संगठन को मजबूत बनाने और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की। संगठन को मजबूत करने के लिए दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि बूथ लेवल पर कार्यकताओं को जोड़ने का काम करें। यह काम फरवरी तक पूरा कर लिया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष ने आगामी विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रदेश की सभी सीटों पर अच्छे लोगों को चुनाव में उतारेगी, जिनकी छवि साफ सुथरी हो। उन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी सत्ता में आई तो तीन महीने के अंदर बिहार भ्रष्टाचार मुक्त हो जाएगा।

मनोज भारती ने कहा कि भ्रष्टाचार नेताओं से शुरू होता है क्योंकि वह चुनाव में पानी की तरह 8 से 10 करोड रुपए खर्च करके विधायक बनते हैं इसके बाद 15 करोड़ रुपए कमाने के बारे में सोचते हैं जिससे भ्रष्टाचार बढ़ता है। अगर अच्छे प्रत्याशी को जनता चुनेगी तो भ्रष्टाचार कम होगा और बिहार का विकास होगा।बैठक में प्रदेश कोर कमिटी सदस्य डॉ एस पांडेय, अजय कुमार सिंह, बिजेंद्र यादव, डॉ नवल किशोर चौधरी, शशि नाथ सिंह, जिला मुख्य प्रवक्ता विरेन्द्र यादव, जिलाध्यक्ष नवल किशोर रावत, संगठन महासचिव अवधेश कुशवाहा, महिला जिलाध्यक्ष, कामिनी झा, युवा जिलाध्यक्ष रेजाउल्लाह, सीताराम यादव पूर्व सांसद सीतामढ़ी सहित जन सुराज के जिला से लेकर प्रखंड के सभी नेता मौजूद रहें।

महावीर मंदिर के संस्थापक किशोर कुणाल के निधन पर दी श्रद्धांजलि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत के महाराणा प्रताप चौंक के पास वरिष्ठ भाजपा नेता कुमार रजनीश उर्फ झुन्ना पांडेय के आवास पर राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य सह महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव पटना एवं चर्चित आईपीएस रहे आचार्य किशोर कुणाल के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता भाजपा नेता कुमार रजनीश उर्फ झुन्ना पांडेय ने किया। सभी ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और दो मौन श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके मैनेजर मिश्र, शंकर मिश्र, संजय सिंह, हेमंत सिंह,रौशन यादव, कपिल देव सिंह, योगेन्द्र पांडेय, रंजीत राय समेत अन्य मौजूद रहें।

बाजपट्टी प्रखंड के मधुरापुर में अतिपिछड़ा जनसंवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी :अतिपिछड़ा जनसंवाद यात्रा कारवां जदयू अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी के नेतृत्व में सीतामढ़ी पहुंचा। इस कड़ी में जिला के बाजपट्टी प्रखंड अंतर्गत शहीद रामफल मंडल की जन्मभूमि मधुरापुर में अतिपिछड़ा जनसंवाद किया गया। जनसंवाद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अतिपिछड़ा समाज के लिए किए गए विकास कार्यों एवं बिहार के विकास कार्यों के बारे में बताया गया। इस यात्रा लोग जोश के शामिल हो रहे। वक्ताओं ने कहा कि यात्रा अपने मकसद में सफल है।जनसंवाद यात्रा में पूर्व मंत्री सह प्रदेश महिला प्रकोष्ठ जदयू डॉ रंजु गीता , मोहन राजभर, अमरनाथ प्रसाद, श्रवण चन्द्रवंशी, जदयू जिलाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह कुशवाह, जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बिकाऊ महतो, जिला सचिव सह प्रदेश सचिव (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) सूफिया तसनीम, प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ मो अरशद रजी,जदयू नेता मो बशारत करीम गुलाब, मो अलीम उर्फ आरजू, तस्लीम बोखारी सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाजपट्टी प्रखंड के मधुरापुर में अतिपिछड़ा जनसंवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी । अतिपिछड़ा जनसंवाद यात्रा कारवां जदयू अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी के नेतृत्व में सीतामढ़ी पहुंचा। इस कड़ी में जिला के बाजपट्टी प्रखंड अंतर्गत शहीद रामफल मंडल जी की जन्मभूमि मधुरापुर में अतिपिछड़ा जनसंवाद किया गया। जनसंवाद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अतिपिछड़ा समाज के लिए किए गए विकास कार्यों एवं बिहार के विकास कार्यों के बारे में बताया गया। इस यात्रा लोग जोश के शामिल हो रहे। वक्ताओं ने कहा कि यात्रा अपने मकसद में सफल है।जनसंवाद यात्रा में पूर्व मंत्री सह प्रदेश महिला प्रकोष्ठ जदयू डॉ रंजु गीता , मोहन राजभर, अमरनाथ प्रसाद, श्रवण चन्द्रवंशी, जदयू जिलाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह कुशवाह, जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बिकाऊ महतो, जिला सचिव सह प्रदेश सचिव (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) सूफिया तसनीम, प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ मो अरशद रजी,जदयू नेता मो बशारत करीम गुलाब, मो अलीम उर्फ आरजू, तस्लीम बोखारी सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम ने बाल ग्रह का निरक्षण किया

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी:डीएम रिची पाण्डेय के द्वारा डुमरा स्थित बाल गृह एवं विशिष दत्तक ग्रहण संस्थान का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा गृह में आवासित बच्चो से बातचीत करते हुए उनके रहन सहन, पठन पाठन व उनके दिनचर्या से संबंधित जानकारी ली गई। साथ ही जो बच्चे लंबे समय से आवासित है उन्हे पुनर्वासन करने हेतु स्थानीय अखबारों में सूचना प्रकाशित कर उनका घर ढूंढे जाने हेतु आवश्यक प्रक्रिया करने का पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया। बच्चो के मनोरंजन, खान पान की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए आंतरिक व्यवस्था को सुधारे जाने हेतु कई सुझाव दिए तथा आवासित विशेष बालको के स्वास्थ्य और भोजन पर ध्यान देने को कहा गया। जिलाधिकारी द्वारा आवासित बच्चों को नव वर्ष की बधाई देते हुए गिफ्ट स्वरूप कॉपी, कलम चॉकलेट आदि वितरण किया गया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बढ़ते ठंड को देखते हुए बच्चों को कंबल उपलब्ध कराई जाए। पैर में मोजे एवं सर ढक कर रखें। साफ - सफाई के साथ शौचालय की भी सफाई रखें। उन्होंने रसोई घर का भी निरीक्षण किया एवं बच्चों को उत्तम एवं पौष्टिक आहार देने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान सहायक निदेशक, बाल संरक्षण इकाई, लाल कृष्ण राय एवं अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौके पर उपस्थितथे।

यूपी में 2025 में पूरे होंगे 5 मेगा प्रोजेक्ट्स

फाइलें लटका नहीं पाएंगे अफसर, देश के सबसे बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान शुरू होंगी

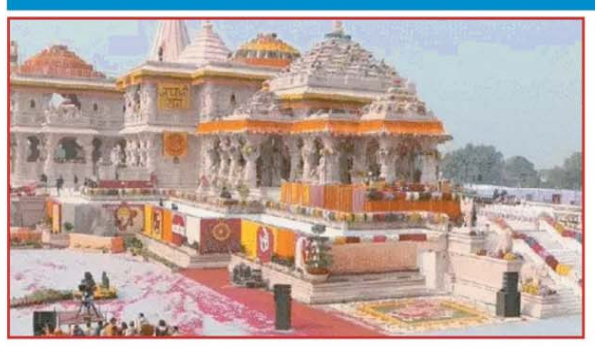

लखनऊ। यूपी के लिए 2025 बहुत खास साबित होने वाला है। देश के सबसे बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट नोएडा से उड़ान शुरू होंगी। अयोध्या में 3 मंजिल का राम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे और गंगा एक्सप्रेस-वे पूरे हो जाएंगे। नए साल में सरकार फ्री में मोटा अनाज मुहैया करवाएगी। यूपी के 49 जिलों में नेचुरल खेती की शुरूआत होगी। नया साल नए बदलाव भी लेकर आया है। 1 जनवरी यानी आज से सभी सरकारी दफ्तरों में फाइलें और लेटर डिजिटल ट्रांसफर और हैंडओवर होंगे। अयोध्या में बन रहे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण 30 जून तक पूरा हो जाएगा। 22 जनवरी, 2024 को पीएम मोदी की मौजूदगी में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। उस वक्त ग्राउंड फ्लोर ही बना था। यह मंदिर 3 मंजिल का बन रहा है। 2025 में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान की शुरूआत होगी। ये उड़ान 17 अप्रैल, 2025 से शुरू होंगी। पहले दिन 30 उड़ानें शेड्यूल हैं। इसमें 25 घरेलू फ्लाइट्स हैं। 3 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें और 2 कार्गो फ्लाइट्स शामिल की गईं हैं। यहां से उड़ान भरने वाली घरेलू उड़ानों में मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, लखनऊ, और देहरादून जैसे शहर शामिल होंगे। जबकि पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ानें ज्यूरिख, सिंगापुर और दुबई के लिए मिलेंगी। उत्तर प्रदेश में आधुनिक सुविधाओं वाला एक नया शहर स्वरूप लेता दिखाई देगा। राजधानी लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी के 27826 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को मिलाकर नया अउफ बसाया जाएगा। इस शहर में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से भी बेहतर सुविधाएं होंगी। आने-जाने के लिए सिटी बस और मेट्रो रेल की सुविधाएं दी जाएंगी। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे योगी सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इससे गोरखपुर, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के जरिए लखनऊ, आगरा और दिल्ली तक रास्ता आसान हो जाएगा। इससे गोरखपुर से लखनऊ की दूरी 3:30 घंटे में पूरी हो जाएगी। इस एक्सप्रेस-वे का सबसे ज्यादा फायदा 4 जिलों को होगा। इनमें गोरखपुर, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर, आजमगढ़ जिले शामिल हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे 2025 में शुरू हो जाएगा। यह मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। एक्सप्रेस-वे का उद्देश्य पश्चिमी उत्तर प्रदेश को पूरब से जोड़ना है। दोनों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक यात्रा के सेतु की तरह काम करेगा। उम्मीद है कि जून तक इस पर वाहन दौड़ने लगेंगे। गंगा एक्सप्रेस-वे 12 जिलों के 518 गांवों से होकर गुजर रहा है। 594 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेस-वे की अनुमानित लागत 36,404 करोड़ है। एक्सप्रेस-वे पर 28 ओवर ब्रिज बनाए गए हैं। 1 जनवरी से सभी सरकारी दफ्तरों में फाइलें और लेटर डिजिटल ट्रांसफर होंगे। फाइलें लटकाने वालों पर कार्रवाई होगी। योगी सरकार ने सरकारी फाइलों के संबंध में नया आदेश जारी किया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सरकारी कार्यालयों में तैनात वाहन चालकों और अनुसेवकों का वर्दी भत्ता बढ़ा दिया है। शासनादेश के अनुसार, वर्दी की खरीद, नवीनीकरण और धुलाई के लिए भत्तों में वृद्धि की गई है। इस बार छुट्टियों में खास बात यह है कि ज्यादातर त्योहार वर्किंग डेज में पर पड़ रहे हैं। 2025 में कुल 24 सार्वजनिक और 31 अप्रतिबंधित छुट्टियां होंगी। केवल तीन त्योहार (गणतंत्र दिवस, रामनवमी और मोहर्रम) रविवार को पड़ेंगे। सरकार ने साफ कहा है कि अगर किसी दिन एक से अधिक त्योहार या जन्मतिथि पड़ती है, तो उस दिन केवल एक ही छुट्टी मिलेगी। यूपी में जनवरी 2025 में बड़े प्रशासनिक बदलाव की तैयारी। 48 आईएएस अफसरों का प्रमोशन होगा। 15 जिलों के डीएम की तब्दीली होगी। 2009 बैच के कुल 41 कअर अधिकारियों को विशेष सचिव (डीएम) से सचिव स्तर पर पदोन्नति मिलेगी। प्रमोशन प्राप्त करने वाले इन अधिकारियों में लखनऊ, वाराणसी, कानपुर, गाजियाबाद और मथुरा के जिलाधिकारी भी शामिल हैं। 2025 में उत्तर प्रदेश के 49 जिलों में प्राकृतिक खेती होगी। सरकार देसी गाय आधारित प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही है। 26 जिलों में केंद्र सरकार और 23 जिलों प्रदेश सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देगी। किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्राकृतिक खेती शून्य लागत वाली खेती है। साल 2025 में एक जनवरी से राशन कार्ड धारकों को सरकार की ओर से मुफ्त राशन मिलने के साथ ही मोटा अनाज भी दिया जाएगा। ताकि लोग मोटे अनाज के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूक हों। जनवरी से मिलने वाले खाद्यान्न में गेहूं और चावल के साथ-साथ ज्वार और बाजरा भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

महाकुंभ में श्रीशंभू पंचायत अटल अखाड़े की पेशवाई

प्रयागराज। महाकुंभ मेले के लिए सभी अखाड़ों से जुड़े साधु-संतों का प्रवेश अब मेला क्षेत्र में हो रहा है। आज 1 जनवरी को चौथे अखाड़े की पेशवाई (छावनी प्रवेश) हुई। श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़े की पेशवाई में सबसे आगे देवता के रूप में भगवान गणेश और धर्म ध्वजा निकाली गई। इसके पीछे महामंडलेश्वर रथ और बग्घी पर सवार होकर निकले। इसके पीछे भस्म-भभूत लपेटे संतों ने लाठियां भांजी, फरसा लहराए और त्रिशूल लेकर चल रहे थे। अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मा सरस्वती महाराज की अगुवाई में 500 से ज्यादा साधु-संत और 100 से ज्यादा नागा संत महाकुंभ में बने अपने शिविर में प्रवेश किए। 5 किमी की यह यात्रा करीब 2 घंटे में पूरी हुई। पेशवाई में सबसे आगे देवता के रूप में भगवान गणेश और धर्म ध्वजा है। इसके पीछे रथ पर महामंडलेश्वर चल रहे हैं। इसके पीछे भस्म-भभूत लपेटे संतों ने लाठियां भांजी, फरसा लहराए और त्रिशूल लेकर चल रहे हैं। अखाड़े के श्रीमहंत बलराम भारती ने बताया- पेशवाई बख्शी बाध पुलिस चौकी के पास स्थित अखाड़े से निकाली गई। निराला मार्ग से होते हुए महानिर्वाणी अखाड़ा, बेणी बांधव मंदिर, दारागंज अड्डा, गंगा भवन, निरंजनी अखाड़ा होते महाकुंभ मेला क्षेत्र में पहुंचेगी। त्रिवेणी मार्ग से सेक्टर 20 में अखाड़े के शिविर में प्रवेश करेंगे। यह यात्रा करीब 5 किलोमीटर की है। अटल अखाड़े के सचिव श्रीमहंत बलराम भारती बताते हैं कि श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़े की स्थापना आदि शंकराचार्य के निर्देश पर 569 ईस्वी में गोंडवाना में हुई थी। इस अखाड़े में मौजूदा समय में दो लाख से अधिक नागा संन्यासी हैं। देशभर में 500 से अधिक मठ-मंदिर और तीर्थ हैं, जहां श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़े का प्रबंधन चलता है। इस अखाड़े की स्थापना आवाहन अखाड़े से अलग कर की गई। एक दौर था जब आवाहन अखाड़े में नागा संन्यासियों की संख्या अधिक हो गई थी। तब पूरे देश में धर्म की रक्षा के लिए एक जगह या एक ही केंद्र से इनका संचालन किया जाना संभव नहीं हो पा रहा था। इसलिए यह अखाड़ा अलग बनाया गया। श्रीशंभू पंचायती अटल अखाड़े की न्याय व्यवस्था सबसे अहम मानी जाती है। सभी अखाड़ों में श्रीपंच होते हैं, लेकिन अटल अखाड़े में श्रीशंभू पंच सबका सरपंच माना जाता है। चाहे किसी तरह के विवाद का निपटारा हो या फिर कोई अहम नीतिगत फैसला लेने का समय हो, 13 अखाड़ों की ओर से होने वाली ऐसी बैठकों में श्रीशंभू पंच का आसन लगाया जाता है।

नए साल का कुशीनगर मेले में लोगों ने किया वेलकम, जश्न के साथ सेल्फी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। अंतराष्ट्रीय पर्यटन व बुद्ध स्थली कुशीनगर में लगे मेले में पहुंचे हजारों लोगों ने अपने अंदाज में नए साल का स्वागत किया। सेल्फी ली और सोसल मीडिया पर शेयर किया। बुधवार सुबह से बुद्ध मार्ग से बुद्धा गेट तक सड़क पर काफी महिला, पुरुषों व बच्चों की भीड़ रही। मुख्य मन्दिर, रामाभार स्तूप, माथाकुवर मन्दिर में तथागत के दर्शन भी किया। बुद्धा घाट पर खेल पार्क, आनंद उपवन व रेस्टोरेंटों, चाट कारनरों पर चटपटे स्वाद लिए सेल्फी ली, झूला झूले और आनन्द उठाया। पुरे मेले की निगरानी रखने के लिए बिरला धर्मशाला व बुद्धा घाट पर बने सूचना केंद्र से निदेश प्रसारित हो रहे थे। नए साल के मेले में हजारों की भीड़ बिहार सहित प्रदेश के नजदीकी जनपद से आयी और पूरे दिन अपने अंदाज में नव वर्ष का स्वागत किया। देवरिया मार्ग पर रामभार तिराहे, बुद्ध गेट, रामनगर मार्ग, अनिरुद्धवा मार्ग, झुग्वा सहित विभिन्न मार्गों पर बैरियर बने थे। वाहन पड़ाव के लिए बुद्ध इंटर कालेज का क्रीड़ांगन, कृषि विश्वविद्यालय की भूमि, एयरपोर्ट जाने वाली सड़क सहित कई जगह वाहन खड़े किये गए। सभी वाहनों को मेला क्षेत्र में जाने से बर्जित कर दिया गया था जिसके वजह से सड़क पर वाहनों का लम्बा काफिला लगा हुआ था। नगरपालिका प्रशासन ने सफाई, पेयजल के इंतजाम कर रखे थे। नपाप अध्यक्ष कुशीनगर किरन जायसवाल व उनके प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने मेला स्थल का भ्रमण किया। इस अवसर पर जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रे जिम्मेदारियों का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने का निर्देश दिए। इस दौरान उप जिलाधिकारी कसया पारितोष मिश्र, क्षेत्राधिकारी कसया कुंदन सिंह, क्षेत्राधिकारी तमकुहीराज, थाना प्रभारी कसया गिरिजेश उपाध्याय सहित पुलिस, पीएससी के जवान, अग्निशमन दल, एलआईयू टीम, अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वर्णिम दुनिया का संदेश देता है नववर्ष

संवाददाता

कुशीनगर। नववर्ष के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज राजयोग मेडिटेशन केंद्र शाखा फाजिलनगर में आयोजित कार्यक्रम राजयो मेडिटेशन से स्वर्णिम भारत व उदय में ब्रह्माकुमारी भारती बहन कहा कि नववर्ष नवीनता औ परिवर्तन का पावन संदेश देता है। यदि जीवन में सफलता प्राप्त कर है, तो अपने विचारों और दृष्टिको में बदलाव लाना होगा। इसके लि राजयोग मेडिटेशन को दैनि जीवन का हिस्सा बनाना सब सरल और प्रभावी विधि है। ब्रह्माकुमारी सावित्री बहन अतिथियों का स्वागत किया औ ब्रह्माकुमारी प्रीति बहन ने राजयोग मेडिटेशन के नित्य अभ्यास से जीवन के सर्वांगीण विकास की महत्ता पर प्रकाश डाला। ब्रह्माकुमारी गीता बहन ने कहा कि आत्मा और परमात्मा के मिलन की अनुभूति का नाम ही राजयोग मेडिटेशन है। संचालन ब्रह्माकुमार सूरज ने किया। इस अवसर पर डा.महेंद्र सिंह, ई.उदयभान सिंह, मैतुल मस्ताना, कवि संतोष गुप्त संगम, छात्र नेता जितेंद्र प्रजापति, शैलेश सिंह, सतेंद्र सिंह, रामायन सिंह ,हरीश गौड़, छोटेलाल यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति और ब्रह्माकुमारी संगठन सदस्य उपस्थित रहे।

बागपत में चोरी के 60 मोबाइल बरामद:सर्विलांस सेल को मिले 15 लाख रुपए के फोन

बागपत। सर्विलांस सेल बागपत द्वारा जनता के खोए हुए 60 मोबाइल फोन को बरामद किया गया है लगभग 6 माह में खोए और गुमशुदा मोबाइलों को बरामद किया गया है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में लगातार सर्विलास टीम देश के अलग-अलग राज्यों में फोनों की तलाश कर रही थी जिस पर बागपत की सर्विलांस टीम ने जम्मू कश्मीर उत्तराखंड हिमाचल झारखंड असम और स्थान पर पहुंचकर इन फोंस को बरामद किया है। एसपी अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन ने सर्विलांस टीम खोए और गुम हुए फोन की बरामदगी को लेकर निरंतर अभियान चला रही थी ऐसे में सर्विलांस टीम को कठिन परिश्रम के चलते बागपत जनपद अन्य जिलों और अलग-अलग राज्यों से विभिन्न कंपनी के साथ मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। जिनकी कीमत लगभग 15 लाख रुपए बताई जा रही है। वहीं आज पुलिस लाइन सभागार में प्रेस वार्ता करते हुए एसपी अरविंद विजय वर्गीय की मौजूदगी में फोन स्वामियों को फोन दिए गए। फोन मिलाने के बाद फोन स्वामियों ने बागपत पुलिस का धन्यवाद किया और कहा कि पुलिस की सतर्कता के चलते ही हमें फोन वापस मिल पाए हैं। फोन स्वामी वंश कुमार और समीर ने बताया कि फोन गुम हो जाने के बाद फोन मिलने की उम्मीद खत्म हो गई थी लेकिन पुलिस ने हमें हमारे फोन बरामद करके वापस दिए हम पुलिस के हमेशा शुक्रगुजार रहेंगे। पुलिस ने हमें नव वर्ष का तोहफा फोन बरामद करके दिया है।

नव वर्ष पर जगमग हुआ थाई मन्दिर, हुई पूजा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नववर्ष के उपलक्ष्य में थाई मोनेस्ट्री कुशीनगर में विविध कार्यक्रम आयोजित किये गए। तथागत बुद्ध के पूजन अर्चन के साथ भिक्षुओं को भोजन दान दिया गया । नव वर्ष को लेकर एक दिन पूर्व सोमवार को थाई मन्दिर को भव्य रूप से सजाया गया। रात में मन्दिर विविध प्रकाश के रंगों की विहंगम छटा से आलोकित हो उठा। थाई भन्ते डा0 पी सोम पोंग के निर्देशन में भिक्षुओं ने रात में भगवान बुद्ध का पूजन अर्चन कर साधना की और बुधवार की सुबह मुख्य महापरिनिर्वाण मंदिर में जाकर बुध्द की लेटी प्रतिमा का दर्शन , पूजन किया और चिवर चढ़ा कर विश्व कल्याण व भारत थाई सम्बन्धो की मधुरता की कामना की। कुशीनगर भिक्षु संघ से जुड़े भिक्षुओं को भोजन दान दिया गया। इस दौरान भिक्षु पी नरोंग, पी अनुवत, पी दम, पी आट, पी बुन मा के अलावे अम्बिकेश त्रिपाठी, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड़, सूरज यादव, गौतम शर्मा आदि मौजूद रहे।

नव वर्ष पर रोटरी क्लब के शिविर में 503 की हुई निःशुल्क ब्लड ग्रुप जांच

संवाददाता

कुशीनगर। रोटरी क्लब कुशीनगर ने नए वर्ष की शुरूआत में एक महत्वपूर्ण पहल की, चैरिटेबल ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क ब्लड ग्रुप जाँच शिविर में लोगों ने मुफ्त में अपने ब्लड ग्रुप की जाँच कराई।

कार्यक्रम का उद्घाटन नगर पालिका कुशीनगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल व अधिशासी अधिकारी अंकिता शुक्ला ने फीता काट कर एवं अपना ब्लड ग्रुप जांच कराते हुए किया। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि भाग दौड़ की वर्तमान जिन्दगी में प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपने ब्लड ग्रुप की जानकारी रखना बहुत जरूरी है। इससे खुद के किसी दुर्घटना का शिकार होने या मौका पड़ने पर किसी को रक्त देने व लेने में सहायता मिलती है। रोटरी के अध्यक्ष वाहिद अली ने बताया कि ब्लड ग्रुप पता होने से रोगों से मुक्ति एवं आकस्मिक संकट के समय विशेष लाभ मिल जाता है, साथ ही जिनका ब्लड ग्रुप एबी निगेटिव है जो कम लोगों में पाया जाता है, किसी को भी एबी निगेटिव रक्त की आवश्यकता पड़े तो वे सहर्ष रक्तदान कर लोगों के जीवन बचाने में सहयोग कर सकेंगे। सभास केशव सिंह, राजेश मद्धेशिय दिनेश तिवारी भोजपुरिय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डं संजय सिंह, पुरातत्व सर्वेक्ष विभाग के संरक्षण सहायक शादा खान, प्रधानाध्यापक भगवंत सिं सहित 503 लोगों ने अपने रक्त समूह की जांच कराई। जाँच के उपरांत सभी को प्रमाण पत्र भी दि गया। इस अवसर पर सचिव अजय कुमार सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष दिनेश कुमार यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुवेर्दी, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, मीडिया अरूण कुमार वर्मा, राजीव तिवारी, अरूण कुमार मौर्या, रंजीत श्रीवास्तव, आदिल खान, शोभा राय, राजू चौहान आदि उपस्थित रहे।

लखनऊ में साल के पहले दिन बिजली कर्मचारियों का प्रदर्शन

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में नए साल की शुरूआत बिजली कर्मियों ने विरोध के साथ किया। निजीकरण को लेकर लगातार चल रहा विरोध बुधवार को भी जारी रहा। बड़ी संख्या में बिजली कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर जन जागरण करने की बात कही। इसके अलावा शक्ति भवन का भी घेराव करने की तैयारी है। निजीकरण के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को 25 संगठनों ने समर्थन दिया है। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया, राज्य कर्मचारियों के 25 संगठनों का समर्थन मिला है। इन संगठनों से 16 लाख कर्मचारी जुड़े हैं। हम सभी मिलकर निजीकरण का विरोध कर रहे हैं। हमारे साथ अब प्रदेश के राज्य कर्मचारी भी जुड़ गए हैं।

कर्मचारियों का दावा है कि निजीकरण से 77 हजार कर्मचारियों की छंटनी होने वाली है। इसमें 50 हजार संविदा कर्मचारी और 27 हजार अभियंता सहित अन्य कर्मचारियों की नौकरी जाएगी। उनका तर्क है कि रातों रात पूरा निगम बेच दिया जा रहा है। प्राइवेट कंपनी पैसा कमाने के लिए आ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कर्मचारियों की मांग पर विचार करना चाहिए।

भन्ते डॉ नन्द रतन के सानिध्य में हुआ पाली एक शास्त्रीय भाषा विषयक संगोष्ठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। पाली सोसाइटी ऑफ इंडिया व सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय पुणे के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को श्रीलंका बुद्ध बिहार के अशोका हाल में ' पाली एक शास्त्रीय भाषा ' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में पाली को ज्ञान व रोजगार की भाषा बनाने का संकल्प लिया गया। सेमिनार में मुख्य अतिथि पाली एंड बुद्धिस्ट सोसायटी एसपीपीयू विभाग के अध्यक्ष प्रो0 महेश देवकर ने कहा कि भगवान बुद्ध के उपदेश ग्रंथों में निहित है। जो लोक भाषा पाली में है। जिस परिवेश में भाषा विकसित होती है। पाली एक ऐसी भाषा जिसका एक आधार है, शास्त्रीय, प्राचीन है। वैदिक भाषा की जो विशेषताएं हैं वो पाली में मिलती है। पाली भारत में ही नहीं थाईलैंड, श्रीलंका, म्यांमार, लाओस, कंबोडिया व अन्य बौद्ध देशों में भी असर रहा जो वहां की भाषा से प्रभावित हुई। इस भाषा में जीवन को बदलने की क्षमता है। पाली विषय के मर्म व कौशल को जानने की आवश्यकता है। शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने से इतराना नहीं है। बहुत कुछ करने की जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक महाराष्ट्र एड0 गौतम चबुकस्वार ने कहा कि भगवान बुद्ध के उद्देश्य, त्रिपिटक पाली में है। इस भाषा में देश बदलने की ताकत है। चीफ प्रॉक्टर वाइस चांसलर नव नालन्दा महा बिहार नालन्दा, बिहार प्रो0 राम नक्षत्र प्रसाद ने कहा कि पाली की साहित्यक यात्रा बहुत ही समृद्ध है। बीपीजी कि प्रो0 वीरेंद्र सिंह ने कहा कि पाली पुरानी परंपरा की पोषक रही है।

डॉ लता देवकर, प्रो0 तिरुपतिरानी तायड़े ने भी अपने विचार रखे। अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य बुध्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर डॉ बिनोद मोहन मिश्र ने बताया कि कालेज में पाली विषय की जुलाई से डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स शुरू होंगे पाली सोसायटी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय सचिव और श्रीलंका बुध्द बिहार के प्रमुख भन्ते डा. नन्द रतन ने सभी अतिथियों व देश के राज्यो से आये अतिथियों को पंचशील पट्टिका और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। संचालन डॉ निगम मौर्य ने किया। आभार ज्ञापन प्रो0 दीपक गायकवाड़ ने किया।

इस दौरान भन्ते आलोक, भन्ते डॉ तेजेन्द्र अरहन्त, सुनील गायकवाड़, संजय पांडुरंग मोरे, वनिता ब्रम्हे, रंजना मौर्य, देवीदास ब्रम्हे, मंगल सोनौली, चित्रा खरक, तुषार आल्हाट, सुरेंद्र शांताराम ससाने, विद्याधर नरायन राजवंत, अतुल सनौने सहित सौ प्रतिनिधि मौजूद रहे।

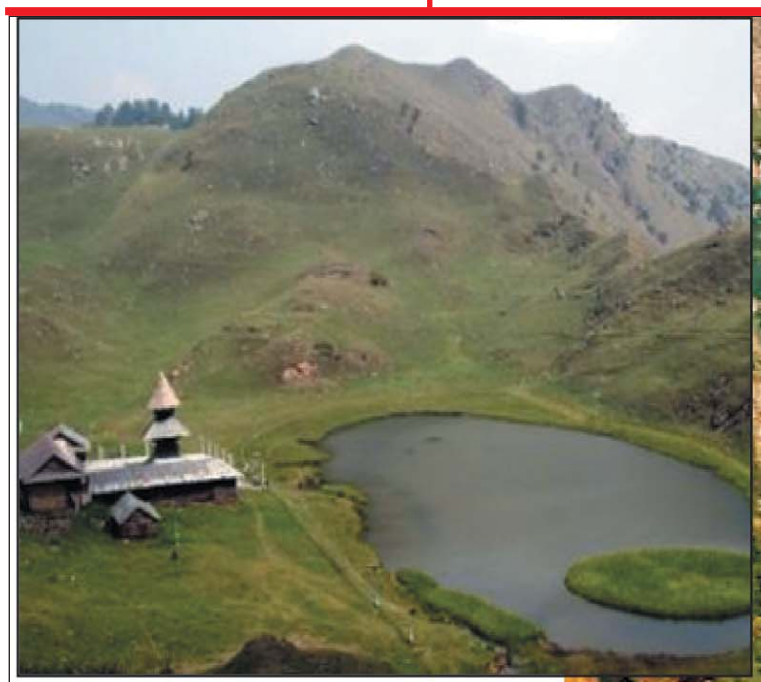

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

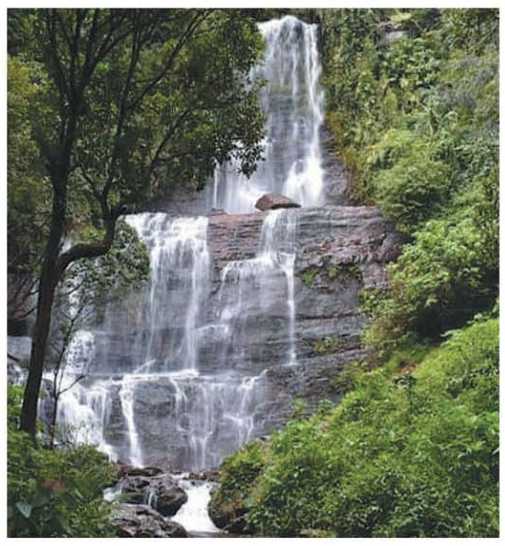

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुं ा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वा ले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में र्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक ग र्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनि स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षे में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाि जअर

खाज्जि र डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जा ाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षि करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जि र अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने व ी सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसि खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपु ला

पंचपुल हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौज के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जह पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा ड हौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (श हीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह व प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गि रता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

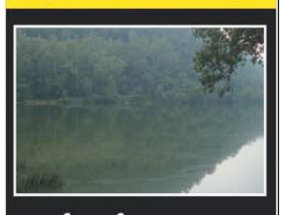

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

एअर इंडिया की कुछ घरेलू फ्लाइट्स में अब वाई-फाई की सुविधा भी

मुंबई ।

एअर इंडिया की कुछ घरेलू फ्लाइट्स में अब वाई-फाई की सुविधा मिलेगी। फिलहाल ये सर्विस एयरबस, बोइंग 787-9 और कुछ ए321 निओ विमानों में ही मिलेगी। एअर इंडिया घरेलू फ्लाइट्स में वाई-फाई इंटरनेट सर्विस देने वाली देश की पहली एयरलाइन बन गई है।

इंट्रोडक्टरी पीरियड के लिए वाई-फाई फ्री है और समय के साथ धीरे-धीरे इसे बेड़े के अन्य विमानों में शामिल किया जाएगा। इन-फ्लाइट वाई-फाई 10,000 फीट से ऊपर होने पर एक साथ कई डिवाइस कनेक्ट करने की अनुमति देगा। ये सर्विस सैटेलाइट कनेक्टिविटी और गवर्नमेंट रेस्ट्रिक्शन्स जैसे फैक्टर्स पर निर्भर करेगी।

अभी तक वाई-फाई सर्विस एयरबस ए350, चुनिंदा एयरबस ए321 नियो और बोइंग बी787-9 विमानों में पायलट प्रोग्राम के तहत इंटरनेशनल रूट पर मिलती थी। सक्सेसफुल पायलट रन के बाद अब सर्विस को घरेलू रूट पर शुरू किया जा रहा है।

डिवाइस में वाई-फाई ऑन करने के बाद एअर इंडिया वाई-फाई नेटवर्क सिलेक्ट करें, नेटवर्क सिलेक्ट करने के बाद डिवाइस के ब्राउजर में एअर इंडिया पोर्टल ओपन होगा, पीएनआर और लास्ट नेम जैसी जानकारी भरने के बाद इंटरनेट एक्सेस कर सकते है।

एअर इंडिया के प्रमुख ग्राहक अनुभव ऑफिसर ने बताया कि कनेक्टिविटी अब मॉडर्न ट्रैवल का एक अभिन्न अंग है। कुछ के लिए, यह रियल-टाइम शेयरिंग करने की सुविधा और कंफर्ट के बारे में है, जबकि अन्य के लिए, यह ज्यादा प्रोडक्टिविटी और एफिशिएंसी के बारे में है। उद्देश्य जो भी हो, हमें विश्वास है कि हमारे गेस्ट वेब से जुड़ने के विकल्प की सराहना करते और इन विमानों में एअर इंडिया के नए अनुभव का आनंद ले सकते है।

एयरक्राफ्ट एंटीना- हवाई जहाज में एक स्पेशल एंटीना होता है जिसे डेटा सिग्नल भेजने और रिसीव करने के लिए तैयार किया गया है। यह एंटीना आमतौर पर हवाई जहाज के टॉप पर स्थित होता है और जमीन पर स्थित सेलुलर टावरों या सैटेलाइट से जुड़ता है।

किसी भी बैंक से निकाल सकते हैं पेंशन

नए साल में 10 बड़े वित्तीय परिवर्तन

नई दिल्ली ।

1 जनवरी 2025 से कई बड़े वित्तीय बदलाव किए गए हैं इसमें पेंशनर को सबसे ज्यादा लाभ है इसके साथ ही किसानों को बिना गारंटी दो लाख रुपए लोन की सीमा को बढ़ाया गया है। यूपीआई के माध्यम से अब 10000 रूपये तक का भुगतान किया जा सकता है।

- फीचर फोन यूजर्स के लिए यूपीआई के माध्यम से लेनदेन की सीमा को 5000 से बढाकर 10000 कर दिया गया है। यूपीआई लाइट के लिए भी प्रति लेनदेन अधिकतम सीमा 500 रूपये से बढ़कर 1000 रूपये कर दी गई है।
- किसान बिना किसी गारंटी के अब 200000 रूपये तक का लोन ले सकेंगे। पहले यह सीमा 1.6 लाख थी।
- ईपीएफओ के 78 लाख से ज्यादा पेंशन भोगी किसी भी बैंक की ब्रांच से अपनी पेंशन निकाल सकेंगे।
- 1 जनवरी से मारुति सुजुकी हुंडई महिंद्रा ऐंड महिंद्रा और अन्य वाहन की कीमतें 2 से 4 फीसदी तक महंगी हो जाएंगी।
- बैंक और एनबीएएफसी वित्तीय संस्थाओं को अब एक माह के स्थान पर हर 15 दिन में क्रेडिट स्कोर को अपडेट करना होगा।
- जीएसटी पोर्टल पर एक्सेस के लिए अब कारोबारी को ओटीपी जैसे मल्टी फैक्टर पहचान को जरूरी बनाया गया है।
- जीएसटी के ई वे बिल अब 180 दिनों के भीतर जारी किए गए दस्तावेज के आधार पर ही बनाने की अनुमति होगी।
- बीएससी और बैंक के सेंसेक्स के साप्ताहिक अनुबंध को शुक्रवार के स्थान पर मंगलवार कर दिया गया है।
- राशन प्राप्त करने वाले लाभार्थियों ने 31 दिसंबर 2024 तक अपना केवाईसी अपडेट नहीं कराया है। उनके राशन कार्ड रद्द हो गए हैं। अब उन्हें राशन नहीं मिलेगा।
- अमेरिका के इमिग्रेंट वीजा के लिए एक बार अपॉइंटमेंट रीशेड्यूल करने पर अब अलग से शुल्क नहीं लगेगा।

व्हाट्सएप करेगा यूपीआई सर्विस का विस्तार, यूजर्स कर सकेंगे आसानी से पेमेंट

-एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे पर लगी यूपीआई यूजर्स की लिमिट हटाई

नई दिल्ली।

व्हाट्सएप यूज करने वाले यूजर्स के लिए नए साल के शुरुआत होते ही गुड न्यूज आई है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने व्हाट्सएप पे पर लगी यूपीआई यूजर्स की लिमिट हटा दी है। एनपीसीआई ने कहा है कि इस सीमा को हटाए जाने के साथ ही व्हाट्सएप पे अब भारत में अपने सभी यूजर्स तक यूपीआई सर्विसेज का विस्तार कर सकेगा।

इससे पहले एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे को चरणबद्ध तरीके से अपने यूपीआई यूजर बेस का विस्तार करने की इजाजत दी थी। पहले यह सीमा 10 करोड़ यूजर्स तक थी जिसे एनपीसीआई ने अब हटा दिया है। एनपीसीआई ने व्हाट्सएप पे पर यूजर्स को जोड़ने की सीमा पर लगी पाबंदी हटा दी है। हालांकि व्हाट्सएप पे इस समय थर्ड पार्टी ऐप प्रोवाइडर्स पर लागू सभी यूपीआई दिशा-निर्देशों और परिपत्रों का पालन करना जारी रखेगा। एनपीसीआई भारत में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस स्ट्रक्चर को कंट्रोल करता है। यह देश में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणाली (आईबीए) के संचालन की मूल इकाई है। व्हाट्सएप के भारत में 50 करोड़ से भी ज्यादा यूजर्स हैं।

इसके लिए आपके स्मार्टफोन पर व्हाट्सएप का लेटेस्ट वर्जन होना चाहिए। व्हाट्सएप खोलिए और पेमेंट्स सेक्शन में जाइए। ऐड पेमेंट मेथड सेलेक्ट कीजिए। अपना बैंक चुनिए और इससे जुड़ा फोन नंबर एंटर कीजिए। व्हाट्सएप को एसएमएस भेजने और रिसीव करने की अनुमति दीजिए। इसके बाद अपना अकाउंट वेरिफाई करने के लिए यूपीआई पिन डाल दीजिए। एक बार आपका अकाउंट वेरिफाई होने के बाद आप किसी को भी पैसा भेज सकते हैं।

गुजरात की कंपनी ने पांच साल में निवेशकों को बना दिया करोड़पति

शेयरों में लगा रहा अपर सर्किट, कंपनी का मार्केट कैप 1.71 हजार करोड़

नई दिल्ली।

साल 2024 के आखिर दिन जहां शेयर मार्केट में गिरावट देखने को मिली वहीं कुछ शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। ऐसे ही एक शेयर में मंगलवार को अपर सर्किट लगा। इसने निवेशकों को पांच साल से भी काफी कम समय में करोड़पति बना दिया है। इस शेयर का नाम है मर्करी ईवी-टेक लिमिटेड।

यह गुजरात की कंपनी है। इस कंपनी के शेयर में मंगलवार को पांच फीसदी का अपर सर्किट लगा।

शेयर की कीमत 90 रुपए हो गई है। कंपनी का मार्केट कैप 1.71 हजार करोड़ रुपए है।

पिछले 6 महीने में इस कंपनी के शेयर ने निवेशकों को 26.57 फीसदी का फायदा दिया है। वहीं एक साल के रिटर्न को देखें तो इसने निवेशकों का नुकसान किया है। एक साल में इसमें 22.78 फीसदी की गिरावट आई है। पिछले एक साल में इस शेयर ने बेशक निवेशकों का नुकसान किया हो, लेकिन तीन साल में इसने करोड़पति बना दिया है। 31 दिसंबर 2021 को इसके शेयर की कीमत 85 पैसे थी। अब इसकी कीमत बढ़कर 90 रुपए हो गई है। ऐसे में तीन वर्षों में इसने 10493 फीसदी रिटर्न दिया है।

तीन साल पहले इसमें अगर एक लाख रुपए निवेश किए होते तो आज उनकी वैल्यू एक करोड़ रुपए ज्यादा होती यानी आप एक लाख रुपएनिवेश करके तीन साल में करोड़पति बन चुके होते।

इस शेयर ने पांच साल में 25625 फीसदी रिटर्न दिया है। पांच साल पहले इसके शेयर की कीमत मात्र 35 पैसे थी। अगर आपने पांच साल पहले इसमें एक लाख रुपए निवेश किए होते तो आज उनकी वैल्यू ढाई करोड़ रुपए से ज्यादा होती।

विश्लेषण में दिए सुझाव व्यक्तिगत विश्लेषकों या ब्रोकिंग कंपनियों के हैं, एनबीटी के नहीं।

पांच प्रमुख कंपनियां इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

देश की पांच प्रमुख कंपनियां मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, टोयोटा और महिंद्रा एंड महिंद्रा अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी लॉन्च करने की तैयार कर रही हैं। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए साल 2025 क्रांतिकारी साबित होने वाला है।

यह नई पीढ़ी की गाड़ियां अत्याधुनिक तकनीक, लंबी रेंज और बेहतरीन फीचर्स के साथ बाजार में उतारी जाएंगी। हुंडई अपनी मशहूर एसयूवी क्रेटा का इलेक्ट्रिक वर्जन पेश करेगी। यह 5-सीटर ईवी एक बार चार्ज करने पर 450 किलोमीटर की रेंज देने का वादा करती है। इसका इंटीरियर और एक्सटीरियर मौजूदा क्रेटा जैसा होगा लेकिन ईवी-स्पेसिफिक टच के साथ इसे और आकर्षक बनाया जाएगा। जापानी कंपनी टोयोटा अपनी अर्बन क्रूजर ईवी लॉन्च करेगी, जो मारुति की ई-विटारा के डेरिवेट के रूप में पेश की जाएगी। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी 500 किलोमीटर से अधिक की रेंज के साथ दो बैटरी विकल्पों में उपलब्ध होगी।

मारुति सुजुकी भी अपनी बहुप्रतीक्षित मारुति सुजुकी ई विटारा पेश करने जा रही है, जिसमें दो बैटरी पैक और 500 किलोमीटर तक की रेंज होगी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा, जो एसयूवी मार्केट में पहले से ही अग्रणी है, अब अपनी एक्सयूवी3एक्सओ ईवी के जरिए इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में प्रवेश करेगी। यह एसयूवी 400 किलोमीटर की रेंज और आधुनिक फीचर्स के साथ आएगी। टाटा मोटर्स भी अपनी हैरियर का इलेक्ट्रिक वर्जन लॉन्च करेगी। टाटा हेरियर ईवी सिंगल और डुअल मोटर कॉन्फिगरेशन में आएगी, जिसकी रेंज 500 किलोमीटर से अधिक होगी। इन नई इलेक्ट्रिक एसयूवी की लॉन्चिंग से न केवल ईवी बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, बल्कि ग्राहकों को भी बेहतर विकल्प मिलेंगे।

छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरें पहले की तरह रहेंगी

नई दिल्ली ।

अब स्मॉल सेविंग स्कीम्स (छोटी बचत) की ब्याज दरें पहले की तरह ही रहेंगी और इनमें चौथी तिमाही में भी कोई बदलाव नहीं किया गया ह है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल-जून , जुलाई-सितंबर और अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया था। यानी पब्लिक प्रोविडेंट फंड नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और किसान विकास पत्र सहित सभी स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर मिलने वाले ब्याज दर अपरिवर्तित रहेंगी। अभी पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर 7.1 फीसदी और सुकन्या समृद्धि योजना पर 8.2 फीसदी ब्याज दर मिलती है। सरकार छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों पर फैसला लेने से पहले देश की तरलता स्थिति और महंगाई को ध्यान में रखती है। हालांकि सरकार छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की हर तीन महीने पर समीक्षा करती है। स्मॉल सेविंग स्कीमों पर ब्याज दरें 4 फीसदी से 8.2 फीसदी के बीच हैं। सरकार ने दिसंबर 2023 में ब्याज दरों में बढ़ौतरी की है। स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरों का हर तिमाही में रिव्यू होता है।

साल के पहले दिन भी रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को साल के पहले दिन तीन पैसे की गिरावट के साथ ही सबसे निचले स्तर 85.64 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया एक समया पहले सत्र में गिरावट के साथ 85.69 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार ब्याज दरों में कटौती को लेकर फेडरल रिजर्व के सतर्क रुख तथा अमेरिकी 10 साल के बॉण्ड प्रतिफल में मजबूती से रुपया लगातार दबाव में है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.63 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 85.69 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट के साथ 85.61 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था।

जल्द लांच होगी रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750

नई दिल्ली । हाल ही में रॉयल एनफील्ड हिमालयन 750 बाइक को दक्षिणी यूरोप में टेस्टिंग के दौरान देखा गया, और इसकी तस्वीरों से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह बाइक जल्द ही बाजार में आ सकती है। रॉयल एनफील्ड के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित हिमालयन 750 अब प्रोडक्शन के करीब है। हालांकि, इसकी आधिकारिक लॉन्चिंग 2026 में होने की संभावना जताई जा रही है। वर्तमान में इसे कंपनी प्रोजेक्ट आर2जी के नाम से पहचान रही है। नई हिमालयन 750 का डिजाइन पिछली बाइक्स से अलग और ज्यादा एडवांस है। इसमें 19 इंच फ्रंट और 17 इंच रियर स्पोक व्हील सेटअप होगा, जो कि एडजस्टेबल अपसाइड-डाउन फोर्क्स और मोनोशॉक के साथ आएगा। साथ ही, इसमें ड्यूल फ्रंट डिस्क ब्रेक सेटअप मिलेगा, जिसमें बॉब्रे कैलिपर्स का उपयोग किया जाएगा। यह रॉयल एनफील्ड का अब तक का सबसे एडवांस ब्रेकिंग सिस्टम होगा, जो बाइक के राइडिंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। बाइक में नया फ्रंट काउल और बड़ी विंडस्क्रीन भी दी गई है, जो इसे एडवेंचर और टूरिंग के लिए आदर्श बनाती है। इसमें बड़ा टीएफटी डिस्प्ले, गियर पोजिशन इंडिकेटर, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी और नेविगेशन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी होंगी। नई हिमालयन 750 में एक नया 750सीसी ट्विन-सिलेंडर इंजन होगा, जो मौजूदा 650सीसी इंजन का ज्यादा पावरफुल वर्जन होगा। यह इंजन 50+ बीएचपी और 55+ एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा, और इसे 6-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा जाएगा।

साल के पहले दिन शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ नए साल के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल मारुति सुजुकी सहित कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में उछाल से आया है। आज सुबह कारोबार की मिली जुली शुरुआत हुई पर समय बढ़ने के साथ ही बाजार में खरीददारी बढ़ने से तेजी आने लगी। कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 368.40 अंक करीब 0.47 फीसदी ऊपर आकर 78,507.41 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 98.10 अंक तकरीबन 0.41 फीसदी बढ़कर 23,742.90 अंक पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 23 शेयरों में तेजी रही जबकि 7 शेयर नीचे आये। इनमें से मारुति सुजुकी का शेयर 3.26 फीसदी की बंपर उछाल के साथ 11221.20 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर बंद हुआ। वहीं मारुति के अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फानइंस, एशियन पेंट्स, इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फिनसर्व और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी उछले हैं। दूसरी ओर टाटा स्टील, अदाणी पोर्ट्स, जोमैटो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया के शेयर गिरे हैं। निफ्टी के 37 शेयर लाभ में रहे, जबकि 13 शेयरों में गिरावट रही। लाभ में रहने वाले शेयरों में मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस और टाटा मोटर्स के शेयर शामिल हैं। जिन कंपनियों के शेयर नुकसान में रहे, उनमें हिंडाल्को, डॉ रेड्डीज, अदाणी पोर्ट्स, ओएनजीसी और टाटा स्टील शामिल हैं। वहीं एशिया के दूसरे बाजारों की बात करें, तो नए साल के अवसर पर जापान के निक्केई 225, दक्षिण कोरिया के कॉस्पी, हांगकांग के हैंगसेंग और चीन के शंघाई कंपोजिट बंद रहे जबकि यूरोपीय बाजारों में भी कोई कामकाज नहीं हुआ। गत दिवस अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए थे वहीं इससे पहले बाजार की नये साल के पहले दिन सुबह मिली-जुली शुरुआत हुई। सुबह कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 126 अंकों के लाभ के साथ ही 78265 के लेवल पर खुला जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23 अंकों की गिरावट के साथ 23621 पर खुला है। कारोबार के दौरान बजाज ऑटो, आईसीआईसीआई बैंक, डॉक्टर रेड्डी, जेएसडब्ल्यू स्टील और अडानी पोर्ट्स के शेयर नीचे आये हैं जबकि अपोलो हॉस्पिटल, अडानी एंटरप्राइजेज, एशियन पेंट्स, एलएंडटी के शेयर उछले हैं गिफ्ट निफ्टी टुडे गिफ्ट निफ्टी 23,733 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा था, निफ्टी फ्यूचर्स के पिछले बंद से लगभग 72 अंकों की गिरावट है, जो भारतीय शेयर बाजार सूचकांकों के लिए नकारात्मक शुरुआत का संकेत दे रहा था।

काले और नीले रंग की कारों के ग्राहकों की संख्या बढी

नई दिल्ली । भारत में काले और नीले रंग की कारों के खरीददारों की संख्या बढती जा रही है। इससे पता चलता है कि इन रंगों की कारों की लोकप्रियता अब बढ़ी है, और इन रंगों को खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2021 में काले रंग की कारों का खरीदी प्रतिशत 14.8 प्रतिशत था, जो अब 2024 में बढ़कर 20.2 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह, नीले रंग की कारों की लोकप्रियता भी बढ़ी है। 2021 में नीले रंग की कारों का हिस्सा 8.8 प्रतिशत था, जो 2024 में बढ़कर 10.9 प्रतिशत हो गया है। हालांकि गहरे रंगों की कारों की लोकप्रियता बढ़ी है, सफेद रंग की कारें अब भी भारत में सबसे अधिक पसंद की जाती हैं। 2021 में सफेद कारों की खरीददारी 43.9 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 39 प्रतिशत हो गई थी।

जनवरी में विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते बाजार लाल निशान पर

मुंबई।

पिछले 6 साल से जनवरी माह में शेयर बाजार में अमूमन गिरावट का ट्रेंड दिख रहा है। बीते 10 साल में 7 मौकों पर जनवरी में निफ्टी नुकसान में दिखाई दिए है। यह गिरावट मुख्य रूप से विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की भारी बिकवाली के चलते देखी गई। 2015 से लेकर 2024 के बीच 6 बार विदेशी निवेशक नेट सेलर्स रहे हैं। पिछले 10 साल जनवरी में निफ्टी का औसत रिटर्न 0.38 प्रतिशत रहा है।

पिछले 3 वर्षों में एफआईआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजार से 87,899 करोड़ रुपए निकाले। इसके पहले जनवरी 2016, 2017 और 2019 में भी एफआईआई नेट सेलर्स थे। हालांकि 2015, 2018, 2020 और 2021 के जनवरी में इन्होंने भारतीय शेयर में खरीदारी की थी।

घरेलू संस्थाओं ने 10 में से 7 साल निवेश बढ़ाया

डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल निवेश (डीआईआई) जनवरी में 10 में से 7 मौकों पर खरीदार रहे। बीते 3 साल जनवरी में इन्होंने 87,899 करोड़ रुपए लगाए हैं। हालांकि 2015, 2020 और 2021 के जनवरी में ये नेट सेलर्स थे। वहीं, 2016 से 2019 तक 4 साल इन्होंने जनवरी में खरीदारी की।

साल के पहले दिन सेंसेक्स में 400 अंक की बढ़त, निफ्टी में 100 अंक की तेजी

शेयर बाजार में बुधवार साल के पहले दिन (1 जनवरी) बढ़त देखने को मिल रही है। सेंसेक्स करीब 400 अंक की बढ़त के साथ 78,650 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 100 अंक से ज्यादा की तेजी है, ये 23,750 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और 5 में गिरावट देखने को मिल रही है।

2024 में 27 प्रतिशत बढ़े इक्विटी निवेशक

नए निवेशकों के लिहाज से 2024 बेहद शानदार रहा है। इस दौरान बाजार ने कई कीर्तिमान बनाए। बीते साल रिटेल निवेशक सालाना आधार पर 27 प्रतिशत से बढ़कर 11 करोड़ के करीब पहुंच गए। महाराष्ट्र और यूपी में निवेशकों की संख्या पहली बार 1 करोड़ पार निकल गई। हालांकि महिला निवेशकों की भागीदारी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही।

नए साल 2025 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कई चुनौतियां संभल कर करें निवेश

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत में निवेश करना शानदार समय होता है। इससे पूरे साल अपने निवेश का ट्रैक रखने में आसानी होती है। 2025 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में व्यापारिक तनाव, भू-राजनीतिक मुद्दे, मजबूत डॉलर और अन्य चुनौतियां देखने को मिल सकती हैं। भारतीय बाजार घरेलू आर्थिक स्थिरता और सही रणनीति से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। हीरो मोटोकॉर्प (टारगेट प्राइसः 5324 रुपए) मौजूदा कीमतः 4161.50 रुपए। दोपहिया वाहनों की बढ़ती मांग, नए मॉडल लॉन्च, और बेहतर शहरी-ग्रामीण संतुलन इमसें संभावित बढ़ोतरी 25 फीसदी है। नेशनल एलुमीनियम कंपनी का टारगेट प्राइस 256 रुपए है। एलुमीनियम की ऊंची कीमतें, परिचालन दक्षता, और कोयले का बेहतर उपयोग है इसमें संभावित बढ़ोतरी 20 फीसदी रह सकती है। सोनाटा सॉफ्टवेयर का टारगेट प्राइस 714 रुपए का है। एआई और क्लाउड सेवाओं पर फोकस, बड़े सौदों की पाइपलाइन में संभावित बढ़ोतरी 16 फीसदी। अशोक लेलैंड टारगेट प्राइस 250 रुपए के साथ वाणिज्यक वाहनों की बढ़ती मांग, लागत नियंत्रण इसकी संभावित बढ़ोतरी 14 फीसदी और ऑयल इंडिया टारगेट प्राइस 600 रुपए है। परिचालन सुधार, ऊर्जा की बढ़ती मांग। इसमें संभावित बढ़ोतरी 41 फीसदी है। बाजार में उतार-चढ़ाव का ध्यान रखें। लंबी अवधि के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के आधार पर निवेश करें।

पेज एक का शेष

आदिवासियों और...

और उनके बताये राह पर आगे बढ़ें।मंत्री दीपक बिरुवा, मंत्री रामदास सोरेन, सांसद श्रीमती जोबा मांझी, विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन, विधायक श्री दशरथ गगराई, विधायक श्री सुखराम उरांव, विधायक श्रीमती सविता महतो एवं विधायक श्री जगत मांझी समेत अनेकों विशिष्ट जन तथा हजारों की संख्या में लोगों ने शहीद स्थल को नमन कर अमर वीर शहीदों को सुमन-अर्पित किए।

हम किसी को...

आज समस्त देश शोक मना रहा है।पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन के सम्मान में 7 दिनों का राजकीय शोक घोषित होने के बाद भी जगह-जगह विभिन्न राजनीतिक दलों के बैनर- पोस्टर लगे हैं इसमें कहीं ना कहीं प्रशासनिक विफलता परिलक्षित होती है।यह भी दर्शाता है कि उन राजनीतिक दलों को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय डॉ. मनमोहन सिंह के प्रति संवेदना नहीं है।राष्ट्रीय शोक के समय हमारा आचरण कैसा होना चाहिए इसकी जानकारी राजनीतिक दलों एवम् प्रशासनिक पदाधिकारियों को होनी चाहिए।हम किसी को सम्मान नहीं दे सकते तो हम सम्मान के हकदार भी नहीं है।उन्होंने कहा धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 150 वें जयंती के मौके पर भारत सरकार देश भर के शहीदों को चिन्हित कर उन्हें सम्मान देने का निर्णय लिया है। उन्होंने राज्य सरकार से इसमें सहयोग करने की अपील की।

बिहार सरकार को भारी पड़ता युवाओं पर लाठीचार्ज का मुद्दा

कुमार कृष्णन

यह मामला नीतीश कुमार पर इसलिये भारी पड़ सकता है क्योंकि रोजगार बिहार का एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। जिस तरह से राज्य की इस सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण परीक्षा को सरकार की कार्यपद्धति ने संदिग्ध और अपारदर्शी बना दिया है, उसके कारण युवाओं एवं आम जनता में भारी रोष है। लोगों को अब वे दिन भी याद आ रहे हैं जब जेडीयू एवं आरजेडी की सरकार थी और उस समय बड़ी तादाद में लोगों को रोजगार मिले थे।

बिहार में राजनीति कैसे खेल दिखाती है यह तब स्पष्ट दिखाई दिया जब दिसम्बर माह की हाड़ कंपकपाती ठंड के बावजूद आंदोलनरत छात्रों पर पानी की बौछार करवाने की जरूरत उन नीतीश कुमार को पड़ गयी जो स्वयं 1974 के छात्र आंदोलन की उपज हैं। बिहार लोक सेवा आयोग यानि बीपीएससी छात्रों पर लाठीचार्ज की घटना के बाद बिहार की सियासत में उबाल आ गया है। छात्रों पर लाठीचार्ज के बाद अब दूसरे दलों के नेता भी इस मामले में राजनीति करने लगे हैं। पूरे विपक्ष ने नीतीश सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वही पटना की बर्बरतापूर्ण घटना के खिलाफ दूसरे जिलों में भी छात्रों का विरोध प्रदर्शन आरंभ हो गया है। कहा तो यह भी जा रहा है कि बीपीएससी ने जितनी छवि नीतीश कुमार की खराब की है, उतनी किसी ने नहीं की है। पूरे देश में सबसे ज्यादा वैकेंसी बिहार में आई, लेकिन बीपीएससी ने परीक्षा सही तरीके से नहीं कराई और सबसे ज्यादा बदनामी करा दी।

बिहार में बीपीएससी परीक्षा में धांधली को लेकर छात्रों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ है। छात्रों की मांग है कि सभी 912 केन्द्रों में बीपीएससी प्रारम्भिक परीक्षाएं दोबारा हों। इस मांग पर पखवाड़े भर से जारी आंदोलन को कुचलने के लिये बिहार सरकार अब बर्बरता पर उतर आई है। रविवार की रात को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास एकत्रित हजारों परीक्षार्थियों पर पुलिस ने भीषण लाठी चार्ज किया और कड़कड़ाती ठंड में पानी की बौछारें की। यहां आंदोलनकारियों का जमावड़ा सुबह से होने लगा था जिन्हें पुलिस बार-बार चेतावनी दे रही थी कि उन्हें प्रदर्शन की इजाजत नहीं है। इसे अनसुना करते हुए बड़ी संख्या में एकत्र हुए परीक्षार्थी पुलिस के बल प्रयोग से घायल हुए हैं तथा अनेक लोगों के खिलाफ पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज हुई है।

नौजवानों के इस जुटान का फायदा लेने के लिये जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर भी पहुंचे और मुख्य सचिव से मिल आये। लौटकर उन्होंने इस बात का श्रेय लेने की कोशिश की कि 'वे 5 प्रतिनिधियों के मिलने की अनुमति लाने में सफल हुए हैं। यदि इसके बाद भी परीक्षार्थी संतुष्ट न हुए तो उससे ऊपर बात की जायेगी।' हालांकि रविवार को जब लाठी चार्ज हो रहा था, तो वे भी मौके से गायब ही हो गये थे। बहरहाल, यह मुद्दा अब लगातार गर्मा रहा है और लोगों में रोष है। बिहार विधानसभा चुनाव भी होने हैं जिसके लिये मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्य भर में प्रगति यात्रा निकाल रहे हैं। युवाओं के साथ यह जुल्म और उनकी अनसुनी नीतीश व उनकी गठबन्धन सरकार को महंगी पड़ सकती है।

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70 वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और दुबारा परीक्षा कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल और लाठी चार्ज के मामले को लेकर सोमवार को पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मुलाकात की। राजभवन से निकलने के बाद सांसद पप्पू यादव ने कहा कि राज्यपाल ने उनकी बातों को सुना। उन्होंने बताया, 'राज्यपाल ने उनके सामने ही बीपीएससी चेयरमैन से बात की और जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को बुलाने की बात कही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से बात करने का भी भरोसा दिया है। उन्होंने लाठीचार्ज की जांच की बात भी की है।' पप्पू यादव ने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर नाम लिए बिना कहा कि 'फ्रॉड किशोर' ने बच्चों को गालियां दीं। वे बच्चों की ताकत नहीं जानते हैं। निर्दलीय सांसद ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भी सौंपा है। इसमें परीक्षा को पूर्ण रूप से रद्द करने और पुनर्परीक्षा कराने तथा लाठीचार्ज के दौरान महिला परीक्षार्थियों के साथ दुर्व्यवहार की निष्पक्ष जांच तथा प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग की है।

इससे पहले पप्पू यादव ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर-के प्रशांत किशोर पर अभ्यर्थियों को धमकाने का आरोप लगाते हुए लिखा, 'प्रशांत किशोर खुद नया नेता बने हैं, और छात्रों को धमका रहे हैं, अपनी औकात का धौंस दिखा रहे हैं। आज जब धेले भर की चुनावी औकात नहीं है तो अहंकार टपक रहा है, छात्रों के सामने बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। छात्र पुलिस से पिट रहे थे आप पीठ दिखाकर भाग गए, सवाल पूछने पर गाली?' पप्पू यादव के मिलने के बाद बीपीएससी के चेयरमैन ने भी राज्यपाल से मिलकर उन्हें पूरी स्थिति से अवगत करा दिया है। पप्पू यादव के सामने ही राज्यपाल ने फोन कर बीपीएससी की चेयरमैन को बुलाया था। दूसरी ओर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा (पीटी) को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलनरत अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मिला। हालांकि, इस बातचीत का फिलहाल कोई नतीजा नहीं निकला है। इस बीच छात्रों ने धरना जारी रखने का निर्णय लिया है।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल अनु कुमारी ने कहा, 'उन्होंने हमारी सारी बातों को सुना, ऐसा लगता है कि निर्णय होगा। उन्होंने कहा कि ब्यूरोक्रेसी में एक पैमाना होता है, निर्णय लेने का। जांच करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के पटना आने के बाद मुलाकात करवाने का भी आश्वासन दिया।' राम कश्यप ने कहा, 'उनका कहना था कि एक केंद्र पर 18 हजार बच्चे हैं। ऐसा पहले भी हुआ है कि एक परीक्षा केंद्र की परीक्षा रद्द की गई है। इसके बाद मैंने 28 केंद्रों की सूची सौंपी, जिसमें अनियमितता बरती गई। प्रतिनिधिमंडल में शामिल सुभाष का कहना है कि जब तक निर्णय नहीं होता है तब तक धरना जारी रहेगा। मुख्य सचिव को कुछ सबूत भी दिए गए हैं। हम लोगों ने 4 जनवरी की बापू परिसर में पुनर्परीक्षा को स्थागित करने की बात भी कही है तथा छात्रों पर हुए मुकदमे को वापस करने की मांग रखी गई है।

70 वीं संयुक्त (प्रारम्भिक) परीक्षा को लेकर 18 दिसम्बर से प्रदर्शन जारी है। रविवार को परीक्षार्थियों ने प्रदर्शन का ऐलान कर रखा था। पुलिस ने पहले ही मैदान के सारे गेट बन्द कर दिये। परीक्षार्थी फिर भी मुख्यमंत्री निवास की ओर बढ़ने लगे। उन्हें पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। जब वे इसके बावजूद नहीं रुके तो उनके खिलाफ बल प्रयोग किया गया। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा के लिये सितम्बर में विज्ञापन जारी हुआ था। इसमें शामिल होने के लिये लगभग 5 लाख लोगों ने आवेदन किया था। 3.25 लाख ने 13 दिसम्बर को परीक्षा दी परन्तु इसके पर्चे लीक होने, कई कोचिंग संस्थानों द्वारा दिये गये प्रश्नपत्रों से सवाल मिलने तथा अन्य अनियमितताओं के कारण इस परीक्षा को रद्द करने की मांग होने लगी, लेकिन बीपीएससी परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि 'परीक्षा रद्द होने का सवाल ही नहीं है। बेहतर है कि परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा की तैयारियों में जुट जायें।'

यह मुद्दा कहां तक जाता है और सरकार परीक्षार्थियों की मांगें पूरी करती है या नहीं, यह तो आने वाला वक़्त ही बतायेगा, परन्तु रविवार के प्रदर्शन में हुई पुलिस कार्रवाई का खामियाजा नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) एवं सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के गठबन्धन को भुगतना पड़ सकता है जिन्हें फिर से जनता का सामना करना है। प्रदर्शनकारियों का तो साफ कहना था कि 'उनकी परीक्षा के बाद 2025 में नीतीश कुमार सरकार की परीक्षा होगी।' इशारा साफ है कि दोनों पार्टियों का मताधार खिसक सकता है।

सीपीआई एमएल तो पहले से ही इस आंदोलन का समर्थन कर रहा है। प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता व पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि 'परीक्षार्थियों के साथ जो ज्यादती की गयी है, उसे देखकर कलेजा कांप जाता है।' अन्य विपक्षी दल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी आदि भी नीतीश सरकार पर हमलावर हो गये हैं। केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठी चार्ज को गलत बताया है।उन्होंने कहा कि पटना में हुए छात्रों पर लाठीचार्ज और वाटर कैनन के इस्तेमाल का मैं कभी समर्थक नहीं रहा, पुलिस को संयम बरतना चाहिए। छात्र अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरे हैं, तो उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से समझा कर उनकी समस्याओं के निदान के लिए प्रयास करना चाहिए, न कि लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मैंने मुख्यमंत्री से भी कहा है कि ऐसे पुलिस अधिकारी जो ऐसे कार्यों में संलिप्त पाए जाते हैं, उन पर भी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।'

संपादकीय

ठंडी नहीं हुई है आग

मणिपुर में पिछले दिनों जो भी भयावह घटा, जिस तरह से दो मुख्य समुदायों मेइती और कुकी के बीच खुली झड़पें हुई, हत्या, रेप और आगजनी की घटनाओं के बाद पलायन-विस्थापन हुआ उसने समूचे भारतीय लोकतंत्र को झकझोर दिया था। प्रदेश की बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को इस ड़रावनी हिंसा पर नियंत्रण न कर पाने के लिए प्राथमिक तौर पर जिम्मेदार ठहराया जाना था, ठहराया भी गया। एक सहज सवाल जिस तरह जिंदा था, वह आज भी जिंदा है कि आखिर, प्रदेश और केंद्र की शक्तिमान मोदी सरकार हिंसा पर लगाम क्यों नहीं लगा सकीं। इसका एक उत्तर यह है कि वहां की घटनाएं कानून व्यवस्था की सामान्य घटनाएं नहीं थीं। दो समुदायों के बीच उनके तमाम आर्थिक हित-अहित के बावजूद पहचानगत विद्वेष से जन्मी घटनाएं थीं। दुनिया में जिस तरह से विभिन्न समुदायों के बीच पहचानगत दुराग्रहों को लेकर टकराहटें बढ़ रही हैं, उसी का उदाहरण मणिपुर में मिलता है। तिस पर इस सीमांत राज्य में घुसपैठ, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी आदि राज्येतर शक्तियों का भी खासा प्रभाव रहा है। याद रखना चाहिए कि जिन्हें ड़ीपस्टेट कहा जाता है वे शक्तियां, जो आंतरिक भी हो सकती हैं और देश के बाहर भी, पहचानगत टकराहटों का फायदा उठाती हैं। मणिपुर में यह खेल शातिर तरीके से खेला गया। पहचानगत टकराहटों के बीच अनेकानेक शक्तियों के हित भी शामिल हों तो किसी भी लोकतांत्रिक राज्य के लिएइन पर काबू पाना आसान नहीं होता। इस समय तो और भी नहीं जब संलिप्त कोई समूह अपनी आस्था के केंद्रों की पहचान सीमा पार के समूहों के साथकरता है। अब वहां की स्थितियां काफी नियंत्रित हो गई हैं। शायद इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए और पुनः वैधता प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री सिंह ने क्षमा याचना की हो। बहरहाल, मुख्यमंत्री की नये वर्ष के शुभारंभ पर शांति की अपील के कुछ सार्थक परिणाम मिलते हैं तो इसका औचित्य सिद्ध होगा। फिर भी न राज्य और न केंद्र सरकार हालात में तात्कालिक सुधार को लेकर निश्चिंत हो सकती हैं। पहचानगत समस्याओं का हल गहरी समझदारी, राजनीतिक कौशल और दोनों समुदायों के बीच पारस्परिक सहकार के समुचित सूत्रों को मजबूत करके ही प्राप्त किया जा सकता है। मणिपुर की आग धधक भले ही न रही हो लेकिन सुलग अब भी रही है। भविष्य यह निर्धारित करेगा कि केंद्र और राज्य की सरकार इसे पूर्णतः बुझाने में किस तरह और कब तक सफल होती हैं।

चिंतन-मनन

धर्मराज युधिष्ठिर ने निभाया था भ्रातृ धर्म

गहन वन से तृषार्त पाण्डव गुजर रहे थे। पानी की तलाश में वे इधर-उधर घूम ही रहे थे कि अकस्मात उन्हें एक सरोवर दिखाई दिया। भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव जल पीने के पूर्व ही मृत्यु का ग्रास बन गए। कारण यह था कि एक यक्ष ने उनसे प्रश्न किए थे, किंतु उन्होंने उस ओर ध्यान नहीं दिया और बिना जवाब दिए ही पानी पीने लगे। लेकिन वे यक्ष का कोपभाजन बने और उन्हें मृत्यु प्राप्त हुई। इतने में युधिष्ठिर आए और पानी पीने की कोशिश करने लगे। उनसे भी यक्ष ने प्रश्न किए, जिनके युधिष्ठर ने समुचित उत्तर दे दिए। तब यक्ष ने प्रसन्न होकर कहा, तुम जल पीने के अधिकारी हो। मेरी इच्छा है कि तुम्हारे चारों भ्राताओं में से किसी एक को जीवन दान दूं। बोलो, मैं किसे पुनर्जीवित करूं?

प्रश्न बड़ा ही विचित्र था और साथ ही कठिन भी, क्योंकि युधिष्ठिर को चारों भाई एक समान प्रिय थे, तथापि एक क्षण भी सोचे बिना वे बोले, यक्षश्रेष्ठ आप नकुल को ही जीवन दान दें। यक्ष हंस पड़ा और बोला, धर्मराज, कौरवों से युद्ध में भीम की गदा और अर्जुन का गांडीव बड़ा ही उपयोगी सिद्ध होगा। इन दो सगे भाइयों को छोड़कर नकुल का जीवन क्यों चाहते हो। धर्मराज बोले, यक्षश्रेष्ठ हम पांचों भ्राता ही माताओं के स्नेह चिह्न हैं। माता पुंती के पुत्रों से मैं शेष हूं, किंतु माद्री मां के तो दोनों ही पुत्र मर चुके हैं। अत? यदि एक के ही जीवन का प्रश्न है, तो माद्री मां के नकुल का ही पुनर्जीवन इष्ट है। यक्ष ने सुना, तो भावविह्वल हो बोला, युधिष्ठिर तुम धर्मतत्व के ज्ञाता हो, मैं तो सिर्फ तुम्हारी परीक्षा ले रहा था कि तुम वास्तव में धर्म के अवतार हो या नहीं। अतएव मैं चारों भाईयों को जीवन देता हूं।

संघ की पीड़ा-शताब्दी वर्ष में यह असहनीय उपेक्षा....?

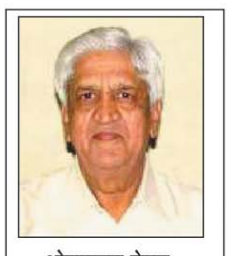

ओमप्रकाश मेहता

भारत की आजादी का यह 78वां साल है और गणतंत्र का हीरक वर्ष, इस लम्बी अवधि के दौरान अधिकांश समय तो कांग्रेस का ही राज रहा, किंतु पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में लगाए गए ढाई वर्षीय आपातकाल के बाद देश के वोटर ने नया प्रयोग कर प्रमुख प्रतिपक्षी दलों द्वारा गठित जनता पार्टी को शासन का मौका दिया, वह आजाद भारत में पहला गैर कांग्रेसी शासन था, उसके बाद अटल जी का राज आया और उसके एक दशक बाद पुनः सत्ता भाजपा के हाथों में आ गई और 2014 में श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी प्रधानमंत्री बने जो आज भी यथावत है, आज राज-काज का यह इतिहास बताने का मेरा मुख्य मकसद यह है कि हमारे देश के आम वोटर की भी धारणाऐं समय-समय पर बदलती रहं और प्रतिपक्षी दलों की सरकारें भी बनती रही और चूंकि भारत में केन्द्रीय स्तर पर केवल दो ही प्रमुख राजनैतिक दल मुख्य है, इसलिए देश की सत्ता इन्हं दोनों दलों कांग्रेस या भारतीय जनता पार्टी (पूव जनसंघ) के हाथों में ही केन्द्रित रही। इस दौरान 1977 के जनता पार्टी राज के बाद पिछली सदी के अंत में देश में भाजपा की सरकार बनी थी और उसके बाद 2014 में और इस दौरान मुख्य रूप से भाजप का ही राज रहा और उसके सहयोगी संगठनों का भ बोलबाला रहा, जिनमें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आर.एस.एस.) भी शामिल है, भाजपा की पिछली सरकारें खासकर अटल जी की सरकार के समय भ संघ का वर्चस्व रहा, किंतु अब पहली बार मोदी जं के शासन के इस दौर में संघ अपने आपकों उपेक्षित और तिरस्कृत समझ रहा है और उसे महसूस हो रह है कि पिछले एक दशक से उसकी कोई पूछ परख नही है, आज इसी बात की पीड़ा संघ प्रमुख मोहन भागवत के मुख मण्डल पर स्पष्ट नजर आ रही है, अब मोदी जी व उनकी सरकार कोई भी बड़ा फैसला लेने के पहले संघ से न तो बात करती है और न ही संघ के पदाधिकारियों को विश्वास में ही लेती है, मतलब यह कि इसी कारण संघ व उसके पदाधिकारी अपने आपको उपेक्षित और ठगा सा महसूस कर रहे है और यह सब पहली बार हो रहा है, संघ प्रमुख जिनके कि नेतृत्व में कभी भाजपा, विश्व हिन्दू परिषद आदि संगठन हुआ करते थे, आज संघ व उनके पदाधिकारियों की कोई पूछ-परख ही नही है, संघ ने कभी सपने में भी ऐसे समय की कल्पना नही की थी, अब न तो मौजूदा केन्द्रीय सरकार में और न ही भाजपा संगठन में संघ की कोई पूछ-परख है, अर्थात आज संघ पूरी तरह से हर तरफ से उपेक्षित है, यही पीड़ा संघ प्रमुख को दिन-रात सताए जा रही है और इसी पीड़ा में संघ प्रमुख की नित नई बयानबाजी उनकी 'कराह के रूप में प्रकट कर रहे है'।

अब इन हालातों का भविष्य में किस पर क्या असर होगा? देश के आम वोटर की सहानुभूति किसके साथ रहेगी? यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु राजनैतिक दलों को यह ध्यान रखना चाहिए कि आज के देश का आम वोटर उतना 'नादान' नही रहा है, जितना कभी था, इसलिए राजनीतिक दलों को अपनी भूमिका और उसका भविष्य सोच समझकर तय करना पड़ेगा।

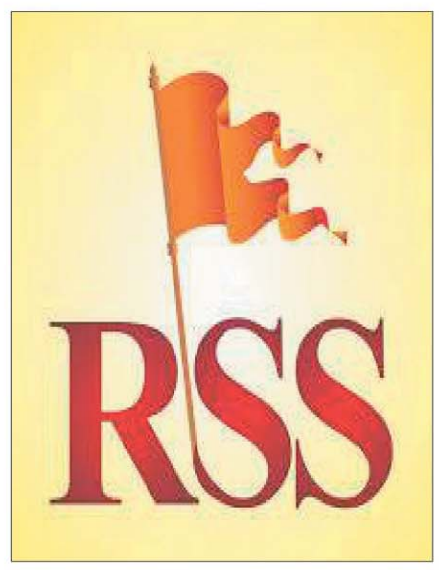

कांग्रेस हरियाणा नहीं हारती तो 25 की शुरूआत अलग होती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल है। इस वर्ष वे बतौर प्रधानमंत्री 11 वर्ष पूरे करेंगे। वे तीसरी बार प्रधान मंत्री बने हैं। मीडिया ने बहुत उछाला कि नेहरू के रिकार्ड की बराबरी। मगर नेहरू जब तक प्रधनमंत्री रहे 1964 तक तब तक उनके काम ही चर्चा के केन्द्र में रहे। और 27 मई 1964 के बाद आज तक भी वे ही टाक आफ द टाउन (जिसकी हर जगह चर्चा होती है, सिर्फ उसी की बातें होती हैं) हैं।

नया साल शुरू हुआ है। बात तीन बार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम की होनी चाहिए। मगर नेहरू को रिप्लेस करके अगर कोई उस जगह चर्चा के केन्द्र में आता है तो वह फिर राहुल होते हैं। 11 साल से या साढ़े दस साल कहें विपक्ष में ही हैं। मगर चाहे मीडिया हो या सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा और या मोदी सरकार सब 2024 के जाने से पहले और 2025 के आने के बाद भी राहुल को ही याद कर रहे हैं।

वह तो हाथ में आया हरियाणा टपका दिया नहीं तो इस समय खाली याद ही नहीं कर रहे होते राहुल दिमाग में छाया होता। फोबिया हो जाता। लोकसभा चुनाव में शानदार ढंग से मोदी जी को 240 पर रोक लिया था। यह वैसा ही था जैसा 2017 के विधानसभा चुनाव में गुजरात में इसी राहुल ने भाजपा को 99 पर रोका था। मगर कन्सिस्टेन्सी (निरंतरता) जिसे भारतीय क्रिकेट टीम भी बार बार भूल जाती है नहीं रख पाने के कारण फिर अपने विरोधियों को नया मौका दे देती है।

हरियाणा में कांग्रेस ने यही कहा। राहुल ने बहुत लूज शाट खेला था। यह कहकर कि यह आपस में लड़ जाते हैं फिर इन्हें एक करने का काम मेरा है। गुटबाजी की बात इतनी हल्की नहीं थी कि राहुल इस तरह का केजुअल शाट खेल देते। मगर राजस्थान में भी इस तरह खेला और नतीजा वही हुआ। मैच गंवा दिया।

अब बेलगावी कर्नाटक के सीडब्ल्यूसी में घोषणा की है कि यह साल 2025 संगठन का साल बनाएंगे। देखते हैं! संगठन को लेकर क्या सोच है इनकी। वैसे तो दो साल से ज्यादा हो गए हैं खरगे जी को अध्यक्ष बने। अब तक तो सब हो जाना चाहिए था। जिनके हेड रोल्स (सख्त सजा) होना थे हो जाना चाहिए थे। और जिन नए लोगों को मौका मिलना था मिल जान चाहिए था।

बेलगावी की सीडब्ल्यूसी में एक बात बहुत खास कही गई है। अगर इन लोगों ने खरगे, राहुल, प्रियंक ने कर दी तो कांग्रेस का रूप चेंज हो जाएगा। वह बात कही गई है कि हम संगठन के लिए लोगों को ढुंढ कर निकालेंगे। यह काम इन्दिरा गांधी करती थीं। जनता मे से पार्टी के सिम्पेथाइजर निकालना, उनमें से कार्यकर्ता बनाना और कार्यकताओं को नेता बनाना। संगठन क तरीका ही यही है। आज की कांग्रेस को ते सिम्पेथाइजर शब्द मालूम ही नहीं होगा।

कार्यकर्ता को तो भूल ही गए हैं। और नेता वही दिखते हैं जो इस गोदी मीडिया को खुश करके उसमें खुद को दिखाते रहते हैं। पता नहीं राहुल प्रियंका के दिमाग मे यह सवाल आता है कि नहीं कि इनसे पूछें कि तुम्हे यह मीडिया इतना दिखा कैसे देता है? जो रात दिन हम लोगों को कोसता रहता हो। कांग्रेस के नाम में ह कीड़े निकालता रहता हो वह तुमसे किस बात पर खुश है? मीडिया कांग्रेस के नाम पर खरगे, राहुल, प्रियंका को दिखाए, कांग्रेस की बातें बताए तब ते पार्टी को कुछ फायदा है। वरना इन कुछ नेताओं के मीडिया में चमकने से कांग्रेस को क्या फायदा?

खैर हरियाणा में कांग्रेस ने अपना बहुत बड़ा नुकसान किया। अगर यह आपस में इस गंदे तरीके से नहीं लड़ते तो ईवीएम की कोशिशें भी शायद असफल हो जातीं। ईवीएम एक पहलू है। मगर जब पार्टी खुद ह कमजोर हो जाए तो ईवीएम को तो दूगनी ताकत से अपना खेल करने का मौका मिल जाता है। और मान लीजिए ईवीएम ने हराया तो फिर क्या यह भी मान ले कि आपने कोई गलती नहीं की। कोई नहीं चिल्ला रह था कि मुझे मुख्यमंत्री बना दो। क्या मैं बनुंग मुख्यमंत्री, मैं बनुंगी के प्रलाप से कोई नुकसान नहीं हुआ? तो फिर पार्टी अध्यक्ष खरगे ने नवंबर में दिल्ली की सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में यह क्यों कहा कि पार्टी के नेता एक दूसरे के हराने में लगे हुए थे?

तो अगर हरियाणा नहीं गंवाया होता तो महाराष्ट्र में भी सीन यह नहीं होता। और 2025 कांग्रेस बहुत उत्साह से शुरू करती। लेकिन उत्साह कहीं नहीं है। भाजप जिसमें होना चाहिए वह अपनी नकारात्मकता से निकल ही नहीं पा रही। गुजर गए मनमोहन सिंह से घबरा गई। उनके खिलाफ व्हट्सएप मुहिम शुरू कर दी। गांधी नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह सब खराब हैं। और इनमें सबसे उपर राहुल। राहुल के पीछे ऐसे पड़े रहते हैं जैसे राहुल के बारे में अगर एक दिन भी खराब बोलना बंद कर देंगे तो राहुल छा जाएगा।

उन्हें यह नहीं मालूम कि राहुल तो छाया हुआ है। बस अपने खुद स्वभाव के कारण फिनिशर नहीं बन पा रहा। पहले भारत की क्रिक्रेट टीम के साथ भी यह समस्या थी। मगर फिर उन्होंने मैच फिनिश करना सीखा। मतलब खेले तो अच्छा और जीते भी। देखते हैं 2025 जिसके बारे में कांग्रेस ने अपनी बेलगावी सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में बड़ी बड़ी घोषणाएं की हैं क्या होता है। संगठनका महत्व है अपना। मगर नेतृत्व का सबसे ज्यादा है। नेतृत्व अपने नेताओं को जवाबदेह बनाने वाला होना चाहिए। इन्दिरा गांधी का नेतृत्व तो डर पैदा करता था। डर इस बात का कि नेता गलत करेगा तो बचेगा नहीं। 1980 वापसी करते ही अर्जुन सिंह को बना दिया था मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री। सारे बड़े बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल प्रकाश चंद सेठी देखते रह गए। नया नेतृत्व पैदा कर दिया था।

पता नहीं राहुल अपने मुख्यमंत्रियों से कामों का हिसाब किताब भी मांगते हैं या नहीं? ऐसे ही पार्टी के महासचिवों, प्रदेश अध्यक्षों, डिपार्टमेंट के चैयरमेनों से। यह काम नेतृत्व में किसी को करना पड़ेगा। खरगे खुद करें, प्रियंका करें। और राहुल जो वकाई कांग्रेस के सबसे बड़े जननेता हैं वे करें तो सबसे अच्छा।

अभी राहुल का समय है। बीजेपी का कोई दांव कामयाब नहीं हो रहा। उनके विदेश जाने को मुद्दा बनाया जा रहा है। मगर नहीं बन रहा। लोग मानने लगे हैं कि राहुल उन जैसे हैं। हिप्पोक्रेट नहीं हैं। झूठे हार्ड वर्क 16- 18 घंटे काम करने की कहानी नहीं फैलाते हैं। छुट्टी जैसे हम सब मनाते हैं वह भी मनाते हैं। सबको मनाना भी चाहिए।

मगर यह जो राहुल का समय है जिसे क्रिकेट में फार्म कहते हैं। हमेशा रहने वाला नहीं है। फार्म को हमेशा

अस्थाई माना जाता है। टेंपरेरी। क्लास को परमानेंट। स्थाई। राजनीति में क्लास क्या है? उच्च स्थिति में। अपने निर्णयों को मनवाना। मेहनत तो राहुल बहुत करते हैं। जनता में भी बहुत जाते हैं। दो यात्राएं जबर्दस्त रहीं। समाज के अलग कामकाजी समूहों में जा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर लोकसभा में प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं। हर काम में परफेक्ट। मगर नेता का काम होता है लोगों से काम लेना। सबसे बड़ा काम वही है। राजीव गांधी क्या कोई कम अच्छे प्रधानमंत्री थे? मगर टीम पर नियंत्रण नहीं रखा। परिणाम कुर्सी तो गई बदनाम अलग हुए। बाद में वीपी सिंह ने कहा कि बोफोर्स में कुछ नहीं था। मगर उसका क्या मतलब। ऐसा ही अब 2 जी में कहा गया। मगर अब क्या? राजीव गांधी भी चले गए मनमोहन सिंह भी चले गए।

नेता को अपने सामने स्थितियों पर कंट्रोल रखना होता है। गलत को गलत सामने साबित करना और अपने नेताओं से करवाना होता है 1977 की हार को इन्दिरा गांधी 1980 में गलत साबित कर दिया। अगर इससे ज्यादा टाइम लगा देतीं तो आज कहीं कांग्रेस होती भी? बाकी अभी राहुल का समय है। मगर उसका उपयोग कितना हो पा रहा है यह कांग्रेस को और खुद उन्हें देखना और सोचना है।

-शकील अख़्तर

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया |सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

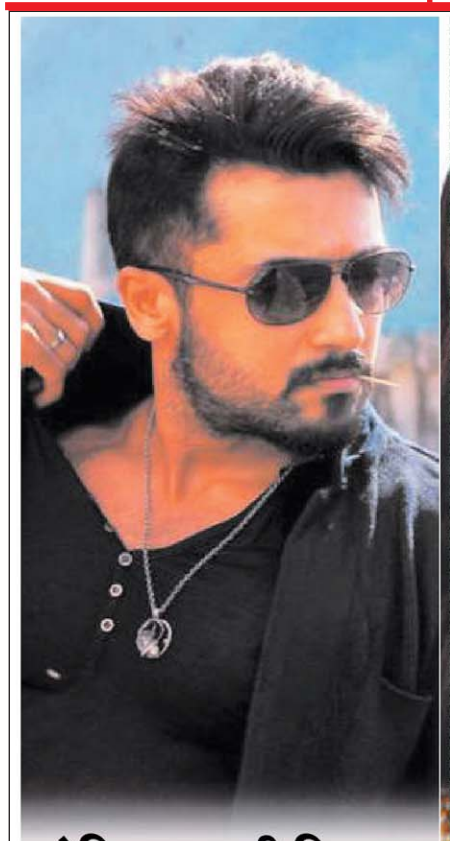

वेत्रिमारन की फिल्म वादिवासल की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार सूर्या

सूर्या और निर्देशक वेत्रिमारन की बहुप्रतीक्षित परियोजना वादिवासल का इंतजार प्रशंसक कई वर्षों से कर रहे हैं। वहीं, अब निर्माता ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में इस फिल्म से जुड़ी दिलचस्प जानकारियां साझा कीं। फिल्म के निर्माता ने वादिवासल पर चर्चा करते हुए कहा कि सूर्या शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। पहले निर्देशक विदुथलाई भाग 2 के निर्माण में व्यस्त थे। वह फिल्म अब रिलीज हो गई है।

जल्द शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

इसके अलावा निर्माता ने बताया कि इस दौरान फिल्म पर काम लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि फिल्म का एक अहम हिस्सा एनिमेट्रोनिक बैल लंदन में अपने आखिरी स्टेज पर है, जिससे यह संभावना है कि फिल्म जल्द ही फ्लोर पर आ जाएगी। कुछ समय पहले सूर्या की मुख्य भूमिका वाली फिल्म वादिवासल की घोषणा की गई थी। वेत्रिमारन द्वारा निर्देशित यह फिल्म तमिलनाडु में बैलों को काबू में करने के त्योहार की कहानी पर आधारित है, जो बदले की कहानी भी पेश करेगी।

फिल्म की कहानी

कहानी कथित तौर पर पिच्ची और मरुदन पर केंद्रित है, जो पेरियापट्टी गांव में वार्षिक बैल-वशीकरण उत्सव में भाग लेते हैं। दोनों का लक्ष्य एक क्रूर बैल को वश में करना है, जिसने अतीत में पिच्ची के पिता को हराया था, जिससे बदला लेने वाली कहानी की शुरुआत होती है। चूंकि फिल्म काफी समय से प्री-प्रोडक्शन स्टेज में थी, इसलिए रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इसे शायद रोक दिया गया है। हालांकि, निर्देशक ने खुद 2024 में मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया कि फिल्म को रोका नहीं गया है, बल्कि उनकी अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण इसे टाल दिया गया है।

वेत्रिमारन की विदुथलाई -भाग 2

हाल ही में, निर्देशक वेत्रिमारन ने 20 दिसंबर, 2024 को अपनी फिल्म विदुथलाई-भाग 2 रिलीज की। राजनीतिक बैकग्राउंड पर सेट यह पीरियड क्राइम थ्रिलर दो-भाग वाली फिल्म फ्रेंचाइजी की दूसरी किस्त है। यह फिल्म एक पुलिस कांस्टेबल की यात्रा को दिखाती है, जो एक अलगाववादी समूह के नेता के साथ संघर्ष में उलझ जाता है। सोरी और विजय सेतुपति की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म में गौतम वासुदेव मेनन, मंजू वारियर, किशोर, भवानी सेरे, राजीव मेनन, इलावरसु और बालाजी शक्तिवेल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

'धूम' फिल्म के अली से कनेक्ट करती हैं अनन्या पांडे, प्यार को लेकर कही मन की बात

अनन्या पांडे का नाम इन दिनों मॉडल वॉकर ब्लैंको से जोड़ा जा रहा है। दोनों को अनंत अंबानी की शादी में साथ देखा गया था। अनन्या ने अपने इस नए रिश्ते को खुलकर स्वीकार तो नहीं किया है लेकिन हाल ही में अभिनेत्री ने प्यार को लेकर अपना नजरिया बताया।

प्यार में 'धूम' के अली जैसा करती हैं महसूस

हाल ही में एक इंटरव्यू में अनन्या पांडे ने अपनी लव लाइफ पर बात की। एक्ट्रेस का कहना है कि जब वह प्यार में होती है तो सामने वाले से पूरी तरह से कनेक्ट हो जाती हैं। वह बिल्कुल 'धूम' फिल्म के अली जैसा बिहेव करती हैं।

परिवार-शादी के बारे में सोचती हैं

फिल्म 'धूम' में जब अली यानी उदय चोपड़ा के किरदार को प्यार होता है, तो चंद पलों में ही वह शादी और परिवार बनाने के बारे में सोचने लगता है। अनन्या भी ऐसा ही सोचती है, जब वह प्यार में होती हैं। यही कारण है कि वह फिल्म 'धूम' के किरदार अली से कनेक्ट कर पाती हैं।

आदित्य राय कपूर से भी रहा अफेयर

इन दिनों अनन्या पांडे का नाम जरूर मॉडल वॉकर ब्लैंको से जोड़ा जा रहा हो। लेकिन इस रिश्ते से पहले वह एक्टर आदित्य राय कपूर के साथ भी रिलेशनशिप में रह चुकी हैं। कुछ समय पहले ही दोनों की राहें जुदा हुई हैं।

अनन्या की अपकमिंग फिल्म

करियर फ्रंट की बात की जाए तो अनन्या पांडे अगले साल यानी 2025 में फिल्म 'शंकरा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में अक्षय कुमार और आर. माधवन जैसे उम्दा कलाकारों के साथ वह अभिनय करती हुई दिखेंगी। इस साल भी अनन्या पांडे ने काफी हटकर फिल्में की हैं, जिसमें 'कंट्रोल' नाम की फिल्म काफी चर्चा में रही। यह फिल्म सोशल मीडिया, एआई के नकारात्मक पक्ष को दिखाती है। इसके अलावा एक सीरीज 'कॉल मी बे' भी अनन्या ने की, जिसे यंग ऑडियंस ने काफी पसंद किया।

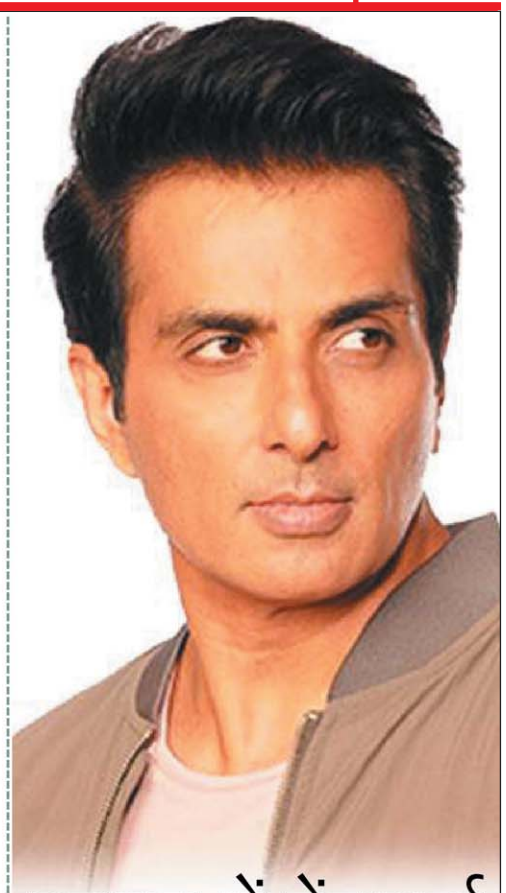

कबीर बहिया से अफेयर की अफवाहों के बीच बोली कृति सेनन

कुछ दिन पहले कृति सेनन को बिजनेस मैन कबीर बहिया के साथ क्रिसमस सेलिब्रेट करते हुए देखा गया। सेलिब्रेशन की ये तस्वीरें कृति ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर भी साझा कीं। हाल ही में कृति एक पॉडकास्ट पर नजर आईं। कृति सेनन से पहले क्रश के बारे में सवाल किया? तो वह बोली- 'प्यार को लेकर मैं सिर्फ अपनी सुनती हूं, इस मामले में मैं किसी की नहीं सुनती हूं।' वह पॉडकास्ट में आगे अपने पहले स्कूल क्रश के बारे में भी बताती हैं। कृति सेनन बताती हैं कि जब ग्यारहवीं क्लास में रही होंगी, तब उन्हें पहला क्रश हुआ था। वह लड़का काफी लंबा था, उस पर अकसर ही कृति की नजर चली जाती थी। दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे। वह लड़का कृति की मम्मी के फोन पर कॉल किया करता था। इस बात को मम्मी से छुपाना कृति के लिए काफी मुश्किल होता था। अपने पहले क्रश को याद करके, कृति सेनन पॉडकास्ट पर काफी मुस्कुरा भी रही थीं। आगे चलकर कृति का पहले क्रश के साथ रिलेशनशिप टूट गया। पॉडकास्ट में कृति ने यह भी बताया कि ब्रेकअप होने पर वह रोई भी थी। बाद में उन्हें अहसास हुआ कि यह प्यार नहीं था, बस एक क्रश जैसा था। कृति सेनन ने इस साल तीन फिल्मों में अभिनय किया, जिसमें 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', 'क्रू' और 'दो पत्ती' शामिल रहीं। फिल्म 'दो पत्ती' में एक्टिंग करने के साथ कृति सेनन ने इसे प्रोड्यूस भी किया। आगे भी वह अपने प्रोडक्शन हाउस तले अलग-अलग तरह की फिल्में प्रोड्यूस करना चाहती हैं।

बॉलीवुड में रोमांटिक फिल्मों की कमी पर प्रीति ने जताई चिंता

बॉलीवुड में अच्छी रोमांटिक फिल्में कम बन रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री प्रीति जिंटा इस बात से सहमत होती नजर आई दरअसल प्रीति जिंटा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फैंस के साथ एक बातचीत सैशन रखा। इस दौर उन्होंने अपने करियर और सिनेमा पर बात की। उन्होंने आज के दौरान में इंडस्ट्री में रोमांटिक फिल्मों की कमी पर भी खुलकर बात की। साथ ही कहा कि उन्हें अब भी उम्मीद है कि शायद कुछ बेहतर आइडिया आए। एक्स पर एक यूजर ने प्रीति जिंटा को मैसेज लिखा, मुझे लगता है कि बॉलीवुड में रोमांस, रोमांस के किंग कहे जाने वाले निर्माता यश चोपड़ा के साथ ही खत्म हो गया, क्या आज के समय में हमें बॉलीवुड में अच्छी रोमांटिक फिल्में देखने को मिल सकती हैं? यूजर के सवाल पर प्रीति ने लिखा, मेरा भी यही मानना है। हालांकि, उम्मीद है कि कुछ अच्छी स्किप्ट लिखी जाएं और कुछ नए आइडिया कोई ऐसा शख्स लेकर आए, जिसका दिल सही जगह पर है। मैं भी आपकी तरह इंतजार ही कर रही हूं।

इसके अलावा अभिनेत्री ने अपनी आगामी फिल्म पर भी बात की। एक यूजर ने लिखा, आप किसी नई फिल्म में काम कर रही हैं? अगर ऐसा हो तो आपको बड़े परदे पर देखना दिलचस्प होगा। आप 90 के दशक की हमारी पसंदीदा अदाकारा हैं। इस पर प्रीति जिंटा ने लिखा, बहुत शुक्रिया! मेरी नई फिल्म है लाहौर 1947, जो अगले साल रिलीज होगी।

लंबे वक्त बाद कमबैक

प्रीति जिंटा ने साल 1998 में मणिरत्नम की फिल्म दिल से के जरिए डेब्यू किया था। इसके बाद वे कोई मिल गया, चोरी चोरी छुपके छुपके, दिल चाहता है, वीर जारा जैसी कई चर्चित फिल्मों में नजर आईं। अदाकार जीन गुडइनफ से शादी के बाद विदेश में बस गई हैं।

एक्शन में बेंचमार्क साबित होगी 'फतेह

एक्टर सोनू सूद अपकमिंग फिल्म फतेह के जरिए डायरेक्शन में डेब्यू करने जा रहे हैं। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। यहां तक कि लीड रोल में भी सोनू ही नजर आएंगे। फिल्म 10 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज से पहले सोनू सूद ने दैनिक भास्कर से बातचीत की है। सोनू के मुताबिक, फतेह का एक्शन सीक्वेंस इंडस्ट्री में एक नया बेंचमार्क साबित करेगा।

आप पहली बार डायरेक्टर के रोल में नजर आ रहे हैं, क्या फीलिंग्स हैं?

दो-ढाई साल में खूब मेहनत हुई है। लिखने से लेकर फिल्म के हर बिंदु पर काफी बारीकी से काम किया गया है। मैंने सोच लिया था कि ऐसी एक्शन फिल्म बनाऊंगा जो कभी नहीं बनी हो। हिंदुस्तान भी गर्व से कहे कि ऐसी एक्शन फिल्म पहले कभी नहीं बनी।

क्या आपके लायक फिल्में नहीं बन रही थीं, इसलिए खुद डायरेक्शन में उतरना पड़ा?

कई बार खुद की कहानी खुद के कलम से लिखनी पड़ती है। मैं जैसी फिल्म चाहता था, वह बन नहीं पा रही थी। ऐसा फील हो रहा था कि मैं जो कर सकता हूं, वह मुझसे कराया नहीं जा रहा। यही सोचकर मैंने खुद ही फिल्म बनाने की जिम्मेदारी उठाई।

आप फिल्मों में डायलॉग्स पर भी काफी इनपुट देते हैं, इसका क्रेडिट क्यों नहीं लेते?

डायलॉग्स के जरिए ही हम सही तौर पर ऑडियंस से कनेक्ट कर पाते हैं। डायलॉग्स ऐसे होने चाहिए, जो गली-चौराहे के बच्चे भी समझ जाएं और उससे रिलेट कर पाएं। फतेह देखने के बाद आप निजी जीवन में उसके डायलॉग्स बोलते फिरेंगे।

आपने फिल्म के म्यूजिक पर भी काफी ध्यान दिया है, संगीत की समझ कहां से लाते हैं?

म्यूजिक ऐसा होना चाहिए, जो फिल्म की सीक्वेंस के साथ मैच हो जाए। मैंने फतेह में अरिजीत सिंह, हनी सिंह, विशाल मिश्रा, बी प्राक और जुबिन नौटियाल जैसे इस वक्त के सबसे बड़े सिंगर्स से गाने गंवाए हैं।

फतेह के एक्शन की तुलना इंटरनेशनल फिल्मों से की जा रही है, कुछ लोग जॉन विक से मिला रहे हैं?

मैंने इतने सालों तक एक्शन फिल्में की हैं, लेकिन हमेशा लगता था कि कुछ मिसिंग है। कई बार सोचता था कि हम आखिर इंटरनेशनल लेवल का एक्शन क्यों नहीं दिखा पाते हैं। शायद प्रोडक्शन कॉस्ट और विजन ही सबसे बड़ा मसला है। मैंने फतेह के लिए एक्शन सीन्स को प्रॉपर डिजाइन किया। साथ ही पेपर पर हर एक्शन सीन्स की डिटेलिंग भी की थी।

फिल्म में साढ़े तीन मिनट का नॉनस्टॉप एक्शन देखने को मिलेगा। उसमें एक कट नहीं दिखेगा। जुरासिक पार्क, फास्ट एंड फ्यूरियस और कैप्टन मार्वेल जैसी बड़ी हॉलीवुड फिल्मों का एक्शन डिजाइन करने वाली टीम को बुलाकर उनसे काम लिया है। एक्शन सीन्स को शूट करने के लिए साउथ अफ्रीका और मैक्सिको से टीम आई थी। मुझे लगता है कि फतेह का एक्शन एक बेंचमार्क साबित करेगा।

रजनी सर ने तारीफ की तो शॉकड हो गई थी

एक्ट्रेस वेधिका कुमार साउथ की सभी भाषाओं के अलावा हिंदी फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने फिल्मों में अपनी जर्नी को लेकर खास बातचीत की। इस दौरान एक्ट्रेस ने साउथ सिनेमा के सुपर स्टार रजनीकांत से पहली मुलाकात का किस्सा भी शेयर किया। एक्ट्रेस ने बताया कि जब 'कांचना 3' के बाद रजनी सर से मिलीं और रजनी सर ने उनकी एक्टिंग की तारीफ की तो शॉक्ड हो गईं।

आप मुंबई में पली बढ़ी हैं, फिर साउथ सिनेमा में एक्टिंग की शरुआत कैसे हुई?

साउथ सिनेमा में मेरी शुरुआत बिस्कुट के एक ऐड से सूर्या के साथ हुई थी। उस ऐड के लिए मुंबई की एक एजेंसी ने कास्टिंग की थी। जिसे प्रियदर्शन सर ने डायरेक्ट की थी। उस समय सूर्या सर बहुत बड़े स्टार थे। उनके साथ बहुत ही अच्छा अनुभव रहा है। प्रिय दर्शन सर की मैं बहुत बड़ी प्रसंशक हूं, उनके साथ भी काम करना बहुत ही कंफर्टेबल रहा है। वह जमीन से जुड़े इंसान हैं। मेरे लिए बहुत गर्व की बात थी कि ऐसे एक्टर और डायरेक्टर के साथ काम करने का मौका मिला। इस ऐड के बाद साउथ की फिल्मों में मेरी की जर्नी शुरू हुई थी। अब तक 30 से ज्यादा साउथ की फिल्में कर चुकी हूं।

पहली फिल्म 'मद्रासी' की शूटिंग के दौरान का कैसा माहौल था?

पहले दिन की शूटिंग मुंबई में ही थी। उस समय मुझे तमिल बिल्कुल भी नहीं आती थी। हिंदी में डायलॉग लिखकर याद कर लेती थी। अभी तो तमिल मेरी मातृ भाषा जैसी हो गई है। तेलुगु भी बोल लेती हूं। 'मद्रासी' के बाद 'मुनि' रिलीज हुई थी। इस फिल्म को राघव लारेंस ने डायरेक्ट की थी। यह फिल्म मेरे करियर की टर्निंग पॉइंट फिल्म रही है। यह हॉरर कॉमेडी फिल्म थी। इसके बाद लारेंस सर ने कांचना, कांचना 2 और कांचना 3 बनाई। मुनि के बाद मैंने कांचना 3 में मैंने भी काम किया था। अब कांचना 4 बनने जा रही है। यह सारी फिल्में 'मुनि' की ही फ्रेंचाइजी हैं।

आपकी तुलना कई बड़ी एक्ट्रेस से की जाती है, इस कॉम्प्लीमेंट को किस तरह से देखती हैं?

बहुत अच्छा लगता है। श्रीदेवी मैम को मैंने हमेशा अपना आइडियल माना है। उनसे एक बार दुबई में मिली भी थी। उनके डांस, परफॉर्मेंस और ब्यूटी को बहुत पसंद करती हूं। आज हम उनको बहुत मिस करते हैं। उनकी जैसी इंडस्ट्री में बहुत कम लोग हैं। मेरे लिए यह बड़े गर्व की बात है कि लोग मेरी तुलना उनसे करते हैं, लेकिन मैं अपनी अलग पहचान बनाना चाहती हूं।

किस तरह से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाना चाहती हैं?

मैं चाहती हूं कि लोग मुझे मेरी चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं से जाने। मैंने अब तक कई चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाई है। मैंने बाला सर के डायरेक्शन में तमिल फिल्म 'परदेसी' की थी। मेरे करियर की यह बहुत बड़ी टर्निंग पॉइंट फिल्म थी। इस फिल्म को लेकर इतना एक्साइटेड थी कि शूटिंग के दौरान सो नहीं पाती थी। इस फिल्म में मेरा लुक बहुत ही अलग था। इस फिल्म के बाद मुझे परफॉर्मेंस ओरिएंटेड फिल्में मिलने लगी थीं।

बॉलीवुड में आपकी एंट्री इमरान हशमी की फिल्म 'द बॉडी' से हुई। हिंदी सिनेमा में इतनी लेट एंट्री क्यों?

मैं साउथ में बहुत बिजी थी, इसलिए यहां ज्यादा ध्यान नहीं दे पा रही थी। मुझे ऑफर्स भी मिले, लेकिन डेट्स प्रॉब्लम की वजह से नहीं कर पाई। कुछ फिल्में ऐसी थीं, जिसमें किरदार नहीं पसंद आया था। 'द बॉडी' का जब ऑफर मिला तो इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड थी। मेरा मानना है कि जब जो होना होता है, तभी होता है। अभी 2025 के लिए कुछ अच्छे प्रोजेक्ट्स के लिए बात चल रही है। कुछ अच्छा ही होगा।

आप पांच भाषाओं में काम कर चुकी हैं, बैलेंस कैसे करती हैं?

बैलेंस करना बहुत मुश्किल होता है, क्योंकि हर भाषा का अपना एक अलग सुर होता है। साउथ की फिल्मों के बाद जब 'द बॉडी' कर रही थी तब हिंदी बोलने में बहुत दिक्कत हो रही थी। जबकि हिंदी बचपन से बोलती आ रही हूं। अभी तो तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ सीख ली हूं।

करियर में अब तक का कोई खूबसूरत कॉम्प्लीमेंट, जो आपके दिल को छू लिया हो?

'कांचना 3' जब बहुत बडी हिट हुई थी तब राघव लॉरेंस सर के साथ रजनी सर (राजनीकांत) से मिलने गई थी। वो ऐसे सुपर स्टार हैं, जो दूसरों को सुपर स्टार जैसा फील करवाते हैं। रजनी सर ने मेरी फिल्म 'शिवलिंगा' तीन साल पहले देखी थी। उन्होंने फिल्म के एक-एक सीन के बारे में बताते हुए मेरे एक्टिंग की तारीफ की। मैं शॉक्ड हो गई थी। वह मेरे लिए बहुत भी इमोशनल मोमेंट था।

अभी हाल फिलहाल में साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी ऐसे बहुत सारे केस सामने आए हैं। आप का अनुभव कैसा रहा है?

मेरे साथ कभी बुरा अनुभव नहीं हुआ है। ऐसा नहीं है कि साउथ फिल्म इंडस्ट्री में सबलोग ऐसे ही हैं। मेरा मानना है कि कहीं भी अगर किसी के साथ ऐसा दुर्व्यवहार होता है तो इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। ऐसे लोग से दूर रहने की कोशिश करनी चाहिए। बुरे अनुभव कभी बोल कर नहीं आते हैं। यह कहीं भी हो सकता है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का अंतिम टेस्ट आज से

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय टीम शुक्रवार को यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के अंतिम मैच में उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल करने के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए भी अपनी संभावनाओं को बनाये रखना रहेगा। भारतीय टीम इस मैच में हारी तो वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की दौड़ से बाहर हो जाएगी। भारतीय टीम का जिस प्रकार का प्रदर्शन अब तक रहा है उससे उसका यहां जीत दर्ज करना बेहद कठिन नजर आत है। इस मैच को लेकर अभी तक अंतिम ग्यारह भी तय नहीं है यहां तक कि ये भी नहीं कहा जा सकता कि इसमें कप्तान रोहित शर्मा को अंतिम ग्यारह में जगह मिलेगी या नहीं। इस मैच में शुभमन गिल की वापसी हो सकती है पिछले मैच में वह बाहर थे। शुभमन नेट्स पर अभ्यास करते दिखे। इसके अलावा युवा ध्रुव जुरेल भी अभ्यास कर रहे थे। ऐसे में ये भी हो सकता है कि रोहित को अंतिम ग्यारह में जगह न भी मिले।

रोहित अब तक इस सीरीज में असफल रहे हैं ओर तीन मैचों में केवल 31 रन ही बना पाये हैं। रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को भी इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। विराट इस सीरीज में एक शतक को छोड़ दें तो बाकि सभी पारियों में असफल रहे हैं। भारत पहली पारी में रन बनाने के लिए संघर्ष करता दिखा है। उनकी 22.40 की औसत एक सीज़न में उनका सातवां सबसे कम है। हालांकि सिडनी एक ऐसी जगह है जहां भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा रहा है। सिडनी का मैदान अब बल्लेबाज़ी के अनुरुप नहीं रह गया है। लेकिन यहां पर अभी भी 34.85 का गेंदबाज़ी औसत है जो अन्य मैदानों से काफ़ी बेहतर है। यही एक कारण हो सकता है कि ऑस्ट्रेलिया इस मैच के लिए गेंदबाज़ी को मज़बूत करने पर जोर दे रहा है। इसी कारण उसने खराब फार्म से संघर्ष कर रहे मिचेल

मार्श की जगह बो वेबस्टर को शामिल किया है। भारतीय टीम को इस मैच में यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और नीतीश कुमार रेड्डी से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेंगी। ऋषभ पंत को भी इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना होगा। पिछले मैय में वह विकेट पर जमने के बाद लापरहवाही से शॉट खेलकर गुंवा बैठे थे।वहीं गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह पर रहेगी। चोटिल होने के कारण इस मैच में आकाशदीप सिंह नहीं खेलेंगे। ऐसे में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा या हर्षित राणा में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है।

टीम

ऑस्ट्रेलिया : उस्मान ख़्वाजा, सैम कॉन्स्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीवन स्मिथ, ट्रैविस हेड, बो वेबस्टर, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस (कप्तान), मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, नाथन लियोन

भारत (संभावित): रोहित शर्मा (कप्तान)/शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा/हर्षित राणा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज !

ड्रेसिंग रुम की बातें बाहर नहीं जानी चाहियें : गंभीर

बार्सिलोना (एजेंसी)। मेलबर्न (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सिडनी टेस्ट से पहले मीडिया से बात करते हुए कहा है कि ड्रेसिंग रूम की बातें यहीं तक सीमित रहनी चाहिए। उनका बाहर जाना सही नहीं होता। उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रुम में तनाव की बातें गलत है। गंभीर ने ये बात इसलिए कही क्योंकि टीम में गुटबाजी बातों को लेकर विवाद उठा था। ये भी कहा जा रहा था कि टीम के कुछ खिलाड़ी पहले टेस्ट में भी जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाये जाने के खिलाफ थे। इसी कारण मेलबर्न टेस्ट में हार के बाद गंभीर ने खिलाड़ियों को कड़ी फटकार लगायी थी। तब गंभीर ने सीनियर खिलाड़ियों पर भी जमकर निशाना साधा था। गंभीर ने कहा था कि अब उन्हें टीम की योजना के अनुसार काम करना होगा।

गंभीर ने टीम में गुटबाजी के सवालों पर कहा कि कोच और खिलाड़ियों के बीच जो बातें होती हैं उन्हें ड्रेसिंग रूम में ही रहनी चाहिए। इस प्रकार की बातें बाहर आने से बेवजह विवाद होते हैं। साथ ही कहा कि.जब तक ड्रेसिंग रूम में ईमानदार लोग मौजूद हैं तब तक भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में रहेगा। कोच ने कहा कि टीम में बने रहना केवल प्रदर्शन पर आधारित होता है। साथ ही कहा कि अगर किसी खिलाड़ी से व्यक्तिगत तौर पर बात होती है तो उसे दोनों के बीच में ही रहनी

चाहिए' ड्रेसिंग रूम में तनाव की बातें सहीं नहीं हैं।

गंभीर ने भारतीय ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों से कहा कि अब बहुत हो गया। खिलाड़ियों को टीम की योजना के अनुसार चलना होगा। कोच ने टीम की योजना को सही तरीके से अमल में नहीं लाने के लिए नाराजगी जतायी। मेलबर्न में भारतीय टीम के अनुभवी खिलाड़ियों ने लापरवाही में विकेट खो दिये। गंभीर ने खिलाड़ियों से कहा कि उन्होंने उन्हें अपनी मर्जी से खेलने की अजादी दी थी लेकिन अब वह स्वयं टीम के खेलने के तरीके का फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी उनके मैच के पहले बनाए गए प्लान को अमल में नहीं लाएंगे उन्हें टीम से बाहर जाना होगा।

गंभीर ने अंतिम टेस्ट से पहले कहा, 'यहां टीम पहले की भावना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। खिलाड़ी अपना पारंपरिक गेम खेल सकते हैं, लेकिन टीम स्पोर्ट्स में व्यक्तिगत खिलाड़ी सिर्फ अपना योगदान देते हैं।' गंभीर ने कहा कि सिडनी में पिच देखकर ही अंतिम ग्यारह तय होगी।

रोहित का कप्तान होने के कारण अंतिम टेस्ट में भी खेलना तय: क्लार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा पर खराब बल्लेबाजी के लिए निशाना साधा है। क्लार्क के अनुसार रोहित कप्तान होने के कारण ही सिडनी में पांचवे टेस्ट में भी खेलेंगे हालांकि इस सीरीज में वह रन बनाने में विफल रहे हैं। क्लार्क ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि जब वह चाहेंगे तभी संन्यास लेंगे। भारतीय बोर्ड उन्हें हटाये ऐसा मुझे नहीं लगता। हालांकि रन नहीं बनाने के कारण उनपर दबाव बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अब तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं पर इसमें कोई अहम पारी नहीं खेली है।

क्लार्क ने कहा कि कुछ खिलाड़ियों के लिए टीम में बने रहने कप्तानी सहायक होती है, जबकि अन्य के लिए नहीं। मुझे निश्चित रूप से लगता है कि वह सिडनी में खेलेंगे। मुझे नहीं लगता कि उन्हें टीम से बाहर किया जाएगा। मुझे लगता है कि रोहित शर्मा ने यह अधिकार हासिल किया है और वह कप्तान हैं और इसके कारण उन्हें कुछ सुविधाएं मिलना तय है। उन्होंने कहा कि हालांकि उनके आंकड़े बहुत अच्छे नहीं हैं।

क्लार्क ने कहा कि मुझे नहीं पता कि रोहित कप्तानी के लिहाज से कैसा महसूस करते हैं। अभी वह दूसरे बच्चे के पिता बने हैं। मुझे लगता है कि वह निश्चित रूप से सिडनी में खेलेंगे। रोहित का कप्तान के तौर पर औसत 30.58 है लेकिन इससे पहले उन्होंने 46.87 की औसत से रन बनाए थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया के ही एक अन्य पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने भी अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि मेरे लिए चिंताजनक बात यह है कि पर्थ में पहले टेस्ट में बुमराह की कप्तानी में भारतीय टीम को प्रदर्शन कितना अच्छा रहा पर रोहित के वापस आने के बाद से टीम लय में नहीं दिखती है। रोहित अब भी एक महान खिलाड़ी हैं, उन्हें खेलते हुए देखना शानदार लगता है और मुझे उम्मीद है कि वह कुछ रन बनाएंगे। क्लार्क का ये भी मानना है भारतीय टीम प्रबंधन को युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को बल्लेबाजी के लिए ऊपरी क्रम में भेजना चाहिये क्योंकि वह काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

मनु भाकर, डी गुकेश, हरमनप्रीत सिंह और प्रवीण कुमार को ध्यानचंद्र और 32 को अर्जुन अवार्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। युवा एवं खेल मंत्रालय ने 2024 के राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इस बार के मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित होने वाले खिलाड़ियों की सूची में कई बड़े और चर्चित नाम शामिल हैं। इनमें ओलंपिक डबल मेडलिस्ट मनु भाकर, शतरंज विश्व चैंपियन डी गुकेश, हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता प्रवीण कुमार शामिल हैं। सम्मान समारोह 17 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति भवन में दोपहर 11 बजे आयोजित किया जाएगा।

खेल रत्न विजेताओं की गौरवगाथा

* मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक्स 2024 में शूटिंग में दो पदक जीतकर इतिहास रचा। वह एक ही ओलंपिक में दो अलग-अलग इवेंट्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनीं।

* डी गुकेश ने शतरंज में एक नया अध्याय लिखा। वह महज 18 साल की उम्र में विश्व शतरंज चैंपियन बनने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उनकी इस ऐतिहासिक जीत ने भारत का नाम वैश्विक मंच पर ऊंचा किया।

* हरमनप्रीत सिंह ने अपनी कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। यह लगातार दूसरा अवसर था जब भारत ने ओलंपिक्स में हॉकी में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

* पैरालंपिक हाई-जम्पर प्रवीण कुमार ने टी64 कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीतकर देश को गौरवान्वित किया। उनकी यह जीत पैरालंपिक खेलों में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाती है।

अन्य सम्मान और पुरस्कार

खेल मंत्रालय ने अर्जुन पुरस्कार के लिए 32 खिलाड़ियों को चुना है, जिनमें 17 पैरा एथलीट शामिल हैं। इन खिलाड़ियों को भी 17 जनवरी को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, 3 कोचों को द्रोणाचार्य पुरस्कार से नवाजा जाएगा। लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार के लिए पैरालंपिक में भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत राजाराम पेटकर को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने साल 1972 में जर्मनी के हीडलबर्ग में 50 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

कोचिंग में योगदान

पूर्व निशानेबाज और कोच दीपाली देशपांडे को भी द्रोणाचार्य पुरस्कार से नवाजा जाएगा। इस पर उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। यह सिर्फ मेरी उपलब्धि नहीं है, बल्कि उन निशानेबाजों की उपलब्धि है, जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन वि या।'

मुक्केबाज विजेंदर को लगा बड़ा झटका, पिता महिपाल सिंह का निधन

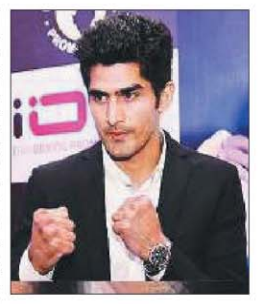

नई दिल्ली - ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह के पिता महिपाल सिंह का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। पिछले कुछ हफ्तों से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। विजेंदर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि बहुत दुख के साथ अपने पिता महिपाल सिंह के निधन की सूचना दे रहा हूं। आज उनका स्वर्गवास हो गया। बीजिंग ओलंपिक 2008 में कांस्य पदक जीतने वाले 39 वर्षीय मुक्केबाज ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उनके पिता का अंतिम संस्कार हरियाणा में उनके पैतृक गांव भिवानी में किया जाएगा। हरियाणा रोडवेज में ड्राइवर के तौर पर कार्यरत महिपाल ने 'ओवरटाइम' करके विजेंदर के सपने को पूरा किया। पिछले साल कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए विजेंदर ने अपने पिता के साथ एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा- आपसे अनुरोध है कि उनके लिए प्रार्थना करें।

ऑस्ट्रेलिया की नजरें सिडनी टेस्ट जीतने पर, कमिंस ने कहा- बुमराह का सामना करना कठिन है

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि श्रृंखला में 2-1 से बढ़त बनाने के बावजूद भारत के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी मैच में उनकी टीम की ऊर्जा में कोई कमी नहीं आएगी। ऑस्ट्रेलिया ने बॉक्सिंग डे टेस्ट 184 रन से जीतकर 2014-15 के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने की ओर कदम बढ़ा दिया है। कमिंस ने कहा, 'श्रृंखला में आगे होना अच्छा रहता है। आप हर टेस्ट मैच जीत के इरादे से ही खेलते हैं और यहां भी कुछ अलग नहीं है। पिछले तीन टेस्ट में टीम के प्रदर्शन से मैं बहुत खुश हूं। हमने दिखा दिया कि हम जीत के प्रबल दावेदार हैं और इस सप्ताह भी हमारा लक्ष्य जीतना ही है।' उन्होंने स्वीकार किया कि टीम के सामने कुछ मसले हैं। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि कुछ मौकों पर हम और रन बनाना चाहते थे। मेलबर्न में पिछले टेस्ट में हमें 400 से 500 रन की बढ़त लेनी चाहिए थी। हम इतनी अच्छी स्थिति में थे। लेकिन यही टेस्ट क्रिकेट है।'

पिच पर बोले कमिंस - कमिंस ने कहा कि सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की पिच पारंपरिक पिच से अलग है जिस पर स्पिनरों और बल्लेबाजों को मदद मिलती है। उन्होंने कहा, 'यह एससीजी की पारंपरिक पिच से अलग है। इस साल यहां शेफील्ड शील्ड के दो मैच अच्छे रहे और टीमें विकेट से खुश थीं। इससे गेंदबाजों को मदद मिलेगी और बल्लेबाज भी रन बना सकेंगे। कुछ समय इस पर बल्लेबाजी आसान होगी तो आखिर में यह स्पिनरों की मददगार रहेगी। मैने यहां कुछ टेस्ट खेले हैं लेकिन बाकी वनडे ही खेले हैं तो मैं कोई विशेषज्ञ नहीं हूं।'

कुसल परेरा का शतक, श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को सात रनों से हराया

नेल्सन (न्यूजीलैंड) (एजेंसी)। कुसल परेरा (101) की तूफानी शतकीय, चरित असलंका (तीन विकेट) और वानिंदु हसरंगा (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने गुरुवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को सात रन से हरा दिया है। हालांकि न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीती। कुसल परेरा को उनकी तूफानी शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से तथा सीरीज में आठ विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के गेंदबाज जेकब डफी 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया।

श्रीलंका के 218 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए टिम रॉबिंसन और रचिन रविंद्र की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 81 रन जोड़े। आठवें ओवर में बी फर्नांडो ने टिम रॉबिंसन (37) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद चरित असलंका ने मार्क चैपमैन (नौ) और ग्लेन फिलिप्स (छह) को आउट कर न्यूजीलैंड को दो झटके दिये। 13वें ओवर में असलंका ने रचिन रविंद्र को बोल्ड कर श्रीलंका को चौथी सफलता दिलाई। रचिन रविंद्र ने 39 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए (69)रनों की पारी खेली।

16वें ओवर में हसरंगा ने मिचेल हे (आठ) को बोल्ड कर दिया। इसी ओवर में उन्होंने माइकल ब्रेसवेल (एक) को भी अपना शिकार बना लिया। श्रीलंका के लिये सातवां महत्वपूर्ण विकेट नुवान तुषारा ने डैरिल मिचेल को आउट कर झटका।

डैरिल मिचेल ने 17 गेंदों में एक चौका और चार छक्के लगाते हुए (35) रन बनाये। मिचेल सैंटनर (14) और जैकरी फॉक्स (21) रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की टीम निधारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 211 रन ही बना सकी और सात रन से मुकाबला हार गई। श्रीलंका की ओर से चरित असलंका ने तीन विकेट और वानिंदु हसरंगा ने दो विकेट लिये। नुवान तुषारा और बी फर्नांडो ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 24 के स्कोर पर अपना पहल विकेट पथुम निसंका (14) के रूप में गवां दिया। उन्होंने मै हेनरी ने विकेटकीपर मिचेल हे के हाथों कैच आउट कराया। सके बाद पांचवें ओवर में मिचेल सैंटनर ने कुसल मेंडिस ब ब्रेसवेल के हाथों कैच आउट करा दिया। कुसल मेंडिस 16 गेंदों में (22) रन बनाये। श्रीलंका का तीसरा विकेट विष्का फर्नांडो (17) के रूप में गिरा। उन्हें जैकब डफी ने प बाधा आउट किया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आये कुस परेरा इस दौरान एक छोर थामे खड़े रहे।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान चरित असलंका ने कुसल परेरा साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विके लिए 100 रनों की साझेदारी हुई। दोनों ने आतिशी बल्लेबा ी का मुजाहिरा करते हुए तेजी के साथ रन बटोरे। 17वें अ वर में जैकरी फॉक्स ने चरित असलंका को आउट कर इस र झेदारी को तोड़ा। चरित असलंका ने 24 गेंदों में एक चौका पां छक्के लगाते हुए (46) रनों की पारी खेली। 19वें ओवर में रिल मिचेल ने कुसल परेरा को आउट किया। कुसल परेरा ने 4 गेंदों में 13 चौके और चार छक्कों की मदद से (101) रनों व शतकीय पारी खेली। यह टी-20 में उनका पहला अंतरराष्ट्र य शतक है। इसके साथ उन्होंने टी-20 में अपने दो हजार पूरे किये। श्रीलंका ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 18 रनों का स्कोर खड़ा किया। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनर , जेकब डफी, जैकरी फॉक्स, मिचेल सैंटनर और डैरिल मिचे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इस साल भारत में होगी जूनियर विश्व कप निशानेबाजी

नई दिल्ली। भारत इस साल जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा। विश्व कप निशानेबाजी में राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें। यह हाल के दिनों में का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जो भारत में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में सहायता करने के तरीके की प्रशंसा की थी।''उन्होंने कहा, ''हमें तब इसकी उम्मीद थी पर अब जब मेजबानी मिलने की आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।'' वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद शीघ्र ही उन्हें इसके बारे में बताएंगे जिससे सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।'' इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं। साल 2023 में सीनियर विश्व कप भी भारत में हुआ था।

इस पूर्व खिलाड़ी ने की भविष्यवाणी, कहा- भारत नहीं, पाकिस्तान जीतेगा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब

नई दिल्ली। फरवरी-मार्च में पाकिस्तान आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी करे । ये टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल से खेला जाएगा जहां टीम इंडिया के सभी मैच यूएई में खेले जाएंगे। लेकिन उससे पहले पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टूर्नामेंट को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। उन्होंने उस टीम का नाम बताया है जो सेमीफाइनल में जगह बनाएगी और खिताब जीतने की दावेदार भी हो सकती है। बता दें कि, चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से होगी। जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला 23 फरवरी को होगा। वहीं 49 वर्षीय शोएब अख्तर ने कहा कि, मुझे पूरा भरोसा है कि पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। पाकिस्तान टॉप 4 में जगह जरूर बनाएगा। उन्होंने ये भी कहा कि वह चाहते हैं कि फखर जमानटीम में वापसी करें और बाबर आजम केल लिए ये साल बेहतरीन हो। अख्तर ने बाबर आजम की अहम भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि, बाबर चैंपियंस ट्रॉफ में पाकिस्तान के लिए काफी अहम साबित होंगे। टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है, और मुझे यकीन है कि चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम अच्छ खेलेगी। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि, पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की खिताब जीत सकता है। उन्होंने कहा कि, पाकिस्त न अपने मैच होम ग्राउंड पर खेलेगा, इसलिए खिताब जीतने का अच्छा मौका है। 2017 में भारत को हराकर पाकिस्तान ने ट्रॉफी जीती । अब मेजबानी करते हुए खिताब बरकरार रखना चाहिए।

डबल्यूपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी लेग स्पिनर प्रेमा रावत

बेंगलुरु। उत्तराखंड के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाली लेग स्पिनर प्रेमा रावत महिला प्रीमियर लीग (डबल्यूपीएल) के लिए हुई मिनी नीलामी के बाद सभी की नजरों में आई हैं। प्रेमा को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 1.20 करोड़ की बड़ी रकम देकर अपने साथ जोड़ा है। प्रेमा अपनी स्पिन गेंदबाजी के अलावा एक अच्छी फील्डर भी हैं। प्रेमा ने इसी साल हुए उत्तराखंड प्रीमियर लीग में भी अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया था। वह निचले प्रेमा लोअर ऑर्डर में शानदार बल्लेबाजी भी कर सकती हैं। आरसीबी के दल में आशा शोभना के रूप में पहले से ही एक शानदार लेग स्पिन गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी टीम ने प्रेमा रावत को अपने साथ नीलामी में शामिल किया है। इसका कारण कारण शोभना का पूरी तरह से फिट नहीं होना है। ऐसे में फ्रेंचाइजी किसी तरह का कोई खतरा मौल नहीं लेना चाह रही है। यही कारण है कि लेग स्पिनर के तौर पर प्रेमा को टीम के साथ जोड़ा गया है। पिछले सत्र में स्मृति मंधाना की कप्तानी में आरसीबी ने शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे में प्रेमा के ऊपर बेहतर प्रदर्शन की जिम्मेदारी होगी। वहीं अगर आशा शोभना अगर पूरी तरह से फिट रहती हैं तो हो सकता है कि उन्हें इंतजार करना पड़ सकता है। प्रेमा ने अब तक सभी प्रारुपों को मिलाकर कुल 49 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने गेंदबाजी में दमदार खेल दिखाते हुए 54 विकेट लिए जबकि बल्लेबाजी करते हुए 184 रन बनाए हैं।

रोहित सिडनी में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो खुशी से संन्यास ले लें : शास्त्री

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि अगर कप्तान रोहित शर्मा अंतिम टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें खुशी से खेल को अलविदा कह देना चाहिये। सिडनी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के अंतिम टेस्ट की पूर्व संध्या पर रोहित के भविष्य को लेकर अटकलें तेज होने के बीच ही शास्त्री ने ये बातें कहीं। वहीं मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच से पहले कहा कि पिच को देखने के बाद ही अंतिम ग्यारह का फैसला किया जाएगा, हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि रोहित का खेलना तय है या नहीं। इस सीरीज में रोहित ने तीन मैचों में 6.2 की औसत से केवल 31 रन बनाए हैं।

उन्होंने कहा, वह अपने करियर को लेकर फैसला करेंगे पर अगर वह संन्यास लेते हैं तो मुझे बिल्कुल भी हैरानी नहीं होगी। इसका कारण है कि उनकी उम्र बढ़ रही है ओर उनकी जगह लेने के लिए कई युवा खिलाड़ी तैयार हैं। शुभमन गिल जैसा खिलाड़ी अभी बाहर बैठा है। वहीं यदि रोहित खेलते हैं तो उन्हें शानदार प्रदर्शन करना चाहिए। यदि मैं रोहित के आसपास होता, तो मैं उनसे कहता, 'बस जाओ और धमाका करो। बस मैदान पर जाओ और धमाका करो'।

शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू शो में कहा, ÷ठीक वैसे ही जैसे जब आप इस समय जिस तरह से खेलने की कोशिश कर रहे होते हैं, वह अच्छा नहीं लगता। मैदान पर जाओ और विपक्ष पर हमला करो और फिर देखते हैं क्या होता है। उन्हें यह भी लगता है कि रोहित का रेड-बॉल फॉर्म पिछले कुछ महीनों में अपने स्वाभाविक खेल को नहीं खेलने के कारण गिरा है, और उन्होंने उनकी स्थिति की तुलना फार्म से बाहर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के संघर्ष से की। 'मुझे लगता है कि जब मैं बाहर से देखता हूं, तो मुझे लगता है कि वह गेंद पर थोड़ा देर से आता है। उसके पैर सामान्य रूप से उतने अच्छे से नहीं चलते हैं। अपने चरम पर भी, उसका फुटवर्क न्यूनतम था, लेकिन और भी बहुत कुछ था। वह गेंद की ओर अधिक था। इस समय, मुझे लगता है कि वह क्रीज पर पकड़ा हुआ है।'

चुनाव में जीत के बावजूद यौन शोषण मामले में ट्रंप को राहत नहीं, 42 करोड़ रुपए का हर्जाना बरकरार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। एक संघीय अपील न्यायालय ने सोमवार को एक सिविल मामले में ट्रंप को झटका दिया है. अदालत ने जूरी के निष्कर्ष को बरकरार रखा कि डोनाल्ड ट्रंप ने 1990 के दशक के मध्य में एक अपस्केल डिपार्टमेंट स्टोर के ड्रेसिंग रूम में एक स्तंभकार का यौन शोषण किया था. द्वितीय यूएस सर्किट कोर्ट ऑफ अपील ने मानहानि और यौन शोषण के लिए मैनहट्टन जूरी द्वारा ई. जीन कैरोल को दिए गए 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर (42 करोड़ 79 लाख 88 हजार रुपये) का हर्जाना बरकरार रखते हुए एक लिखित राय जारी की. लंबे समय से पत्रिका स्तंभकार रहे कैरोल ने 2023 के मुकदमे में गवाही दी थी कि ट्रंप ने वसंत 1996 में एक दोस्ताना मुलाकात को हिंसक हमले में बदल दिया, जब वे स्टोर के ड्रेसिंग रूम में मजाकिया ढंग से घुस गए. हमले की घटना से बार-बार इनकार करने के बाद ट्रंप ने मुकदमे में भाग नहीं लिया. लेकिन उन्होंने इस साल की शुरुआत में एक अनुवर्ती मानहानि मुकदमे में संक्षिप्त रूप से गवाही दी, जिसके परिणामस्वरूप 83.3 मिलियन का पुरस्कार मिला. दूसरा मुकदमा तत्कालीन राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा 2019 में की गई टिप्पणियों के परिणामस्वरूप हुआ, जब कैरोल ने पहली बार एक संस्मरण में सार्वजनिक रूप से आरोप लगाए थे. अपने फैसले में, अपील अदालत के तीन न्यायाधीशों के पैनल ने ट्रंप के वकीलों के दावों को खारिज कर दिया कि ट्रायल जज लुईस ए. कपलान ने कई ऐसे फैसले दिए थे, जिससे ट्रायल खराब हो गया, जिसमें दो अन्य महिलाओं को गवाही देने की अनुमति देना भी शामिल था, जिन्होंने ट्रंप पर यौन शोषण का आरोप लगाया था. न्यायाधीश ने जूरी को कुख्यात एक्सेस हॉलीवुड टेप देखने की भी अनुमति दी थी, जिसमें ट्रंप ने 2005 में महिलाओं के जननांगों को पकड़ने के बारे में दावा किया था क्योंकि जब कोई स्टार होता है, तो आप कुछ भी कर सकते हैं. दूसरे सर्किट कोर्ट ने कहा कि हम निष्कर्ष निकालते हैं कि ट्रंप ने यह प्रदर्शित नहीं किया है कि जिला न्यायालय ने चुनौती दिए गए किसी भी फैसले में गलती की है. इसके अलावा, उन्होंने यह दिखाने का अपना दायित्व नहीं निभाया है कि किसी भी दावा की गई त्रुटि या दावा की गई त्रुटियों के संयोजन ने उनके पर्याप्त अधिकारों को प्रभावित किया है, जो एक नए परीक्षण को वारंट करने के लिए आवश्यक है. सितंबर में, कैरोल, 81, और ट्रंप, 78, दोनों ने द्वितीय सर्किट द्वारा मौखिक तर्कों में भाग लिया. स्टीवन चेउंग, ट्रंप के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि ट्रंप को मतदाताओं द्वारा चुना गया था जिन्होंने एक भारी जनादेश दिया था, और वे हमारी न्याय प्रणाली के राजनीतिक हथियारीकरण को तत्काल समाप्त करने और डेमोक्रेट द्वारा वित्तपोषित कैरोल होक्स सहित सभी विच हंट्स को तुरंत खारिज करने की मांग करते हैं, जिस पर अपील जारी रहेगी. रोबर्टा कपलान, एक वकील जिसने मुकदमे के दौरान कैरोल का प्रतिनिधित्व किया और जो न्यायाधीश से संबंधित नहीं है, ने एक बयान में कहा कि ई. जीन कैरोल और मैं दोनों आज के फैसले से संतुष्ट हैं. हम पक्षों की दलीलों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के लिए द्वितीय सर्किट कोर्ट को धन्यवाद देते हैं.

साउथ कोरिया में 7 दिन का राष्ट्रीय शोक, राष्ट्रपति ने सभी एयरलाइन की जांच का आदेश दिया

सियोल, एजेंसी। साउथ कोरिया में प्लेन क्रैश हादसे के बाद कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने सोमवार को देश में 7 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने सभी एयरलाइन सिस्टम की जांच के आदेश दिया है। रविवार को बैंकॉक से आ रहा जेजू एयर का बोइंग 737-800 प्लेन मुआन एयरपोर्ट पर लैंड कर रहा था, लेकिन गियर में खराबी की वजह से इसके पहिए नहीं खुले। बेली लैंडिंग की कोशिश में प्लेन क्रैश कर गया, जिससे उसमें सवार 181 लोगों में से 179 की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में जान गंवाने वालों में 84 पुरुष और 85 महिलाएं हैं। जबकि 10 शवों के जेंडर का पता नहीं चल पाया। मरने वालों में से 146 लोगों की पहचान कन्फर्म हो चुकी है, बाकी बचे लोगों की पहचान जानने के लिए डीएनए टेस्ट किया जाएगा। हादसे में जिंदा बचे दोनों क्रू मेंबर का इलाज जारी है। होश में आने के बाद दोनों गहरे सदमें है। उन्हें हादसे को लेकर साफ तौर पर कुछ भी याद नहीं है। क्रू मेंबर को हादसे के बारे में साफ तौर पर कुछ याद नहीं कोरियन टाइम्स के मुताबिक हादसे में बच गए दोनों क्रू मेंबर पैसेंजर्स की मदद के लिए प्लेन के पिछले हिस्से में तैनात थे। इनमें से एक 32 साल के ली सदमे में हैं। वे बार-बार पूछ रहे हैं कि उन्हें क्या हुआ है? और वह यहां क्यों हैं? डॉक्टर का कहना है कि ली के बाएं कंधे में फ्रैक्चर और सिर में चोटें आईं हैं, लेकिन उनका स्वास्थ्य स्थिर हैं। 25 साल की फ्लाइट अटेंडेंट क्वोन भी हादसे में बाल-बाल बच गईं। उनका भी हॉस्पिटल में इलाज जारी है। क्वोन को भी हादसे के बारे में कुछ याद नहीं है। उन्होंने अपने सिर, टखने और पेट में तेज दर्द की बात कही है। डॉक्टर्स ने कहा कि क्वोन की चोटें गंभीर हैं लेकिन जान को कोई खतरा नहीं है।

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति बोले- भारत हमारे लोकतंत्र का समर्थक

माले, एजेंसी। मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति और विपक्षी पार्टी के नेता, मोहम्मद नशीद ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के खिलाफ

महाभियोग लाने की साजिश और उसमें भारत की भूमिका को खारिज किया है। दरअसल सोमवार को अमेरिकी अखबार द वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था मुइज्जू को पद से हटाने के लिए विपक्ष ने साजिश रची थी। इसके लिए भारत से 51 करोड़ की मदद मांगी जानी थी।

इस रिपोर्ट पर नशीद ने बताया कि उन्हें ऐसी किसी साजिश की जानकारी नहीं और भारत कभी भी ऐसी साजिश का समर्थन नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि भारत कभी ऐसा कदम नहीं उठाएगा, क्योंकि वह हमेशा मालदीव के लोकतंत्र का समर्थन करता है। भारत ने कभी हम पर शर्तें नहीं थोपीं।

दावा- 40 सांसदों को रिश्वत देने का प्लान था वाशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि उसके पास डेमोक्रेटिक रिन्यूअल इनिशिएटिव नाम के कुछ दस्तावेज मौजूद हैं। इनमें मुइज्जू को सत्ता से हटाने की प्लानिंग है। रिपोर्ट के मुताबिक मुइज्जू को सत्ता से हटाने के लिए 40 सांसदों को रिश्वत देने का प्लान बनाया गया था। इनमें मुइज्जू की पार्टी के सांसद भी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सांसदों के अलावा सेना और पुलिस के 10 सीनियर अधिकारियों और कुछ आपराधिक गिरोहों को भी पैसे देने का प्लान बनाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक इसके लिए साजिश करने वालों ने 51 करोड़ रुपए की मांग रखी थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने मालदीव के दो अधिकारियों के हवाले बताया है कि ये रकम भारत से मांगी जानी थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि, भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आरएडब्ल्यू) के सीनियर अधिकारी ने मुइज्जू को राष्ट्रपति पद से हटाने की योजना पर बात की थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया उसे मुइज्जू के परिवार के एक सदस्य ने कुछ रिकॉर्डिंग दिए हैं। इनमें आरएडब्ल्यू के एक सीनियर खुफिया अधिकारी और अन्य भारतीय मीडिएटर्स के बीच मुइज्जू को पद से हटाने को लेकर हुई बातचीत रिकॉर्ड है।

संक्षिप्त समाचार

द. कोरिया में मार्शल लॉ लगाने वाले राष्ट्रपति के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में हाल ही में रातों रात मार्शल लॉ लगाने वाले राष्ट्रपति यून

की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने मंगलवार को राष्ट्रपति यून सुक येओल को हिरासत में लेने और उनके दफ्तर और घरों की तलाशी लेने के लिए वारंट जारी किए हैं। देश में भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एजेंसी ने कहा है कि वह इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या उनकी घोषणा विद्रोह के बराबर थी। वहीं विपक्षी दलों ने संसद में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी पेश किया है। दक्षिण कोरिया के अधिकारियों के एक बयान के मुताबिक सियोल की एक कोर्ट ने यून को हिरासत में लेने और कार्यालय और घर की तलाशी लेने के लिए वारंट जारी किए। दक्षिण कोरिया के कानून की बात करें तो विद्रोह का दोषी पाए जाने पर उन्हें मौत की सजा या आजीवन कारावास की सजा भी दी जा सकती है। फिलहाल राष्ट्रपति पद पर होने की वजह से यून को ज्यादातर आपराधिक मुकदमों से छूट मिली है। हालांकि यह विशेषाधिकार विद्रोह या देशद्रोह के आरोपों में नहीं मिलता है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक यून को औपचारिक रूप से पद से नहीं हटाया जाता तब तक हिरासत में लेने या तलाशी लेने की संभावना कम है। यून ने दिए थे तर्क गौरतलब है कि 14 दिसंबर को मार्शल लॉ लागू लगने के बाद विपक्ष द्वारा नियंत्रित नेशनल असेंबली ने यून के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया था। तब से राष्ट्रपति यून की शक्तियां निलंबित हैं। देश में अचानक लगाए गए मार्शल के बाद सैकड़ों सैनिक और पुलिस अधिकारी सियोल की सड़कों पर उतर आए थे। यून ने तर्क दिया था कि उनका आदेश पूरी तरह वैध था। उन्होंने कहा था कि विपक्षी पार्टियां उत्तर कोरिया के साथ मिलकर देश को कमजोर करने का काम कर रही है। द कोरिया की संवैधानिक कोर्ट को यह तय करना है कि यून को राष्ट्रपति पद से बर्खास्त किया जाए या नहीं। विशेषज्ञों ने कहा कि यून वारंट की अनदेखी कर सकते हैं। यून के एक वकील ने सोमवार को भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी के वारंट को खारिज करते हुए कहा है कि विद्रोह के आरोपों की जांच करने के लिए उनके पास कानूनी अधिकार नहीं है।

राष्ट्रपति पद छोड़ने से पहले यूक्रेन की बड़ी मदद कर गए बाइडन, 2.5 बिलियन डॉलर देने का ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस के खिलाफ युद्ध लड़ रहे यूक्रेन के लिए अमेरिका ने फिर मदद का हाथ बढ़ाया है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार को कहा कि यूएस यूक्रेन को लगभग 2.5 बिलियन डॉलर और हथियार भेजेगा। अमेरिकी प्रशासन नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यालय संभालने से पहले कीव को मजबूती देना चाहता है। रूस से लड़ने में मदद के लिए संसाधन मुहैया कराने का काम तेजी से चल रहा है। ताजा पैकेज में राष्ट्रपति के ड्रॉडाउन अथॉरिटी का 1.25 बिलियन डॉलर शामिल है, जिससे सेना को युद्ध के मैदान में तेजी से हथियार पहुंचाने की इजाजत मिलती है। इसके अलावा, यूक्रेन सुरक्षा सहायता पहल के तहत करार पर रखा जाने वाला 1.22 बिलियन डॉलर का हथियार पैकेज भी है। जो बाइडन ने कहा कि सभी दीर्घकालिक यूएसएआई फंड अब खर्च हो चुके हैं। साथ ही, वह ऑफिस छोड़ने से पहले बाकी सभी ड्रॉडाउन मनी का पूरा उपयोग करना चाहते हैं। बाइडन ने बयान जारी करके कहा, मैंने अपने प्रशासन को निर्देश दिया है कि यूक्रेन को जितनी जल्दी हो सके उतनी सहायता जारी की जाए। अमेरिका कार्यालय में मेरे शेष समय तक युद्ध में यूक्रेन को मजबूत करने के लिए लगातार काम करना जारी रखेगा। गौरतलब है कि यूक्रेन ने पिछले दिनों रूसी सेना के साथ लड़ाई में अपने 1,400 सैनिक खो दिए हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन ने रूस के सेंटर समूह के साथ झड़प में 480 से अधिक सैनिकों को खो दिया, जिसने 11 यूक्रेनी जवाबी हमलों को विफल कर दिया। रूसी सेना के जैपाद समूह ने चार जवाबी हमलों को विफल कर दिया और 420 यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया।

अमेरिकी ट्रेजरी पर चीन का साइबर अटैक, अहम दस्तावेजों तक बनाई पहुंच

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन के हैकरों ने अमेरिका पर बड़ा साइबर अटैक किया है। व्हाइट हाउस की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि एक बड़े साइबर सुरक्षा उल्लंघन में राज्य-प्रायोजित चीनी अभिनेता ने कथित तौर पर अमेरिकी कार्यालयों और अवर्गीकृत दस्तावेजों तक पहुंच प्राप्त कर ली। ट्रेजरी अधिकारियों द्वारा जारी आंतरिक ट्रेजरी विभाग के बयान में सरकारी एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले सॉफ्टवेयर सिस्टम में कमजोरियों को उजागर किया गया है। सीएनएन द्वारा समीक्षा किए गए एक दस्तावेज में पाया गया कि उल्लंघन तब हुआ जब एक धमकी देने वाले अभिनेता ने बैंक कार्यालयों और अनएन्क्रिप्टेड दस्तावेज़ों तक दूरस्थ पहुंच प्राप्त करने के लिए चोरी की चाबियों का उपयोग किया। इस समझौते का पता 8 दिसंबर को एक तृतीय-पक्ष सॉफ़्टवेयर सेवा प्रदाता द्वारा एक अधिसूचना के माध्यम से चला। अमेरिकी ट्रेजरी में प्रबंधन की सहायक सचिव अदिति हार्डिकर के अनुसार, इस घटना के लिए एक चीनी राज्य प्रायोजित एडवांस्ड पर्सिस्टेंट थ्रेट (एपीटी) अभिनेता को जिम्मेदार ठहराया गया है।

अमेरिका के लॉस एंजेलिस हवाई अड्डे पर टकराने से बचे विमान, एटीसी की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

लॉस एंजेलिस , एजेंसी। हाल ही में अजरबैजान और दक्षिण कोरिया में हुए दो बड़े विमान हादसों से लोग उबरे भी नहीं है कि अमेरिका के लॉस एंजेलिस हवाई अड्डे पर एक और बड़ा विमान हादसा होने से बाल-बाल बच गया। दरअसल हवाई अड्डे पर दो विमान आपस में टकराने से बच गए और एटीसी की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि कुछ सेकेंड की देरी सैंकड़ों जिंदगियों पर भारी पड़ सकती थी। गौरतलब है कि एक विमान में वॉशिंगटन के गोंजागा विश्वविद्यालय की बास्केटबॉल टीम भी सफर कर रही थी। अमेरिका के फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। एफएए ने बयान में कहा कि लाइम एयर फ्लाइट 563 लॉस एंजेलिस हवाई अड्डे पर उतरी थी और जैसे ही वह रनवे को पार करने वाली थी, तभी बास्केटबॉल टीम को ले जा रहा निजी विमान भी टेकऑफ कर रहा था। स्थिति ऐसी बनी कि दोनों विमान बेहद करीब आ गए। हालात को देखते हुए एटीसी ने तुरंत की लाइम एयरलाइंस के विमान को तुरंत रुकने को कहा। इससे विमानों की टक्कर बच गई। जब निजी विमान ने उड़ान भर ली, उसके बाद दूसरे विमान को रनवे पर जाने की इजाजत दी गई।

क्या पाकिस्तान में सरकार-विपक्ष के बीच सब ठीक हो जाएगा? दो जनवरी को होगी इमरान खान की पार्टी से बातचीत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार और इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के बीच महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। इसका उद्देश्य राजनीतिक मतभेदों को सुलझाना है। यह बैठक गुरुवार को संसद भवन में सुबह 11 बजे होने वाली है, जिसे नेशनल असेंबली स्पीकर सरदार अयाज सादिक ने बुलाया है। वह दोनों पक्षों के बीच बातचीत करवाना चाह रहे हैं, जिससे मतभेद सुलझाए जा सकें।

इससे पहले हो चुकी है बैठक : यह बैठक 23 दिसंबर को शुरू हुई बातचीत पर आधारित होगी और इसका उद्देश्य राजनीतिक स्थिरता की दिशा में एक कदम बढ़ाना है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पीटीआई पार्टी दो प्रमुख मांगें प्रस्तुत करने की योजना बना रही है, जो आगामी सत्र के दौरान लिखित रूप सरकार के सामने रखेगी।

इन दो मांगों पर अड़ी पीटीआई : इन मांगों में पिछले साल की नौ मई को हुई हिंसक घटनाओं और 26 नवंबर को इस्लामाबाद में पीटीआई कार्यकर्ताओं पर की गई कार्रवाई की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग का गठन करना तथा 72 वर्षीय इमरान खान समेत सभी राजनीतिक बंदियों की रिहाई करना शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रीय असेंबली स्पीकर और पीटीआई नेता असद कैसर ने इन मांगों को दोहराते हुए कहा कि पार्टी आयोग के गठन और खान की रिहाई की अपनी मांगों पर अडिग है। 23 दिसंबर को हुई पहली बैठक को सकारात्मक देखा गया, जिसमें दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने पर

सहमति जताई थी। इस बैठक में पीटीआई का प्रतिनिधित्व कैसर, सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के अध्यक्ष साहिबजादा हामिद रजा और मजलिस वहदत-ए-मुस्लिमीन (एमडब्ल्यूएम) के नेता अल्लामा राजा नसर अब्बास ने किया था। एसआईसी और एमडब्ल्यूएम दोनों ही खान के प्रमुख सहयोगी हैं।

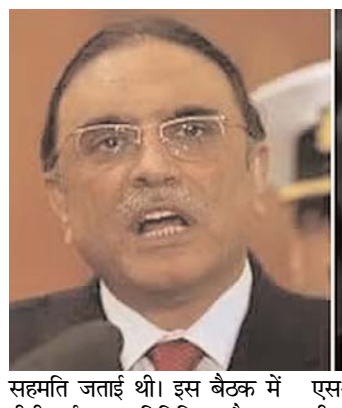

सरकार की तरफ से ये लोग कर रहे नेतृत्व : सरकारी पक्ष का नेतृत्व करने वाली नौ सदस्यीय समिति में उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार, प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह, सेनटर इरफान सिद्दीकी, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के राजा परवेज अशरफ और नवीद कमर, इत्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) के नेता अलीम खान, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्वैद (पीएमएल-क्यू) के नेता चौधरी सलीक हुसैन, बलूचिस्तान अवामी पार्टी के सरदार खालिद माग्सी और मुताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान के नेता डॉ. खालिद मकबूल सिद्धिकी शामिल हैं। अयाज सादिक ने दोनों सरकार और विपक्ष के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि दोनों पक्षों ने एक सकारात्मक माहौल बनाया है और उन्हें उम्मीद है कि इस प्रयास से पाकिस्तान की राजनीतिक स्थिरता बढ़ेगी तथा देश की चुनौतियों का समाधान होगा।

नौ जनवरी को होगा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का अंतिम संस्कार, अमेरिका में शोक दिवस का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर का 100 साल की आयु में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार नौ जनवरी को वॉशिंगटन डीसी में होगा। राष्ट्रपति जो बाइडन ने नौ जनवरी को राष्ट्रीय शोक दिवस का एलान किया है। उन्होंने कहा है कि नौ जनवरी को पूर्व राष्ट्रपति कार्टर के सम्मान में संघीय कार्यालय बंद रहेंगे। वहीं अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने भी नौ जनवरी को न्यायालय बंद रखने के लिए कहा है।

जिमी कार्टर का रविवार देर रात 100 साल की उम्र में निधन हो गया। जिमी कार्टर अमेरिकी इतिहास के सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले राष्ट्रपति थे। राष्ट्रपति जो बाइडन ने जिमी कार्टर के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि आज अमेरिका और दुनिया ने एक असाधारण नेता, राजनेता और मानवतावादी खो दिया है। पूर्व राष्ट्रपति कार्टर को श्रद्धांजलि देने के लिए समारोह चार जनवरी से शुरू होंगे। इस दौरान उनके पार्थिव शरीर को दर्शन के लिए जॉर्जिया स्थित आवास और जॉर्जिया राज्य कैपिटल में रखा जाएगा। इसके बाद सात जनवरी तक पूर्व राष्ट्रपति के पार्थिव शरीर को अटलांटा स्थित कार्टर प्रेसिडेंशियल सेंटर में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। यहां से पार्थिव शरीर को अमेरिकी नौसेना स्मारक और अंतिम यात्रा के साथ वॉशिंगटन डीसी ले जाया जाएगा। सात जनवरी को अमेरिकी सांसद दिवंगत राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि देंगे। नौ जनवरी तक पूर्व राष्ट्रपति का पार्थिव शरीर वॉशिंगटन डीसी में रहेगा। यहां सुबह 10 बजे राष्ट्रीय कैथेड्रल में उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार होगा। सोमवार को अमेरिकी कांग्रेस के नेताओं ने पूर्व राष्ट्रपति कार्टर के बेटे जेम्स कार्टर तृतीय और कार्टर सेंटर को पत्र लिखकर कहा था कि दिवंगत राष्ट्रपति का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार वॉशिंगटन डीसी में किया जाए। बाइडन-ट्रंप ने दी श्रद्धांजलि राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को एक बयान में कार्टर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने बयान में कार्टर को प्रिय मित्र और असाधारण नेता के रूप में याद किया। वहीं, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकियों पर पूर्व राष्ट्रपति का कृतज्ञता का ऋण है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया। पीएम नरेंद्र मोदी ने उनको महान दूरदर्शी राजनेता बताया। पीएम ने कहा कि उन्होंने वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए अथक प्रयास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के निधन से बहुत दुख हुआ। वह एक महान दूरदर्शी राजनेता थे। उन्होंने वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए अथक प्रयास किया। भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बनाने में उनका योगदान एक स्थायी विरासत छोड़ गया है। उनके परिवार, दोस्तों और अमेरिका के लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

पाकिस्तान 2025 में सुरक्षा परिषद में होगा शामिल

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के कई सदस्य बुधवार (1 जनवरी, 2025) से बदलने जा रहे हैं। इसमें कुछ गैर-स्थायी सदस्यों की एंट्री हो रही है, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। उसे अब आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने के मामले में एक तरह की वीटो शक्ति प्राप्त हो जाएगी जिन्हें वह पनाह देता आया है। जून में अस्थायी सदस्य के रूप में चुने जाने के बाद, पाकिस्तान सुरक्षा परिषद में एशिया-प्रशांत देशों के लिए दो सीटों में से एक पर जापान की जगह लेगा और दो साल तक यह सीट पर रहेगा। इस्लामाबाद को अब 26/11 मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड साजिद मीर जैसे अपने आतंकवादियों की सुरक्षा के लिए इस्लामिक स्टेट और अलकायदा प्रतिबंध समिति में बीजिंग पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जो इन दोनों संगठनों से जुड़े व्यक्तियों और समूहों को आतंकवादी घोषित करती है और उन पर प्रतिबंध लगाती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में केवल स्थायी सदस्यों के पास निर्णयों पर वीटो की शक्ति होती है, लेकिन गैर-स्थायी सदस्यों के पास भी आतंकवाद के लिए प्रतिबंध समितियों में एक प्रकार की वीटो शक्ति होती है क्योंकि वे स्वीकृत मानदंडों के तहत आम सर्वसम्मति से कार्य करती हैं। सर्वसम्मति प्रक्रिया द्वारा दिए गए वर्चुअल वीटो की निंदा की जाती रही है, इस्लामिक स्टेट-अल-कायदा प्रतिबंध पैनल के पूर्व प्रमुख न्यूजीलैंड ने इसे समिति की प्रभावशीलता में सबसे बड़ा अवरोधक बताया है। भारत ने प्रतिबंध समितियों की कार्यप्रणाली को भूमिगत करार दिया है, जो कानूनी आधार के बिना अस्पष्ट प्रथाओं पर आधारित है। साथ ही पारदर्शिता की मांग की है ताकि निर्णयों के औचित्य और उन्हें कैसे लिया जाता है, यह स्पष्ट हो सके। पाकिस्तान को अब सुरक्षा परिषद में कश्मीर पर अपनी अभियान को और जोरदार तरीके से उठाने का मंच मिल जाएगा, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे वह चर्चा के विषय की परवाह किए बिना नियमित रूप से उठाता है, तथा भारत पर तीखे हमले करता है। हालांकि, यह एक निरंतर प्रचार स्टंट ही रहेगा क्योंकि पाकिस्तान एक ऐसी आवाज रहा है जो सुनसान में गूंजती है। इस्लामाबाद कश्मीर को फिलिस्तीन समस्या से जोड़ने की कोशिश करता रहा है लेकिन किसी अन्य देश को अपने साथ नहीं जोड़ सका। जुलाई में जब पाकिस्तान सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा, तो वह अपनी पसंद के विषयों पर कम से कम दो सिग्नेचर इवेंट्स आयोजित कर सकता है, जिनमें उच्च-स्तरीय भागीदारी होगी, जिसमें उसके अपने और आमंत्रित सदस्य दोनों शामिल होंगे। भले ही यह सीधे तौर पर इसे भारत विरोधी शो न बनाए, लेकिन यह किसी ऐसे विषय को उठा सकता है जिसका इस्तेमाल वह भारत और कश्मीर पर दुष्प्रचार के लिए कर सकता है। जापान के हटने के साथ, ध्रुवीकृत परिषद में संतुलन में एक सूक्ष्म बदलाव आ गया है, जहां चीन, रूस और पाकिस्तान का त्रिकोण कई मुद्दों पर उभर कर सामने आएगा। अन्य एशियाई सदस्य दक्षिण कोरिया है, जो जापान की तरह पश्चिम समर्थक है।

सांसद रानिल जयवर्धने को मिलेगा नाइटहुड सम्मान, ब्रिटिश नववर्ष सम्मान सूची में 30 से ज्यादा भारतवंशी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में नए साल के मौके पर ब्रिटिश सम्राट किंग चार्ल्स तृतीय देश और समाज के उत्थान के काम करने वाले गुमनाम नायकों को प्रतिष्ठित सम्मान देंगे। नववर्ष सम्मान सूची में 30 से अधिक भारतवंशी शख्सियतों के नाम शामिल हैं। इस साल किंग चार्ल्स तृतीय श्रीलंका और भारतीय मूल के कंजर्वेटिव सांसद रानिल मैल्कम जयवर्धने को राजनीतिक और सार्वजनिक सेवा के लिए प्रतिष्ठित नाइटहुड सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही इंग्लैंड फुटबॉल टीम के मैनेजर गैरेथ साउथगेट को भी खेल सेवाओं के लिए नाइटहुड सम्मान से नवाजा जाएगा।

सम्मान के लिए जारी की गई सूची में 1200 से अधिक शख्सियतों के नाम हैं। इसमें खेल, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और स्वैच्छिक सेवा देने वाले शामिल हैं। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने कहा कि हर दिन साधारण लोग देश और समाज के लिए असाधारण काम करते हैं। ऐसे लोगों का नाम नए साल की सम्मान सूची में शामिल किया गया। उनका योगदान अविश्वसनीय है।

सूची में इन भारतीयों के नाम : सम्मान के लिए जारी की गई सूची के मुताबिक कमांडर्स ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (सीबीई) के लिए शिक्षा क्षेत्र में सेवा देने वाली सतवंत कौर देओल, खुदरा और उपभोक्ता क्षेत्र में सेवाओं के लिए लीना नायर, प्रौद्योगिकी पेशेवर ब्रिटिश कंप्यूटिंग सोसायटी के अध्यक्ष मयंक प्रकाश को चुना गया है। ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (ओबीई) के लिए कानून क्षेत्र में सेवाओं के लिए चार्ल्स प्रीतम सिंह धनोवा, स्वास्थ्य सेवा, विज्ञान और नवाचार एवं

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सेवा के लिए सर्जन प्रोफेसर स्नेह खेमका, हृदय रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर संजय आर्य; ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एक्सेटर कॉलेज में प्रारंभिक आधुनिक साहित्य और संस्कृति की प्रोफेसर और ट्यूटोरियल फेलो नंदिनी दास, आइसलैंड फूड्स के सीईओ तरसेम सिंह धालीवाल, जैस्मीन डोटीवाला का नाम शामिल किया गया। इसके अलावा ओबीई में महिला अंतरराष्ट्रीय शिपिंग और व्यापार संघ यूके की अध्यक्ष मोनिका कोहली, क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) से सौम्या मजूमदार, घोटाले से प्रभावित उप-डाकपालों के पक्ष में अभियान के लिए सीमा मिश्रा, परोपकारी मनदीप कौर संघेरा, ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के पेशेवर सवराज सिंह सिद्धू, और फैशन उद्योग की पेशेवर स्मृति श्रीराम को शामिल किया गया। ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर के सदस्यों (एमबीई) और ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर के पदक विजेताओं (बीईएम) की 2025 की सूची में प्रधानमंत्री की डायरी प्रबंधक ऊष्मा मनहर पटेल, मानसिक स्वास्थ्य अभियानकर्ता ज्ञान सिंह पावर और व्यापार विभाग से श्रव्या राव, तकनीकी विशेषज्ञ दलिम कुमार बसु, नर्सिंग प्रमुख मारिमौट्टू कुमारसामी, रुमेटोलॉजिस्ट प्रोफेसर भास्कर दासगुप्ता और बाल रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर अजय जयकिशोर वोरा, सामुदायिक कार्यकर्ता संजीब भट्टाचार्जी और जगरूप बिनिग, डाक कर्मचारी हेमंद्र हिंडोचा और चैरिटी कार्यकर्ता जसविंदर कुमार, संगीतकार बलबीर सिंह खानपुर भुजंगी के नाम शामिल हैं। भुजंगी को इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र में भांगड़ा और पंजाबी संस्कृति के लिए सेवाओं के लिए सम्मानित किया जा रहा है। इसके साथ ही कम्पेनियन ऑफ ऑनर सम्मान से लेखक काजुओ इशिगुरो को और अंग्रेजी अभिनेता, लेखक को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के लिए स्टीफन फ्राई को नाइटहुड सम्मान दिया जाएगा।

ताजा बर्फबारी के साथ घुसपैठ की संभावना, सेना ने गश्त बढ़ा दी

जम्मू । जम्मू और कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सुरक्षा उपायों और घुसपैठ के प्रयासों को लेकर सेना को बढ़ाया गया है। पीर पंजाल की पहाड़ियों पर ताजा बर्फबारी के साथ-साथ घुसपैठ की संभावनाओं को देखकर सेना ने गश्त बढ़ा दी है और निगरानी के लिए अत्याधुनिक प्रणालियों का इस्तेमाल हो रहा है। बता दें कि पाकिस्तान में आईएसआई और अन्य आतंकवादी संगठनों के बीच बैठक के बाद भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ को बढ़ाने की योजना बनाई गई है, जिससे सुरक्षा बलों की चौकसी में और बढ़ाया है। सेना दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए थर्मल इमेजिंग डिवाइस, नाइट विजन कैमरे और यूएवी ड्रोन जैसी उन्नत तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है। 2024 में सुरक्षाबलों ने कई आतंकवादी कमांडरों सहित 50 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया, जिसमें से दो दर्जन पाकिस्तान के थे। इस दौरान सुरक्षा बलों को भी नुकसान हुआ, लेकिन सेना ने अपनी गश्त और निगरानी प्रणाली को मजबूत किया है। सेना के जवानों के ऑपरेशनों के दौरान ड्रोन की सहायता ली जाती है, जिससे नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की निगरानी की जाती है।

बिहार में मुर्गी फार्म में लगी आग, 1200 चूजे जिंदा जलकर मरे

-पुलिस ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ मामला दर्ज किया

पटना । पटना के जर्नादनपुर गांव में एक मुर्गी फार्म में असामाजिक तत्वों द्वारा आग लगाने का मामला आया है। संचालक कुंदन कुमार का कहना है कि बदमाशों ने वहां मौजूद मेरी मां को बंधक बनाया। मां की कान की बाली और सोने की चेन छीन लिया। डेढ़ लाख रुपए भी बदमाश ले गए। घटना की सूचना पर पहुंची अग्निशमन दल आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक 1,200 चूजे जिंदा जलकर मारे गए। चंदन कुमार ने बताया कि मां ऑफिस में आराम कर रही थी। उसके बाद छह-सात की संख्या में आए बदमाशों ने हमारे मुर्गी फार्म में चारों तरफ पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। इस आगजनी में 1200 चूजे जिंदा जले और 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ। आग लगने की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया।

भाजपा नेता नकवी का तंज, जेब में कौड़ी नहीं है लेकिन वादे करोड़ों के कर रहे केजरीवाल

नई दिल्ली । भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर फिजूलखर्ची का आरोप लगाया है। उन्होंने केजरीवाल पर तंज कसा कि जेब में कौड़ी नहीं है लेकिन वादे करोड़ों के कर रहे हैं। नकवी ने कहा, जेब में कौड़ी नहीं और चुनाव आते ही करोड़ों के वादे करते हैं। दिल्ली की सत्ता में काबिज हुए केजरीवाल को 10 साल बीत चुके हैं। 10 सालों में कई वादे किए, वादे करके लोगों के सामने यह हीरो बन गए। हकीकत में यह जीरो निकले हैं। दरअसल, भाजपा नेता केजरीवाल के उस पत्र का जवाब दे रहे थे। इसमें केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लिखा था। एक जनवरी को लिखे पत्र में केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख से चार सवाल पूछे। वहीं खबरें चल रहीं हैं कि आरएसएस दिल्ली चुनावों में भाजपा के लिए वोट मांगेगी। क्या ये सही है? इसके पहले लोग आपसे जानना चाहते हैं कि पिछले दिनों भाजपा ने जो गलत हरकतें की हैं, क्या आरएसएस उनका समर्थन करती है? भाजपा के नेता खुलकर पैसे बांटकर वोट खरीद रहे हैं। क्या आरएसएस वोट खरीदने का समर्थन करती है? बड़े स्तर पर गरीब, दलित, पूर्वांचली और झुग्गी में रहने वालों के वोट कटवाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि ये लोग कई कई सालों से यहां रह रहे हैं।

आगरा कोर्ट में कंगना रनोट पर फैसला 9 को

आगरा । बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश की मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनोट गुरूवार को भी आगरा की एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश नहीं हुईं। कंगना के वकील भी पक्ष रखने के लिए नहीं पहुंचे। कोर्ट में बहस पूरी हुई। एडवोकेट और वादी रमाशंकर शर्मा ने कोर्ट में कहा- तीन बार नोटिस मिलने के बाद भी कंगना रनोट कोर्ट में पेश नहीं हुई हैं। उनकी तरफ से उनके वकील भी नहीं पहुंचे। इस पर कोर्ट ने आदेश दिया कि 9 जनवरी को कंगना को कोर्ट में तलब किया जाए। 9 जनवरी को कोर्ट अपना फैसला सुनाएगी। किसानों और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति अभद्र टिप्पणी के मामले में उन पर राष्ट्रद्रोह का केस लगाने की मांग की गई है।

खालिस्तान समर्थक अमृतपाल बनाएगा नई पार्टी

-14 जनवरी को माघी मेले में घोषणा होगी, अकाली दल भी वार्षिक सम्मेलन करेगा

अमृतसर। असम की डिब्रूगढ़ जेल में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत बंद खालिस्तान समर्थक और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह 14 जनवरी को पंजाब की नई क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी का गठन करेंगे। श्री मुक्तसर साहिब में माघी पर्व के अवसर पर आयोजित माघी दा मेला के दौरान इसकी घोषणा की जाएगी। इस अवसर पर पंथ बचाओ, पंजाब बचाओ रैली का आयोजन किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। रैली के दौरान अमृतपाल सिंह के पिता और उनके करीबी सहयोगी पार्टी की घोषणा करेंगे। अपने विवादित बयानों और सिख पंथ से जुड़े मुद्दों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले अमृतपाल सिंह के इस कदम से क्षेत्रीय राजनीति में हलचल मच गई है। उनकी पार्टी के मुद्दे राज्य में सिख समुदाय के हितों की रक्षा करना और पंजाब की स्थानीय समस्याओं जैसे बेरोजगारी, कृषि संकट और पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

भारत से पंगा लेकर आर्थिक रूप से बर्बाद हो जाएगा बांग्लादेश, पाकिस्तान जैसी होगी हालत

चावल, गेहूं, प्याज, लहसुन, चीनी, कपास, अनाज के लिए भारत पर निर्भर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगस्त में शेख हसीना का तख्ता पलट होने के बाद बांग्लादेश ने भारत की खिलाफत करना शुरू कर पाकिस्तान-चीन से करीबी बढ़ाने लगा। हालांकि, वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर रहा है कि वह अलग-अलग जरूरत की चीजों के लिए भारत पर निर्भर है और दूरी बनाना उसकी अर्थव्यवस्था के लिए विनाशकारी साबित होगा।

भारत एशिया में बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। बांग्लादेश चावल, गेहूं, प्याज, लहसुन, चीनी, कपास, अनाज, रिफाइंड पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक और स्टील जैसी अलग-अलग जरूरी चीजों के लिए निर्भर है। 2022-23 में भारत और बांग्लादेश के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार 16 बिलियन डॉलर था, इसमें बांग्लादेश का निर्यात करीब 2 बिलियन डॉलर था।

वहीं बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग, जो कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11 प्रतिशत का योगदान देता है। विडंबना यह है कि देश का कपड़ा उद्योग भी भारत पर बहुत अधिक निर्भर है, जो अपने कुल कपास उत्पादन का 35 प्रतिशत बांग्लादेश को निर्यात करता है। अगर भारत ये आयात रोक दे तब बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग बर्बाद हो जाएगा।जिसका बांग्लादेश के सकल घरेलू उत्पाद पर प्रतिकूल प्रभाव होगा, मुद्रास्फीति बेकाबू होगी और बेरोजगारी तेजी से बढ़ेगी, जिससे देश की अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी।

रिपोर्ट में बताया गया हैं कि हसीना के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश को 2 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है, इस कारण देश की जीडीपी वृद्धि दर 6.3 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत से भी कम हो गई है। इसके अलावा प्रति व्यक्ति आय में भी तेजी से गिरावट देखी गई है और बढ़ती महंगाई ने स्थिति को बेकाबू कर दिया है। सुरक्षा की दृष्टि से भी बांग्लादेश भारत पर निर्भर है। दोनों देश 4,367 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं और व्यापार के अलावा भारत ने पिछले 8 सालों में बांग्लादेश को 8 बिलियन डॉलर की सहायता दी है।

बंद होने के कगार पर हैं ये कंपनियां

बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग चीन के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा उद्योग है साथ ही कई टॉप ब्रांड्स अपने कपड़ों को बनाते हैं। ये इंडस्ट्री कथित तौर पर भारी घाटे का सामना कर रही है और कई कंपनियां बिगड़ती कानून व्यवस्था और देश में अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा के कारण अपने ऑपरेशन बंद करने के कगार पर हैं।

भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को लेकर ईरानी सरकार ने दिया भरोसा, यमन सरकार से बात होगी

नई दिल्ली । यमन में फांसी की सजा पा चुकी भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को लेकर ईरानी सरकार की तरफ से राहत भरी खबर आई है। ईरान सरकार से जुड़े हुए सूत्रों के हवाले से पता चला है कि ईरान इस मामले को यमन सरकार के समक्ष उठाएगा। सूत्रों का कहना है कि ईरान सरकार ने मामले पर हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। दरअसल यमन के राष्ट्रपति मोहम्मद अल-अलीमी ने दो दिन पहले ही यमन की जेल में बंद केरल की नर्स निमिषा प्रिया को फांसी की सजा की मंजूरी दी थी। यमन कोर्ट ने भारतीय महिला नर्स निमिषा को हत्या का दोषी मनाकर फांसी की सजा सुनाई थी, जिस पर वहां के राष्ट्रपति ने मुहर लगाई थी। निमिषा 2017 से यमन की जेल में बंद है। निमिषा को यमन के नागरिक तलाल एब्दो महदी की हत्या का दोषी माना गया था। निमिषा पर आरोप थे कि उन्होंने महदी के पास जमा अपना पासपोर्ट पाने के लिए उन्हें बेहोशी के इंजेक्शन दिए लेकिन इन इंजेक्शन की वजह से महदी की मौत हो गई। केरल के पलक्कड़ निवासी नर्स निमिषा अपने पति और बेटी के साथ पिछले करीब एक दशक से यमन में काम कर रही थीं। यमन कोर्ट ने भारतीय महिला निमिषा को हत्या का दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। इस मामले में दोषी नर्स की मां ने यमन जाने की गुहार लगाकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। दिल्ली हाईकोर्ट में दायर याचिका में दावा किया गया था कि महदी ने नर्स को शारीरिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया था। उसका पासपोर्ट अपने कब्जे में ले लिया था।

डल्लेवाल के मामले में पंजाब सरकार को सुप्रीम कोर्ट से फिर फटकार, मामले को बिगाड़ने की कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के मामले में पंजाब सरकार को फिर फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मान सरकार के अधिकारी और कुछ किसान नेता मीडिया में गलत धारणा फैला रहे हैं कि किसान नेता डल्लेवाल का अनशन खत्म कराने की कोशिश हो रही है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने बताया कि वह स्पष्ट करती है कि सुप्रीम कोर्ट ने कभी भी डल्लेवाल का अनशन खत्म कराने का निर्देश नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह सिर्फ उनकी सेहत को लेकर चिंतित हैं और उनके जल्द स्वास्थ्य होने की कामना करती है। सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने कहा है कि कोर्ट ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहती, लेकिन ऐसा लगता है कि पंजाब सरकार के अधिकारी और कुछ किसान नेता जमीनी स्तर पर स्थिति को और जटिल बनाने की कोशिश में लगे हैं। पीठ ने कहा, 'हमें डल्लेवाल के प्रति कुछ किसान नेताओं की सद्भावना को परखने की जरूरत है।' पीठ ने कहा कि चूंकि पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक मामले में डिजिटल माध्यम से पेश हो रहे हैं इसलिए उम्मीद है कि अदालत का संदेश निचले स्तर तक जाएगा। कोर्ट ने दोनों अधिकारियों से हलफनामा दाखिल करने को कहा जिसमें यह बताया गया हो कि 20 दिसंबर के उसके आदेश का कितना पालन किया गया है। इस आदेश में कोर्ट ने पंजाब सरकार को डल्लेवाल को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया था।

वहीं पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने स्थिति को जटिल बनाने के किसी भी कोशिश से इंकार किया है। सिंह ने कहा है कि डल्लेवाल को अपना अनशन खत्म किए बिना चिकित्सा सहायता लेने के लिए मनाने के प्रयास हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए छह जनवरी की तारीख तय की है।

मनमोहन सिंह का स्मारक स्थल बनाने की प्रक्रिया शुरु, परिजन तय करेंगे जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह का स्मारक बनाए जाने की प्रक्रिया शुरु हो गई है। इसके लिए कई स्थानों का चयन कर उसकी सूची पूर्व पीएम के परिजनों को सौंप दी गई है। इससे पहले इस मामले में खूब राजनीति हुई थी।कांग्रेस का कहना था कि उन्हें वहीं मुखाग्नि दी जानी चाहिए थी, जहां उनका अंतिम संस्कार हो। निगम बोध पर उनके अंतिम संस्कार को अपमान करार देते हुए कांग्रेस ने हमला बोला था। वहीं सरकार का कहना था कि हम उनके स्मारक के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं और ट्रस्ट का इसके लिए गठन किया जाएगा। ऐसे में थोड़ा समय लगेगा।

इस बीच मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियों ने काम तेज कर दिया है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय लोक निर्माण विभाग और शहरी विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने कुछ जगहों को चिह्नित किया है। इन स्थानों पर मनमोहन सिंह का स्मारक बनाया जा सकता है। अधिकारियों ने जिन स्थानों को निरीक्षण किया है, उनमें किसान घाट, राष्ट्रीय स्मृति स्थल और राजघाट के पास की जगहें शामिल हैं। कहा जा रहा है कि इन स्थानों की सूची मनमोहन सिंह के परिवार को भी दी गई है और उनकी राय को लेते हुए ही कोई अंतिम फैसला लिया जाएगा। फिलहाल कोई स्थान तय नहीं हुआ है और मनमोहन सिंह की फैमिली से विकल्प चुनने को कहा गया है। स्मारक बनाने से पहले सरकार की पहल पर एक ट्रस्ट का गठन किया जाएगा। फिर उस ट्रस्ट के ही आवेदन पर जमीन का औपचारिक तौर पर आवंटन होगा और स्मारक बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। स्मारक का निर्माण केंद्रीय लोक निर्माण विभाग की ओर से किया जाएगा। इसके लिए ट्रस्ट और विभाग के बीच एक एमओयू होगा। बता दें कि 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार की कैबिनेट एक प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसके तहत राष्ट्रीय स्मृति स्थल के नाम से समाधियों के लिए अलग जगह आवंटन का फैसला हुआ था। यह तय हुआ था कि राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति जैसे पदों पर रहे नेताओं की समाधियां राष्ट्रीय स्मृति स्थल पर बनाई जाए। माना जा रहा है कि मनमोहन सिंह के स्मारक को भी राष्ट्रीय स्मृति स्थल परिसर के भीतर ही बनाया जा सकता है। यहीं पर पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी का भी स्मारक बनाया गया है।

आरक्षण को लेकर राजनीतिक घमासान, उप समिति पर सबकी नजरें

- विभिन्न दलों और सामाजिक संगठनों के बीच मतभेद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में आरक्षण व्यवस्था एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है, जिसमें विभिन्न दलों और सामाजिक संगठनों के बीच मतभेद हैं। एक ओर जहां सत्तारूढ़ दल इसे राजनीतिक मुद्दा मानते हुए आरक्षण व्यवस्था में बदलाव के विरोधी हैं, वहीं विपक्षी दल और कुछ सामाजिक संगठन इसे वर्ग आधारित न्याय सुनिश्चित करने के रूप में देख रहे हैं।जम्मू और कश्मीर में आरक्षण की व्यवस्था को लेकर 15 मार्च 2024 का एसओ 176 महत्वपूर्ण है, जो प्रदेश में आरक्षण के ढांचे को परिभाषित करता है। इसका उद्देश्य विभिन्न समुदायों को उनके हक का लाभ दिलाना है। कई लोग ओपन मेरिट के तहत सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के अधिकारों को लेकर चिंतित हैं। उनका कहना है कि आरक्षण की व्यवस्था ओपन मेरिट के अवसरों को सीमित कर सकती है, जिससे समाज के सामान्य वर्ग को नुकसान हो सकता है। आगा रुहुल्ला मेहदी और वहीद पर्रा जैसे नेता मौजूदा आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की बात कर रहे हैं, जबकि बीजेपी इसे राजनीतिक मुद्दा मानती है और समाज को बांटने की कोशिश मानती है। भाजपा का दावा है कि यह मुद्दा मुख्य रूप से राजनीतिक दलों द्वारा उठाया जा रहा है और आरक्षण का प्रश्न अधिकतर राजनीतिक लाभ लेने के लिए उठाया जा रहा है। सामाजिक संगठनों का कहना है कि आरक्षण की व्यवस्था में सुधार की जरूरत है और आरोप लगाते हैं कि राजनीतिक दल इस व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं। वहीं जातीय जनगणना को इस मुद्दे का समाधान माना जा रहा है, क्योंकि इससे सही आंकड़े प्राप्त हो सकते हैं और आरक्षण की नीति को और ज्यादा उचित और प्रभावी बनाया जा सकता है। बिहार की तर्ज पर जातीय जनगणना करवाने का प्रस्ताव भी उठाया गया है। इस प्रक्रिया से यह पता चल सकेगा कि समाज के किस वर्ग को कितनी मदद की आवश्यकता है, और किसे किस प्रकार का आरक्षण मिलना चाहिए।

आम आदमी पार्टी ने सत्ता में एक दशक रहने के बाद भी कोई वादा पूरा नहीं किया: भाजपा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की सत्ता में एक दशक रहने के बाद भी कोई वादा पूरा नहीं किया है। भाजपा ने बुधवार को आम आदमी पार्टी और उसके प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर अपना हमला तेज करते हुए उन पर दिल्ली के लोगों से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता तथा सांसद सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि आप पार्टी यह विचार लेकर आई कि हम नई राजनीति ला रहे हैं। त्रिवेदी ने कहा कि आप गिरगिट की तरह रंग बदलती है। अरविंद केजरीवाल दिल्ली की जनता से झूठे वादे कर रहे हैं। आप नेता जो कहते हैं वो नहीं करते हैं। मोहल्ला क्लीनिक में भ्रष्टाचार उजागर हुआ। अब केजरीवाल को जनता समझ चुकी है।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने बिजली दरें कम करने, स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने, शिक्षा प्रणाली में सुधार करने, स्वास्थ्य सेवा बढ़ाने, स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने, लैंडफिल को हटाने, महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देने, झुग्गीवासियों के लिए आवास की पेशकश करने और यमुना को साफ करने का वादा किया था। हालाँकि, इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने असुरक्षित बिजली तारों से राहत दिलाने का वादा किया। उन्होंने वादा किया था कि वह कूड़े के ढेर साफ करेंगे। हालांकि, बताया जा रहा है कि दिल्ली में कूड़े के ढेरों की ऊंचाई 8 मीटर तक बढ़ गई है।

त्रिवेदी ने केजरीवाल की दस प्रतिबद्धताओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में एक दशक रहने के बाद भी उनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक विचित्र संवैधानिक उदाहरण भी 2024 में देश ने देखा। जब जेल से रहकर किसी मुख्यमंत्री ने सरकार को चलाया। भाजपा नेता ने कहा कि केजरीवाल पर आरोप लगा और उन्हें जेल जाना पड़ा। हालांकि केजरीवाल जेल जाने वाले पहले मुख्यमंत्री नहीं हैं। इससे पहले भी हेमंत सोरेन, मधुकोड़ा, लालू प्रसाद यादव, जयललिता, करूणानिधि ये सब भी पद पर रहते हुए जेल गए। परंतु लालू प्रसाद यादव ने इतनी मर्यादा रखी थी कि उन्होंने पद छोड़ दिया था। लेकिन 2024 एक ऐसा विस्मयकारी और विचित्र उदाहरण देश को देखने को मिला कि जिन्होंने (केजरीवाल ने) जेल जाने के बाद भी मुख्यमंत्री का पद नहीं छोड़ा।

त्रिवेदी ने कहा कि आप पार्टी यह विचार लेकर आई कि हम नई राजनीति ला रहे हैं। आज की राजनीति में सभी राजनीतिक दलों के बीच सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता का संकट था। उन्होंने कहा कि आम जनता के बीच यह धारणा बन गई थी कि राजनेता जो उपदेश देते हैं, उस पर अमल नहीं करते। उन्होंने कहा क पीएम मोदी वे नेतृत्व में बीजेपी और एनडीए ने इस धारणा को बदला और राजनीति में विश्वसनीयता स्थापित की। दूसरी ओर, आप विपरीत चरम क प्रतिनिधित्व करती है, जहां वे हमेशा अपने वादे को पूरा करने में विफल रहते हैं।

अजमेर शरीफ पर पीएम मोदी की ओर से चादर चढ़ाएंगे केंद्रीय मंत्री रिजिजू, हिंदू सेना ने किया विरोध

-पीएमओ को खत लिखकर अपील की मामला अभी अदालत में लंबित

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार 11वीं बार अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाएंगे। उनकी ओर से केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू 4 जनवरी को ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर चादर चढ़ाएंगे। इस बीच हिंदू सेना ने प्रधानमंत्री मोदी की ओर से अजमेर शरीफ में चादर चढ़ाने का विरोध किया है। ये दरगाह असल में संकट मोचन महादेव मंदिर है। संगठन के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने पीएमओ में प्रिंसिपल सेक्रटरी को खत लिखकर मांग की है कि दरगाह में पीएम की ओर से चादर चढ़ाने के कार्यक्रम को तबतक के लिए सस्पेंड किया जाए जबतक कि दरगाह-मंदिर का मामला अदालत में लंबित है।

अजमेर शरीफ में सालाना उर्स 28 दिसंबर से शुरू हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछली बार भी दरगाह पर चादर भेजी थी जिसका रंग भगवा था। तब बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने पीएम की ओर से दरगाह पर चादर चढ़ाई थी। उससे पहले तब के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी प्रधानमंत्री मोदी की ओर से चादर चढ़ाने जाते थे। इस बार केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू पीएम की तरफ से चादर लेकर अजमेर शरीफ जाएंगे। वह दरगाह की वेबसाइट और गरीब नवाज एप की

लांचिंग करने वाले है।

वहीं प्रधानमंत्री मोदी की ओर से अजमेर शरीफ में चादर चढ़ाने का हिंदू सेना ने विरोध किया है। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुप्ता ने पीएमओ को खत लिखकर अपील की है कि पीएम ऐसा न करें। वे संकट मोचन महादेव मंदिर बनाम अजमेर दरगाह ख्वाजा साहेब केस में याचिकाकर्ता हैं और मामला अजमेर वेस्ट डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में लंबित है। उन्होंने दावा किया है कि इस मामले में उन्होंने कोर्ट में इस बात के पर्याप्त सबूत पेश किए हैं कि अजमेर शरीफ में प्राचीन हिंदू शिव मंदिर मौजूद है, जिसका निर्माण चौहान वंश ने किया था। इस मामले में उन्होंने समूचे अजमेर दरगाह शरीफ परिसर के वैज्ञानिक सर्वे की मांग की है।

आतंकी साधु, पुजारी, अघोरी और गेरुआ वस्त्र धारण कर मेला में प्रवेश कर सकते

-इंटेलिजेंस ब्यूरो ने लोकल इंटेलिजेंस यूनिट को भेजी गोपनीय रिपोर्ट

प्रयागराज (एजेंसी)। कुछ आतंकी संगठनों ने प्रयागराज महाकुंभ-2025 को टारगेट करने की कोशिश में है। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और लोकल इंटेलिजेंस यूनिट ने यूपी के गृह मंत्रालय को एक गोपनीय रिपोर्ट भेजी है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खालिस्तानी और पाकिस्तानी आतंकी, प्रॉक्सी नाम से महाकुंभ को टारगेट कर सकते हैं। उन्होंने अपने स्लीपर सेल को सक्रिय करने का काम भी शुरू कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि रिपोर्ट में दावा है कि आतंकी साधु, पुजारी, अघोरी और गेरुआ वस्त्र धारण कर मेले में प्रवेश कर सकते हैं। इसकारण महाकुंभ में सीक्रेट पुलिसकर्मियों को साधुओं के वेश में तैनात किया जा रहा है, ताकि वे मेला क्षेत्र में हर गतिविधियों पर नजर रख सकें। ये कुंभ मेले में भीड़भाड़ वाले स्थानों पर, अखाड़ा के पंडालों में और संगम तट पर तैनात रहने वाले है।

एटीएस से लेकर एनआईए तक सक्रिय रिपोर्ट को गंभीरता से लेकर यूपी गृहमंत्रालय ने अपने सभी विंग को सक्रिय कर दिया है। कुंभ मेला में बम डिस्पोजल स्क्वॉड और एनआईए की टीमें काम कर रही हैं। इस अलर्ट के बाद मेला क्षेत्र में प्रवेश करने वाले लोगों की जांच शुरू हो गई है। हर एंट्री पॉइंट पर रजिस्टर लेकर पुलिसकर्मी खड़े हैं। गाड़ी से मेले में आने वालों के न म, पता व मोबाइल नंबर दर्ज हो रहे हैं। आधार कार्ड से उन का मिलान हो रहा है।

जिन गाड़ियों पर संदे हो रही है। संदिग्ध गाड़ियों और लोगों की तस्वीरें खींचकर उनका मिलान पुलिस के ास मौजूद डेटाबेस से किया जा रहा है। इसके अलावा ए ाई आधारित सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और एंटी ड्रोन सिस म से मेले की सुरक्षा को पुख्ता किया गया है। इस रिपोर्ट के बाद पुलिस डिपार्टमेंट और साइबर सेल ने 6 हजार स ज्यादा सोशल मीडिया प्रोफाइल सर्च किए हैं।